नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

छत्तीसगढ़ के लालबाग में आयोजित स्वदेशी मेला का अवलोकन करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

• बोकारो, रविवार, 5 अक्टूबर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 139 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नक्सलियों को अंतिम चेतावनी

शांति भंग करने पर मिलेगा करारा जवाब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहे। राज्य के बस्तर में अमित शाह ने मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने बस्तर ज़िले के मुख्यालय जगदलपुर में 'बस्तर दशहरा लोकोत्सव' और 'स्वदेशी मेला' को संबोधित भी किया, जहां से उन्होंने नक्सलियों को आखिरी चेतावनी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने स्पष्ट किया कि नक्सलियों को अब हथियार डालने ही होंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खतरे को अलविदा कहने के लिए 31 मार्च, 2026 की समय सीमा तय की गई है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि नक्सलियों के साथ बातचीत की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की लाभदायक आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति को स्वीकार करने के बाद उन्हें (नक्सली) हथियार डालने होंगे। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने (नक्सलियों से) बातचीत का आह्वान किया है। मैं एक बार फिर स्पष्ट कर दूं कि छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार, दोनों ही बस्तर और सभी नक्सल प्रभावित इलाकों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब बात करने की क्या बात है? एक आकर्षक आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति लागू की गई है। आगे आइए और अपने हथियार डाल दीजिए। अमित शाह ने चेतावनी देते हुए कहा कि हथियारों के बल पर बस्तर की शांति भंग करने वालों को सुरक्षा बल करारा जवाब देंगे। शाह ने का कि दिल्ली में कुछ लोग वर्षों से

यह गलत सूचना फैलाते रहे हैं कि नक्सलवाद का जन्म विकास की लड़ाई के लिए हुआ था। लेकिन मैं अपने आदिवासी भाइयों को बताने आया हूँ कि पूरा बस्तर विकास से वंचित रहा है। इसका मूल कारण नक्सलवाद है। बस्तर में आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 10 वर्षों में छत्तीसगढ़ को विकास कार्यों के लिए 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं। प्रधानमंत्री की ओर से, मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूँ कि 31 मार्च, 2026 के बाद नक्सली आपके विकास को नहीं रोक पाएँगे। वे आपके अधिकारों को नहीं रोक पाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने उपस्थित लोगों से कहा कि नक्सलवाद से गुमराह लोगों को हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने के लिए मनाएं। अमित शाह ने बस्तर दशहरा के प्रमुख माझी चालकियों को आश्वासन दिया कि 2031 तक बस्तर के हर एक गांव में बिजली, सड़क और पानी की व्यवस्था होगी। इस गांव का चौमुखी विकास होगा और जो गांव नक्सली मुक्त हो रहे हैं, उन गांवों के विकास के लिए छत्तीसगढ़ सरकार एक करोड़ रुपए की राशि दे रही है और इस राशि से गांव में विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि साल 2031 तक बस्तर संभाग का ऐसा कोई भी गांव नहीं होगा, जहां बिजली नहीं पहुंची हो। मुरिया दरबार में शामिल होने के बाद केंद्रीय के गृहमंत्री अमित शाह लालबाग मैदान में चल रहे बस्तर दशहरा महोत्सव के स्वदेशी मेले में पहुंचे और इस मेले में लगे स्टॉल का अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत सातों जिले के नक्सल प्रभावित 250 से अधिक गांव में शुरू हुई बस सेवा के तहत 36 यात्री बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस बस सेवा के शुरू होने से अब 250 से अधिक गांव के लोग बस सेवा के जरिये मुख्यालय से जुड़ सकेंगे।

दंपति ने की आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। जिले के जरीडीह प्रखंड अंतर्गत भस्की गांव में पति-पत्नी ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतकों की पहचान दिनेश बेसरा (28 वर्ष) और उनकी पत्नी गीता देवी (25 वर्ष) के रूप में हुई है। करीब डेढ़ वर्ष पूर्व दिनेश ने रजरप्पा थाना क्षेत्र निवासी गीता से प्रेम विवाह किया था। ग्रामीणों के अनुसार दंपति पेड़ के नीचे बैठ मटन और शराब का सेवन करने के बाद आत्महत्या कर ली। घटना से पूरे गांव में मातम छा गया है। लोग इस घटना से स्तब्ध हैं। जानकारी के मुताबिक दोनों संथाल समाज से आते हैं। संथाली समाज में परंपरा है कि शादी के पहले 'घर ढूका' (घर में प्रवेश) होता है जिसमें वर पक्ष की तरफ से कन्या को शादी के पहले घर में लाकर रखते हैं। इस दौरान दोनों को संतान की प्राप्ति होती है। इसके बाद संथाल समुदाय वर और वधू दोनों को एक जोड़े के रूप में सामाजिक मान्यता देता है। उनकी इस परंपरा के अनुसार भोज का आयोजन होता है और संथाल समाज के लोग दंपति को आशीर्वाद देते हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि डेढ़ वर्ष बीत जाने के बावजूद उनकी कोई संतान नहीं हुई थी। ऐसा बताया जा रहा है कि दोनों के आपसी संबंध भी ठीक नहीं थे। स्थानीय लोगों के अनुसार उस दिन दंपति घर से मटन बनाकर और शराब लेकर जंगल की तरफ गए थे। दोनों ने साथ में मटन खाया और शराब का सेवन किया। उसके बाद दोनों ने आत्महत्या कर ली। कयास लगाया जा रहा है कि शराब के नशे में दोनों के बीच कुछ अनबन हुआ होगा और दोनों ने सुसाइड कर लिया। बेरमो डीएसपी बीएन सिंह ने बताया कि पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद ही सही जानकारी मिल पाएगी। इसके अलावा पुलिस दूसरे एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। परिजनों से भी पूछताछ की गई है। वहीं लड़की के परिजन को भी बुलाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी से झगड़े के बाद युवक ने लगाई फांसी

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र के करौंजिया गांव में शुक्रवार की देर रात 24 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान सूरज कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है। इस घटना के बाद से मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है।

चाईबासा कोर्ट में नहीं हो सकी राहुल गांधी की सुनवाई

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। जिला मुख्यालय स्थित एमपी-एमएलए विशेष न्यायालय में भाजपा नेता अमित शाह पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर चल रहे मानहानि केस की सुनवाई शनिवार को नहीं हो सकी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ट्रायल के दौरान निजी उपस्थिति से छूट के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 205 के तहत आवेदन किया है। इस पर अदालत को 4 अक्टूबर को फैसला सुनाना था। लेकिन न्यायाधीश के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई टल गई। अब अगली तारीख 9 अक्टूबर तय की गई है।

रांची में होगा साउथ एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड की राजधानी रांची एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन का हिस्सा बनने जा रही है। बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में 24 से 26 अक्टूबर तक साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन होगा। इसमें भारत समेत श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और मालदीव के एथलीट हिस्सा लेंगे। आयोजन की तारीख पहले अप्रैल-मई तय की गई थी लेकिन अब इसे अक्टूबर में कराने का निर्णय लिया गया है। तीन दिनों तक चलने वाले इस इवेंट में धावक और खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। पाकिस्तान की भागीदारी पर अभी स्थिति साफ नहीं है।

विकास कार्यों के कारण 10 अक्टूबर को सीकेपी डिवीजन में दो ट्रेनें रद्द

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। खड़गपुर रेल डिवीजन में विकास कार्यों के कारण अक्टूबर में कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे द्वारा जारी सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर 18615/18616 हटिया-हावड़ा एक्सप्रेस और 18011/18012 हावड़ा-चक्रधरपुर एक्सप्रेस 10 अक्टूबर को रद्द रहेगी। ट्रेन नंबर 12905 पोरबंदर शालीमार एक्सप्रेस 8 अक्टूबर को 75 मिनट और 9 अक्टूबर को 3 घंटे रिशिड्यूल होकर चलेगी। 12129 पुणे-हावड़ा आजाद हिंद एक्सप्रेस 9 अक्टूबर को पुणे से 3 घंटे और 10 अक्टूबर को 1 घंटा विलंब से खुलेगी। 12809 मुंबई-हावड़ा गीतांजलि एक्सप्रेस 9 अक्टूबर को डेढ़ घंटे विलंब से खुलेगी। यह दोनों ट्रेन टाटानगर स्टेशन लेट पहुंचेंगी। रेलवे बोर्ड में त्योहारी मौसम में बिहार जाने वाले यात्रियों को सहूलियत दी है टाटानगर से गुजरने वाली बिलासपुर-पटना साप्ताहिक एक्सप्रेस को अब बक्सर तक चलाने का निर्णय लिया गया है। इससे अब या ट्रेन आरा होकर बक्सर तक जाएगी। ट्रेन नंबर 22843/22844 बिलासपुर-पटना एक्सप्रेस बक्सर तक जाएगी। अब यह ट्रेन बिलासपुर-बक्सर एक्सप्रेस कहलाएगी। इस संबंध में सर्कुलर जारी कर दिया गया है। यह आदेश रेलवे बोर्ड के निदेशक कोचिंग संजीव नीलम ने जारी किया है।

नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह कल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी का तीसरा दीक्षांत समारोह सोमवार को आयोजित होगा। दीक्षांत समारोह में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू भी भाग लेंगे। दीक्षांत समारोह पलामू के जीएलए कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित होगा। खेल मैदान के बगल में ही यूनिवर्सिटी का प्रशासनिक भवन भी मौजूद है। दरअसल नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी की स्थापना 2009 में हुई थी। स्थापना के बाद से यूनिवर्सिटी का यह तीसरा दीक्षांत समारोह है। दीक्षांत समारोह में 77 छात्रों को गोल्ड मेडल दिया जाना है। शनिवार की दोपहर तक 55 छात्रों ने अपना कंफर्मेशन दिया था।

77 छात्रों को मिलेगा गोल्ड मेडल

छात्रों को 15 मेडल राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के हाथों दिया जाएगा, बाकी के गोल्ड मेडल मंत्री के हाथों से प्रदान किए जाएंगे। दीक्षांत समारोह को लेकर पलामू डीसी समीरा एस और एसपी रीष्मा रमेशन ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। दरअसल पलामू के इलाके में 8 अक्टूबर तक के लिए बारिश का अलर्ट है। बारिश को देखते हुए डीसी और एसपी ने पदाधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए हैं। साथ ही तैयारी की भी समीक्षा की। इस संबंध में पलामू डीसी समीरा एस ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर स्थल का निरीक्षण किया गया और कई बिंदुओं पर संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। वहीं एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई है। बारिश की देखते हुए कई बिंदुओं पर निर्देश दिए गए हैं। वहीं नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफ़ेसर डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि दीक्षांत समारोह में राज्यपाल और दो मंत्री भाग ले रहे हैं। पलामू और चतरा सांसद को भी अतिथि के रुप में आमंत्रित किया गया है। दीक्षांत समारोह में 77 छात्रों को गोल्ड मेडल दिया जाना है, जिसमें 55 छात्रों ने अभी तक कन्फर्मेशन दिया है।

मुख्य सरगना समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। जिले की बालीडीह पुलिस ने बालीडीह थाना क्षेत्र में गांजा व ब्राउन शुगर की बिक्री करने वाले 2 एजेंट को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। एजेंट की गिरफ्तारी के बाद बालीडीह इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह और सेक्टर 12 के इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र सिंह ने बारी को-ऑपरेटिव कॉलोनी से गांजा व ब्राउन शुगर की तस्करी करने वालों के मुख्य सरगना अनिरुद्ध साव उर्फ हित को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि बिहार के विक्रमगंज से गांजा और ब्राउन शुगर लाकर बोकारो के विभिन्न इलाकों में एजेंटों के माध्यम से बेचा जा रहा था। गिरफ्तार अनिरुद्ध रोहतास जिले के विक्रमगंज के नटवार का रहने वाला है। यह जानकारी शनिवार को एसपी हरविंदर सिंह ने कैंप दो एसपी कार्यालय में पत्रकारों को दी। एसपी ने बताया कि शनिवार को मुख्य सरगना के 2 एजेंट गौस नगर मखदुमपुर निवासी मो फैज अकरम उर्फ बॉबी और मो मतलूब आलम बालीडीह थाना क्षेत्र के सिजुआ तालाब के पास बाइक लगाकर गांजा व ब्राउन शुगर की पुड़िया बनाकर बेच रहे थे। मुख्यालय डीएसपी अनिमेष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। सिजुआ तालाब के पास छापेमारी करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया गया।

विसर्जन जुलूस के दौरान चाकूबाजी, सात घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर में दुर्गा पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान बड़ा बवाल हो गया। हरिजन बस्ती से निकले जुलूस पर अचानक करीब 15 युवकों ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में सात युवक घायल हो गए। अफरा-तफरी के बीच हमलावर मौके से फरार हो गए। घायलों में ध्रुव मुखी, गोविंदा मुखी, दिनेश मुखी, रिक्की मुखी, अतुल मुखी, अमन मुखी और अजय मुखी शामिल हैं। इनमें से रिक्की मुखी की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना चक्रधरपुर थाना से कुछ ही दूरी पर हुई।

रांची में आदिवासी हुंकार महारैली 17 अक्टूबर को

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में कुरमी समुदाय को आदिवासी सूची में शामिल करने की मांग को लेकर गहराता विवाद अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। इसके विरोध में राज्यभर के आदिवासी संगठनों ने 17 अक्टूबर को राजधानी रांची के प्रभात तारा मैदान में आदिवासी हुंकार महारैली आयोजित करने का एलान किया है। इस महारैली में लाखों की संख्या में आदिवासियों के जुटने की संभावना है। शनिवार को सिरम टोली सरना स्थल पर आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव, केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा और पूर्व मंत्री देवकुमार धान समेत कई आदिवासी नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन आदिवासियों के अस्तित्व और अधिकारों की रक्षा की लड़ाई है। गीताश्री उरांव ने कहा कि कुरमी समाज

आदिवासियों के संवैधानिक हक, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, आरक्षण, जमीन और गौरवशाली इतिहास पर कब्जा करने की साजिश रच रहा है। कल तक हमें असभ्य और जाहिल कहने वाले आज खुद को आदिवासी साबित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। लेकिन सभी ऐतिहासिक प्रमाण, मानवशास्त्रीय अध्ययन, डीएनए शोध और लोकुर कमेटी की रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि कुरमी जाति आदिवासी/अनुसूचित जनजाति नहीं है। नेताओं ने आरोप लगाया कि कुरमी समाज अपने आपको आदिवासी दिखाने के लिए ऐतिहासिक विद्रोहों में झूठे तरीके से अपने नेताओं को जोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि चुआड़ विद्रोह में रघुनाथ महतो, कोल विद्रोह में बुली महतो और संथाल विद्रोह में चान्कू महतो जैसे नामों को जबरन आदिवासी इतिहास में घुसाया जा रहा है जबकि यह ऐतिहासिक सच्चाई के साथ छल है। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि 17 अक्टूबर की रैली आदिवासी समाज की एकता और ताकत का प्रदर्शन होगी। उन्होंने मांग की कि एसटी आरक्षण की पात्रता की जांच के लिए स्वतंत्र समिति गठित की जाए ताकि कोई भी समुदाय फर्जी इतिहास गढ़कर आदिवासी अधिकारों पर अतिक्रमण न कर सके। आदिवासी संगठनों ने स्पष्ट कर दिया है कि कुरमी को आदिवासी सूची में शामिल करने का हर प्रयास आदिवासी समाज को हाशिए पर डालने की साजिश है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 17 अक्टूबर को रांची में होने वाली यह हुंकार महारैली आदिवासी एकजुटता और अस्तित्व की बड़ी परीक्षा मानी जा रही है।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।
2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।
3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

नीलांबर-पीतांबर विवि के दीक्षांत समारोह को लेकर यूनिवर्सिटी परिसर में चल रही तैयारियों का डीसी-एसपी ने लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस और पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन द्वारा शनिवार को नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह को लेकर यूनिवर्सिटी परिसर में चल रहे तैयारियों का जायजा लिया।

इस दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल के भाग लेने की संभावना है।सर्वप्रथम डीसी-एसपी व विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ दिनेश कुमार सिंह ने संबंधितों संग कॉन्फ्रेंस हॉल में बैठक कर अबतक की गयी तैयारियों की समीक्षा की गयी। इसके पश्चात सभी के द्वारा मुख्य कार्यक्रम स्थल जी.एलए कॉलेज स्टेडियम का निरीक्षण किया गया। इस दौरान ग्रीन रूम,छात्रों के बैठने की व्यवस्था,डी-एरिया,

वीआईपी के बैठने का स्थान, वाहन पार्किंग, डाइस प्लान, कम्युनिकेशन प्लान समेत अन्य बिंदुओं पर जानकारी ली गयी।इस अवसर पर सदर एसडीएम, एनडीसी, सदर एसडीपीओ समेत विश्वविद्यालय के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

'आदि कर्मयोगी अभियान' के तहत जमडीहा में ग्रामसभा

भारत सरकार के संयुक्त सचिव हुए सम्मिलित

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। 'आदि कर्मयोगी अभियान' के अंतर्गत शनिवार को चुरचू प्रखंड के जमडीहा गांव में ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इसमें भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री ब्रिज नंदन प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री इश्तियाक अहमद, प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री ललित राम, जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

बीडीओ ललित राम ने बताया कि चुरचू प्रखंड के 6 आदिवासी बहुल गांवों को इस अभियान में चयनित किया गया है। जमडीहा में 'आदि सेवा केंद्र' की स्थापना की गई है तथा आदि साथी एवं आदि सहयोगी का चयन पूरा हो चुका है। इन गांवों के सतत विकास के लिए कल्याण विभाग, जलछाजन, प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण), कृषि,

मनरेगा, लघु उद्योग, पेयजल, पशुपालन एवं स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं को समन्वित कर कार्ययोजना तैयार की गई है। उप विकास आयुक्त श्री इश्तियाक अहमद ने कहा कि अभियान का उद्देश्य वर्ष 2030 तक आदिवासी बहुल गांवों का समग्र विकास करना है। उन्होंने ग्रामीणों से सक्रिय भागीदारी की अपील की और पोषण, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने को कहा। संयुक्त सचिव श्री ब्रिज नंदन प्रसाद ने कहा कि ग्रामसभा लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है और यहां से बने प्रस्तावों को भारत सरकार गंभीरता से लेगी। उन्होंने 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना को साकार करने में 'आदि कर्मयोगी अभियान' को एक सशक्त कदम बताया। ग्रामसभा के पश्चात संयुक्त सचिव ने जमडीहा में 'आदि सेवा केंद्र' का उद्घाटन किया और बाद में सदर प्रखंड के बहोरनपुर का भी दौरा किया, जहां ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया।

बिरहोर महिला की मौत पर मचा हड़कंप

चौपारण अस्पताल में सिविल सर्जन ने की जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। आदिम जनजाति की बिरहोर महिला पार्वती देवी की इलाज के दौरान मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए हजारीबाग सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार शनिवार को अचानक चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सहित चिकित्सकों से पूछताछ की।

सिविल सर्जन ने कहा कि यदि लापरवाही से महिला की मौत हुई है तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। निरीक्षण के समय प्रभारी चिकित्सक डॉ. फरहाना महफूज अस्पताल में अनुपस्थित थीं और जांच की सूचना पर देर से पहुँचीं।

इस पर स्थानीय लोगों ने भी नाराजगी जताई। निरीक्षण में बरही एसडीओ जोहन टुडू और चौपारण बीडीओ नितेश भास्कर भी मौजूद रहे। उपायुक्त द्वारा पहले ही तत्काल जांच के आदेश दिए गए हैं। 'आकाशी योजना' जैसी सरकारी योजनाओं के बावजूद इस घटना ने स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सिविल सर्जन ने भरोसा दिलाया कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

अखिल भारतीय ऑनलाइन चित्रकला प्रतियोगिता में पलामू की राशि रानी व अतीक्ष रंजन को मिला पांच-पांच हजार रुपए का इनाम

दोनों ऑक्सब्रिज स्टार शिक्षण संस्थान के निदेशक राहुल चतुर्वेदी के हैं पुत्री व पुत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू प्रमंडल के लिए गर्व की बात है कि ऑनर प्वाइंट फाउंडेशन द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित अखिल भारतीय ऑनलाइन चित्रकला प्रतियोगिता रंग दे वीर में पलामू जिले के दो प्रतिभाशाली छात्रों ने अपनी कला से सबका दिल जीता व पलामू का नाम पूरे देश में रोशन किया है।

प्रतियोगिता 26 जुलाई से 15 अगस्त तक आयोजित की गई थी। इसमें देशभर से 1,14,000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कठिन प्रतिस्पर्धा में पलामू के एक छात्र व एक छात्रा ने सांत्वना पुरस्कार के रूप में पांच -पांच हजार रुपए प्राप्त किए। विशेष बात यह है कि

दोनों ही विजेता शिक्षक राहुल चतुर्वेदी के पुत्र व पुत्री हैं। जेवीएम श्यामली की छात्रा व पूर्व में सेक्रेड हार्ट स्कूल की छात्रा राशि रानी ने प्रतियोगिता में चौथा स्थान प्राप्त कर पांच हजार रुपए का सांत्वना पुरस्कार जीता। उल्लेखनीय है कि राशि ने पिछले वर्ष 2024 की प्रतियोगिता में भी यही पुरस्कार प्राप्त किया था। उस समय उन्होंने 20वां स्थान हासिल किया था। सेक्रेड हार्ट स्कूल, पलामू के कक्षा 8 के अतीक्ष रंजन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे देश में 10वां स्थान पाया है। इन्हें भी पांच हजार रुपए का सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त झारखंड के अयान सिद्दीकी (ऐंजल हाई स्कूल, हजारीबाग) ने 19वां स्थान हासिल किया व राज्य का मान बढ़ाया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रितिका कुमारी (बेगूसराय, बिहार), द्वितीय स्थान श्रेयांस पांडा (कटक, ओडिशा) व तृतीय स्थान रोहन (द्वारका, दिल्ली) ने प्राप्त किया है।

पांडु के मुरूमातु से विस्थापित महादलित परिवारों को मिलेगा अब जमीन का पट्टा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ पांडु में रविवार को कार्यक्रम आयोजित कर राज्य के वित मंत्री, सांसद व उपायुक्त देंगे पट्टा

मेदिनीनगर(पलामू)। पांडु प्रखंड के मुरूमातु गांव से विस्थापित महादलित परिवारों को तीन साल बाद उनके नाम जमीन मिलेगी। इसे लेकर रविवार को ग्यारह बजे से प्लस टू कल्याण उच्च विद्यालय के मैदान में भव्य कार्यक्रम होगा।

इसमें राज्य के वित मंत्री, सांसद, उपायुक्त, विधायक सहित कई गणमान्य शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुरूमातु से विस्थापित होकर वर्तमान में पांडु थाना के पुराने भवन में रह रहे महादलित परिवारों के बीच पट्टा का वितरण किया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी पांडु बीडीओ रणवीर कुमार ने दी। बताया कि कार्यक्रम में सभी पंचायतों के मुखिया, पंसस, वार्ड सदस्य सहित

आमजनों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। मौके पर भाजपा नेता धर्मदेव सिंह यादव, सांसद प्रतिनिधि कृष्णबिजय सिंह, विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र कुमार सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि प्रदुम्न सिंह, प्रेमसागर सिंह, महेंद्र प्रसाद साहू व अजय राम सहित कई प्रखंड कर्मी मौजूद थे।

सेवा पर्व में पटना में स्वदेशी अपनाओ अभियान को मिला जोरदार समर्थन

पटना/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उद्योग विभाग एवं जिला प्रशासन सहयोग से पटना में सेवा पर्व के तहत 'स्वदेशी अपनाओ अभियान' (वोकल फॉर लोकल) को लोगों का भरपूर समर्थन मिला। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चले इस अभियान में सेवा और कला के संगम से छात्रों, कलाकारों और संस्थानों का भरपूर सहयोग मिला। पटना जिला प्रशासन और जिला उद्योग केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान के तहत विभिन्न स्कूल और कॉलेजों में क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और दुर्गा पूजा के पंडालों के समीप स्टॉल लगाए गए, जिनमें खादी वस्त्र, बेकरी उत्पाद, पूजा सामग्री और मधुबनी पेंटिंग जैसे स्वदेशी उत्पादों की बिक्री हुई।

शहीद जयवीर महतो के 32वें शहादत दिवस पर नेताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चुरचू/चरही (हजारीबाग)। झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता एवं गरीब-असहायों के मसीहा कहे जाने वाले शहीद जयवीर महतो के 32वें शहादत दिवस पर शनिवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

इस अवसर पर चुरचू प्रखंड के पूर्व प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक, मुखिया संघ अध्यक्ष सह बहेरा मुखिया देवकी महतो और हजारीबाग लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी शिवलाल महतो सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उनकी प्रतिमा एवं छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। नेताओं ने उनके परिजनों से मुलाकात कर कुशलक्षेम जाना और शहीद जयवीर महतो के योगदान को याद किया। मौके पर पूर्व उप प्रमुख चौलेश्वर महतो, शहीद के छोटे भाई ईश्वर महतो, डॉ. सागर सरवार, कयुम अंसारी, महादेव रविदास, ओमप्रकाश गिरी, गोपाल महतो, अरुण महतो, शुखराम

टुडू, शिवा रविदास, सरदार जी, सुरेंद्र सिंह समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। मुखिया देवकी महतो ने कहा कि 'जयवीर महतो झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता और गरीब-असहाय के सच्चे मसीहा थे। उनका बलिदान हमेशा याद किया जाएगा।'

रेड क्रॉस सोसाइटी पलामू द्वारा 10 यूनिट ब्लड का कराया गया रक्तदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। सेवा पखवाड़ा के तहत रेड क्रॉस सोसाइटी पलामू द्वारा डॉक्टर सत्यजीत गुप्ता के क्लिनिक राजमति चिकित्सा केंद्र, घड़ा पट्टी डालटनगंज में रक्तदान का आयोजन किया गया जिसमें 10 यूनिट रक्तदान हुआ।

रक्तदान महादान इस कार्यक्रम में रेड क्रॉस पलामू कि ओर से आलोक पाठक उपाध्यक्ष, डॉक्टर सत्यजीत गुप्ता सचिव, सुधीर अग्रवाल संयोजक, गिरधारी गर्ग, मुख्य परियोजना निदेशक आलोक वर्मा, कृष्णा प्रसाद अग्रवाल,मोहिनी गुप्ता, रेणु गुप्ता विश्वाजीत गुप्ता, अनिल गुप्ता, प्रसेंजीत दास गुप्ता एवं रक्त केंद्र पलामू की ओर से प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी रक्त केंद्र पलामू डॉक्टर सन्नी सोरेन, आनंद मोहन चंद्रा एवं राजेश कुमार उपस्थित थे।

एलन कोटा अब दरभंगा में

■ दरभंगा में ही पूरे होंगे मिथिलांचल के स्टूडेंट्स के डॉक्टर व इंजीनियर बनने के सपने

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। कॅरियर सिटी कोटा के प्रमुख एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने बिहार की राजधानी पटना में अपनी स्थापना के सफलतम एक वर्ष पूरा करने के साथ ही राज्य के एक और प्रमुख शहर एवं मिथिलांचल के दरभंगा में सेवाओं के विस्तार की घोषणा की है।

यह घोषणा शनिवार को आयोजित उद्घाटन समारोह में की गई। देश में मेडिकल व इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं के साथ-साथ साइंस ओलंपियाड की तैयारियों के लिए ख्याति प्राप्त कोटा के एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट की दरभंगा में शुरूआत से स्थानीय अभिभावकों व विद्यार्थियों में उत्साह है। एलन दरभंगा में वर्ष 2026-27 के नीट व जेईई के कोर्सेज के लिए प्रवेश

प्रक्रिया शुरू हो गई है। कक्षाएं जनवरी माह से शुरू होंगी। दरभंगा के होटल इवारा में आयोजित उद्घाटन समारोह में जोनल हेड एवं वाइस प्रेसिडेंट डॉ. विपिन योगी मुख्य अतिथि रहे। इसके साथ ही जेईई डिवीजन के जोनल हेड कपिल बिरथरे, नीट डिवीजन के जोनल हेड हेमंत योगी, जूनियर डिवीजन के जोनल हेड विशाल केजरीवाल, एलन पटना के सेंटर हेड चेतन शर्मा एवं एलन कोटा के एक्सपर्ट फैकल्टीज एवं अधिकारी मौजूद रहे। समारोह में स्टूडेंट्स व पेरेंट्स की मौजूदगी में पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. विपिन योगी ने बताया कि अब दरभंगा के स्टूडेंट्स को डॉक्टर व इंजीनियर बनने का सपना पूरा करने के लिए किसी दूसरे शहर जाने की जरूरत नहीं होगी। यहां की प्रतिभाओं को यहीं संबल मिलेगा और वो आगे बढ़ेंगे। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट पटना ने अपनी स्थापना के एक वर्ष के अध्यापन कार्य

■ एडमिशन शुरू, जेईई व नीट की कक्षाएं जनवरी 2026 से प्रारंभ

में नीट व जेईई परीक्षाओं में शानदार परिणाम दिए हैं। बिहार के सौ से ज्यादा विद्यार्थियों को आईआईटी सहित बिहार के मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन मिल चुका है। वर्तमान में 13 हजार से ज्यादा विद्यार्थी एलन पटना में अध्ययनरत हैं। एलन दरभंगा में कोटा जैसी श्रेष्ठ शिक्षा और श्रेष्ठ माहौल देकर विद्यार्थियों के कॅरियर को नई दिशा देगा। दरभंगा में 1554, दिघी वेस्ट, प्रोफेसर कॉलोनी स्थित मिश्री टोला स्थित कैम्पस में पढ़ाई होगी। दरभंगा में कोटा जैसा श्रेष्ठ शिक्षा और श्रेष्ठ माहौल दिया जाएगा। वीरेन्द्र वर्मा जो पिछले 18 वर्षों से एलन कोटा में मैथ्स पढ़ा रहे हैं उनको एलन दरभंगा का सेंटर हेड बनाया गया है। एलन दरभंगा में मुख्य रुप से कोटा की एक्सपर्ट फैकल्टीज के द्वारा ही अध्यापन कार्य होगा। सेंटर हेड वर्मा ने बताया कि जेईई-नीट के बैच जनवरी माह से मिश्री टोला कैम्पस में लगाए जाएंगे। कक्षा 5 से 10वीं तक के स्टूडेंट्स एलन स्पार्क एग्जाम में शामिल होकर एलन फीस में 90 प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप प्राप्त कर सकते हैं। यह परीक्षा आगामी 9 व 12 नवंबर को आयोजित होगी। इसके लिए रजिस्ट्रेशन जारी है। स्टूडेंट्स मोबाइल नंबर 7291970049 पर संपर्क कर एवं www.allen.ac.in/darbhanga पर परीक्षा के बारे में ज्यादा जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

चौपारण में दुगार्पूजा बिना किसी विघ्न के सम्पन्न, थाना प्रभारी सरोज चौधरी की सजगता और सेवा भाव की क्षेत्र में जमकर हुई प्रशंसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण प्रखंड में दुगार्पूजा का भव्य आयोजन पूर्णतः शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। चारों ओर भक्ति और उत्साह का माहौल रहा तथा प्रशासनिक तत्परता के कारण पूरे पर्व के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

पूरे आयोजन की सफलता का श्रेय काफी हद तक थाना प्रभारी सरोज चौधरी को दिया जा रहा है। वे लगातार क्षेत्र के विभिन्न पूजा पंडालों का निरीक्षण करते रहे और अपनी टीम के साथ चप्पे-

चप्पे पर मुस्तैदी से डटे रहे। चौपारण एनएच पर दिन-रात गुजरने वाले हजारों वाहनों के बावजूद उन्होंने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह सुचारू और सुरक्षित बनाए रखा। स्थानीय नागरिकों ने सरोज चौधरी की सक्रियता, तत्परता और सेवा भाव की खुलकर प्रशंसा की। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं का कहना है कि थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस ने उत्कृष्ट कार्य किया, जिसके कारण लोग निश्चिंत होकर पूजा-पंडालों में दर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद ले सके।

लोगों ने इसे चौपारण पुलिस की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि सरोज चौधरी की कार्यशैली क्षेत्र के लिए मिसाल है, और उनके मार्गदर्शन में दुगार्पूजा वास्तव में शांति, सुरक्षा और भाईचारे के माहौल में सम्पन्न हुआ।

लगातार बारिश से ग्रामीण जीवन अस्त-व्यस्त किसानों की फसलें और कच्चे मकान क्षतिग्रस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दारू (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश से आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। दशहरे का रौनक भी फीका पड़ गया। सबसे ज्यादा नुकसान किसानों को हुआ है। आलू, टमाटर और हरी सब्जियों की खेती करने वाले कई छोटे-बड़े किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं।

बारिश और आंधी-पानी के कारण कई मिट्टी के मकान भी क्षतिग्रस्त हुए। कविलासी पंचायत के तिउज गांव निवासी बबलू सिंह का घर ढह गया, जिससे परिवार खुले आसमान तले रहने को मजबूर हो गया। किसानों और क्षतिग्रस्त मकान मालिकों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है ताकि उन्हें इस आपदा से राहत मिल सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से खादी की बिक्री बढ़ कर 1.70 लाख करोड़ : अमित शाह

33.66 करोड़ रुपये की लागत से देशभर में केवीआईसी की कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

2298 खादी कारीगरों को मशीनों और टूलकिट वितरित

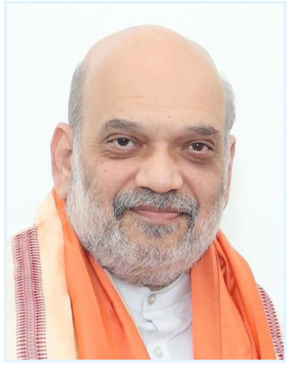

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हरियाणा के रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 'खादी कारीगर महोत्सव' में देशवासियों से अपील की कि हर परिवार सालाना 5000 रुपये की खादी जरूर खरीदे, ताकि इसका सीधा लाभ कारीगरों तक पहुंचे और देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान खादी को स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनाया था, लेकिन बाद की सरकारों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खादी को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया और आज इसकी बिक्री 33,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,70,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। अमित शाह ने कहा कि जब हम खादी पहनते हैं तो केवल वस्त्र नहीं, बल्कि स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की भावना धारण करते हैं। उन्होंने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग अब लाखों बुनकरों के लिए आजीविका और सम्मान का माध्यम बन गया है। प्रधानमंत्री के 'खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन और खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन' के मंत्र को अपनाकर खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त किया है। कार्यक्रम में अमित शाह ने 2298 खादी कारीगरों को मशीनें और टूलकिट वितरित किए, जिनमें विद्युत चालित चाक, चरखा, सिलाई मशीन, अगरबत्ती मशीन, लेदर रिपेयरिंग किट और मोबाइल-एसी रिपेयरिंग टूलकिट शामिल हैं। इस अवसर पर उन्होंने पांच वरिष्ठ खादी कारीगरों को सम्मानित किया और वर्चुअल माध्यम से 33.66 करोड़ रुपये की लागत से देशभर में केवीआईसी की कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें नई दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित 'खादी मॉल', गोरखपुर में केवीआईसी कार्यालय का उद्घाटन, 762 वर्कशेड, 35 नवीनीकृत सेल्स आउटलेट और महाराष्ट्र के वर्धा में ऑर्गेनिक कॉटन पूनी प्लांट शामिल हैं। इसके अलावा 301 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी और 741.16 करोड़ रुपये की लागत से शुरू 8310 नई पीएमईजीपी इकाइयों का भी शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, कृष्ण पाल गुर्जर और केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार मौजूद थे। नायब सैनी ने इस आयोजन को स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत का उत्सव बताया, वहीं मनोज कुमार ने कहा कि अमित शाह खादी और स्वदेशी के सबसे बड़े प्रेरक हैं, जिन्होंने 'हर घर स्वदेशी' अभियान को नई ऊर्जा दी है। कार्यक्रम के अंत में केवीआईसी अध्यक्ष ने अतिथियों को चरखा मेमेंटो भेंट किया और सीइओ रूप राशि ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

होटल में गैस सिलेंडर ब्लास्ट होने से लगी आग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। शहर के मानगो थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में गैस सिलेंडर ब्लास्ट होने से आग लग गई। मानगो थाना प्रभारी ने बताया कि आग में होटल मालिक, एक कर्मचारी और एक ग्राहक घायल हो गए, जिनका इलाज टीएमएच में चल रहा है। जमशेदपुर के मानगो थाना क्षेत्र अंतर्गत मुंशी मोहल्ला पोस्ट ऑफिस रोड स्थित आवास प्लाजा नामक फ्लैट के बेसमेंट में स्थित एक होटल में गैस सिलेंडर फटने से आग लग गई। एलपीजी सिलेंडर में अचानक विस्फोट होने से आग पूरे होटल में तेजी से फैल गई। गैस सिलेंडर फटने की आवाज दूर-दूर तक फैल गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलने पर मानगो थाने से दमकल की गाड़ियां और पुलिस मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। आग में होटल मालिक निताई घोष और कर्मचारी तपन मंडल घायल हो गए, जबकि एक ग्राहक भी घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया।

समृद्धि 2025 में 24 जिलों के शिक्षकों ने दिखाई प्रतिभा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षा को रचनात्मक और जीवनोपयोगी बनाने की दिशा में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने शनिवार को राजधानी रांची के जेसीइआरटी रातू परिसर में राज्य स्तरीय समृद्धि 2025 प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में राज्य के सभी 24 जिलों से चयनित 48 शिक्षकों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य यह था कि शिक्षक पठन-पाठन की पारंपरिक शैली से आगे बढ़कर कला समेकित शिक्षण विधियों का उपयोग कर विद्यार्थियों तक कठिन विषयों को सरल और रोचक ढंग से पहुंचा सके। इसी सोच को आधार बनाकर शिक्षकों ने विज्ञान, गणित, हिंदी, भूगोल, समाजशास्त्र जैसे विषयों पर आकर्षक प्रस्तुतियां दी। निर्णायकों और विशेषज्ञों का मानना रहा कि इन विधियों से न सिर्फ पढ़ाई सहज होती है बल्कि विद्यार्थियों में सीखने की रुचि भी बढ़ती है। समृद्धि प्रतियोगिता का उद्घाटन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के प्रशासी पदाधिकारी सच्चिदानंद दिवेंदु तिग्गा, जेसीइआरटी के उपनिदेशक बांके बिहारी सिंह और राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेन ने संयुक्त रूप से किया। इस कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम शिक्षकों को नवाचार के लिए प्रेरित करते हैं और शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा देने में सहायक साबित होंगे। इस प्रतियोगिता में शिक्षकों ने नाटक, चित्रकला, संगीत और नृत्य जैसी कलाओं का इस्तेमाल कर यह दिखाया कि कठिन से कठिन विषय भी कला और रचनात्मकता के सहारे बच्चों तक आसानी से पहुंचाए जा सकते हैं। ग्रामीण और शहरी इलाकों से आए प्रतिभागियों ने अपने-अपने विषय पर प्रस्तुतियां दी, जिन्हें निर्णायकों ने सराहा। निर्णायक मंडली में मोहम्मद सैफुल्लाह आमिर, मणिलाल साव, मिथिलेश कुमार, चिरंजीत नाथ और मनीषा धवन शामिल रहे। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेन ने बताया कि समृद्धि प्रतियोगिता कला उत्सव का हिस्सा है और पिछले वर्ष इसके विजेता राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे थे। इस बार भी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता शिक्षक राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

लगातार बारिश से अंडरपास जलमग्न और नदियां उफान पर, धनबाद में मैथन और पंचेत डैम का जलस्तर बढ़ा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। जिले में पिछले 12 घंटे की लगातार बारिश ने रेलवे की बहुप्रतीक्षित अंडरपास परियोजना की पोल खोलकर रख दी है। लगातार बारिश की वजह से भवनाथपुर रोड स्थित यह अंडरपास पूरी तरह जलमग्न हो गया। ऊपर तक पानी भर जाने के कारण वाहनों और राहगीरों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। अंडरपास अब एक छोटे तालाब में तब्दील हो गया है, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति महज सीमित बारिश में ही उत्पन्न हुई है। अगर तेज बारिश होती है, तो जनसुरक्षा की गंभीर चुनौती सामने आ सकती है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह अंडरपास अब खतरनाक मार्ग बन चुका है।

रेलवे द्वारा अंडरपास निर्माण के बाद भवनाथपुर रोड की रेलवे क्रॉसिंग को स्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। उस समय झामुमो नेता मुक्तेश्वर पांडेय के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने तकनीकी खामियों को लेकर विरोध जताया था और भविष्य में जलजमाव की आशंका जाहिर की थी।

जनता की मांग थी कि जब तक अंडरपास पूरी तरह सुरक्षित और उपयोगी न हो, तब तक पुरानी रेलवे क्रॉसिंग चालू रखी जाए। पर उनकी बात अनसुनी कर दी गई। अब ऐसे में जहां लोग परेशानी से जूझ रहे हैं तो इसपर राजनीति भी शुरू हो गई है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। इधर, लगातार बारिश होने की वजह से केतार प्रखंड में भी पानी ने तबाही मचाई है। लगातार बारिश की वजह से बहुत क्षति पहुंची है। कई पशु बह चुके हैं तो कहीं घरों में पानी प्रवेश कर गया है। प्रखंड की कई नदियां उफान पर है। जिसे लेकर प्रशासन के पदाधिकारी क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। इस संबंध में एसडीपीओ सतेन्द्र सिंह ने बताया कि लगातार बारिश की वजह से अनुमंडल क्षेत्र में जान-माल की क्षति हुई है। इसका आकलन कर मुआवजा की पहल की जाएगी।

धनबाद के मैथन और पंचेत डैम का जलस्तर बढ़ा

उधर, धनबाद में भी लगातार रुक -रुक कर हो रहे बारिश से कई जलाशयों और नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। तेनुघाट से भारी मात्रा में पानी को छोड़ा गया है। जिसके कारण कोयलांचल धनबाद का मैथन और पंचेत डैम का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान में मैथन डैम से डीवीसी ने 32 हजार 500 क्यूसेक पानी छोड़ा है। इसके अलावा पंचेत डैम से भी डीवीसी ने 37 हजार 500 क्यूसेक पानी छोड़ा है।

डीवीसी द्वारा छोड़े गए पानी से एक बार फिर पश्चिम बंगाल के पुरुलिया, बांकुड़ा, मेदनीपुर,वर्धमान सहित कई अन्य इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बनने के आसार हैं। दुर्गापुर बैराज से भी दो नहरों में भी पानी छोड़ा गया।

वहीं सिंचाई विभाग ने बताया है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन अगर बारिश और तेज हुई तो छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा भी बढ़ सकती है। इसके साथ ही नदी किनारे निचले इलाकों में पानी घुसने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके मद्देनजर जिला प्रशासन को पहले ही सतर्क रहने की सलाह दी जा चुकी है।

वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने झारखंड सरकार से अपील की है कि ज्यादा मात्रा में पानी ना छोड़ा जाए। पिछले साल भी अधिक पानी छोड़े जाने के कारण नदी के आसपास रहने वाले लोगों का काफी नुकसान हुआ था। जिससे देखते हुए दोनों राज्यों का प्रशासन अलर्ट है।

फिलहाल बारिश में थोड़ी कमी आई है। डैम से थोड़ा-थोड़ा पानी छोड़ा जा रहा है, ताकी किसी प्रकार का कोई नुकसान ना हो। मैथन डैम के इस मनोरम दृश्य को देखने के लिए दूर-दराज से लोग पहुंच रहे हैं और इस पल को अपने कैमरे में कैद कर रहे हैं।

एक नजर

रहस्यमय तरीके से लापता हुई महिला मुखिया

बोकारो। जिले के गोमिया प्रखंड से एक सनसनीखेज सामने आया है। पलीहारी गुरुडीह पंचायत की मुखिया सपना कुमारी दो अक्टूबर की दोपहर से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई हैं। परिवारवालों के अनुसार, वे किसी निजी कार्य से घर से निकली थीं, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटीं। देर रात तक खोजबीन और रिश्तेदारों से पूछताछ के बावजूद कोई जानकारी नहीं मिलने पर उनके पति ने गोमिया थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। बता दें कि सपना कुमारी वर्ष 2022 के पंचायत चुनाव में पहली बार राजनीति में उतरीं और रिकॉर्ड मतों से जीतकर प्रखंड की सबसे कम उम्र की मुखिया बनीं। उन्होंने अपने शुरुआती कार्यकाल में विकास योजनाओं और पंचायत की सक्रिय भागीदारी से लोगों का विश्वास जीता, लेकिन समय बीतने के साथ उनकी राजनीतिक सक्रियता में गिरावट देखने को मिली। इसके बावजूद वह गांव की चर्चित हस्ती बनी रहीं। विजयादशमी के दौरान मुखिया के अचानक लापता होने की खबर से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। इस संबंध में गोमिया थाना प्रभारी रवि कुमार ने बताया कि मुखिया के परिजनों द्वारा आवेदन दिया गया है, जिसमें बताया गया है कि 2 तारीख को बिना कुछ बताए घर से सपना देवी गई हैं। हम लोगों ने काफी खोजबीन भी की। उसका मोबाइल भी स्विच ऑफ आ रहा है। पुलिस का कहना है आसपास के क्षेत्रों और संभावित ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

झारखंड के 11 जिलों में वर्षा की चेतावनी, येलो अलर्ट जारी

रांची। झारखंड के 11 जिलों में वर्षा की चेतावनी दी गयी है। मौसम विभाग ने इस संबंध में येलो अलर्ट जारी कर दिया है। रांची स्थित मौसम केंद्र के डिप्टी डायरेक्टर अभिषेक आनंद ने शनिवार को बताया कि 4 और 5 अक्टूबर को राज्य के 11 जिलों में वर्षा होने की संभवाना है। उन्होंने कहा कि उत्तर-पूर्वी एवं निकटवर्ती उत्तर-मध्य झारखंड (चतरा, कोडरमा, हजारीबाग, गिरिडीह, धनबाद, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज जिले) में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। कुछ जगहों पर गरज के साथ वज्रपात होने की भी आशंका है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान 21 वर्षा केंद्रों पर हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई। कुछ जगहों पर भारी वर्षा भी हुई। मौसम वैज्ञानिक ने बताया है कि गढ़वा, पलामू, दुमका, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम जिले में कहीं-कहीं गरज के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई। कुछ जगहों पर वज्रपात भी हुए। इस दौरान झारखंड में 13.2 मिलीमीटर वर्षा हुई, जो सामान्य वर्षा 3.9 मिलीमीटर से 238 प्रतिशत अधिक है।

तालाबों को अतिक्रमण मुक्त कराने पर विचार

पाकुड़। झालसा रांची के आलोक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष शेषनाथ सिंह के निर्देश पर डीएलएसए सचिव रूपा बंदना किरो की उपस्थिति में डालसा के प्रकोष्ठ में जलस्रोत जैसे नदिया, तालाब, जलाशय पर किसी भी प्रकार के अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई पर अहम बैठक हुई। बैठक में जिले के सभी अंचल अधिकारी, नगर के कार्यपालक पदाधिकारी उपस्थित थे। इसमें जलाशय, नदिया, तालाबों पर किसी प्रकार के अवैध अतिक्रमण या किसी भी प्रकार के विवाद हो तो संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए प्रतिवेदन समर्पित करने का दिशा निर्देश दिया गया।

दुर्गापूजा कमेटी के सदस्यों ने बबलू भगत को किया सम्मानित

पाकुड़। अमड़ापाड़ा बाजार स्थित वैष्णवी दुर्गा मंदिर में शुक्रवार की शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सार्वजनिक दुर्गापूजा समिति की ओर से सीनियर बच्चों के लिए डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने मनमोहक नृत्य से सबको आनंदित कर दिया। इस दौरान देशभक्ति और लोकगीतों पर बच्चों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। वहीं दुर्गापूजा के दौरान आयोजित चित्रांकन व जूनियर डांस प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न और सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। दुर्गापूजा उत्सव को भव्य तरीके आयोजित कराने में सहयोग करने वाले भक्तों को भी सम्मानित किया गया। सार्वजनिक दुर्गापूजा कमेटी के अध्यक्ष संजीव भगत उर्फ बबलू भगत को उनके मेहनत और दुर्गापूजा उत्सव को भव्य तरीके से संपन्न कराने को लेकर राहुल भगत ने स्मृति चिह्न दिया। बबलू भगत को स्कैच से बनी पेंटिग भेंट किया। वहीं कमेटी के सभी सदस्यों ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। वहीं दुर्गापूजा में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अपने सुरों में साधने वाले प्रयाग राज के पुरोहित आचार्य नागेश मिश्र व आचार्य सुनील मिश्र को भी प्रतीक चिह्न और शॉल देकर सम्मानित किया गया। वहीं पुरोहित संदीप ओझा, शंभु झा और अश्विनी तिवारी को भी प्रतीक चिह्न और शॉल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर बबलू भगत ने कहा कि 23 सालों से मैं दुर्गापूजा समिति के अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा हूं। यह मेरे लिए एक बड़ा दायित्व है, जिसमें गांव के सभी लोगों का सहयोग रहता है।

स्थानांतरण पर विदाई, नए पदाधिकारी का हुआ सम्मान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। स्थानांतरण पर जिला अग्निशमन पदाधिकारी विनय कुमार का समारोह पूर्वक विदाई दी। अब वे बांका जिले के जिला अग्निशम पदाधिकारी के रूप में योगदान देंगे। वहीं औरंगाबाद के नए जिला अग्निशमन पदाधिकारी श्रुति प्रभा का स्वागत किया गया। समारोह में कर्मियों ने दोनों अधिकारियों को अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। लोगों ने पुराने पदाधिकारी के कार्यकाल की तारीफ करते हुए कहा कि फोन करने पर वह तुरंत मदद के लिए निकल पड़ते थे। इन्होंने ईमानदारी के साथ पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्य का पालन किया। इस अवसर पर निवर्तमान जिला अग्निशमन पदाधिकारी विनय कुमार ने कहा कि विदाई शब्द भावनात्मक होता है, लेकिन सरकारी सेवा में स्थानांतरण एक अनिवार्य प्रक्रिया होता है। इस मौके पर सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी लालकेश्वर प्रसाद, अग्निक हरेराम सिंह, कुंदन कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक संपन्न, डॉ. महेश शर्मा ने कार्यकर्ताओं का किया मार्गदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक भव्य संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गान एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. महेश शर्मा, औरंगाबाद के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र चन्द्रवंशी एवं जिला प्रभारी मनोज कुशवाहा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. महेश शर्मा और सुशील कुमार सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दिशा-निर्देश दिए। डॉ. शर्मा ने कहा कि एनडीए कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर एकजुट होकर कार्य करना होगा, ताकि बिहार में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि "भारत के विकास के लिए बिहार का विकास जरूरी है, और यह तभी संभव है जब हम सभी मिलकर बूथ पर मजबूती से काम करें।" पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में एनडीए के प्रत्याशियों की अपार बहुमत से जीत सुनिश्चित करने के लिए मगध और शाहाबाद क्षेत्र की सभी सीटों पर विजय बेहद महत्वपूर्ण है। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को कड़ी मेहनत कर एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में उतरना होगा। इस अवसर पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक सिंह, विधानसभा प्रभारी अनिता सिंह, जिला मंत्री सुबोध सिंह, किसान मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष विनय सिंह, जिला परिषद सदस्य प्रदीप चौरसिया, मनोज पाठक, हेमंत कुमार, शिव नारायण साव, विधानसभा विस्तारक ब्रजेश सिंह, सुधीर दास, भाजपा नेता युगल सिंह, संतोष साव, भाजपा नेत्री शोभा सिन्हा, मिथलेश राम, धीरज खत्री, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष आलोक चौरसिया, जिला मीडिया प्रभारी मितेन्द्र कुमार सिंह, शुभम सिंह, रामकुमार सिंह, गोपाल प्रसाद, विमलेश पासवान, बब्लू सिंह, मनोज यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छठ के बाद 10-12 हजार की नौकरी के लिए रुकेगा पलायन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद विधान सभा क्षेत्र के मांदिल हाइस्कूल के समीप जन सुराज पार्टी के बैनर तले बिहार बदलाव सभा आयोजित की गई। विपरीत मौसम में भी बड़ी संख्या में लोग सभा में उपस्थित हुए। सभा को संबोधित करते हुए जन सुराज पार्टी के कोर कमेटी के सदस्य व जहानाबाद से संभावित उम्मीदवार डॉ. अभिराम शर्मा ने कहा कि इस बार छठ के बाद लोगों को 10-12 हजार रुपए की नौकरी के लिए दूसरे प्रदेशों में पलायन नहीं करना पड़ेगा। उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। जन सुराज पार्टी की बिहार में सत्ता मिलते ही यहां की व्यवस्था में आमूल-चूल बदलाव दिखने लगेगा।

उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधान सभा चुनाव में जन सुराज पार्टी सत्ता में आई तो प्रत्येक परिवार के हर बुजुर्ग को दो हजार रुपए मासिक सम्मान राशि मिलेगी। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के लोगों से यह वादा किया है। परिवार लाभ कार्डधारक महिलाओं को रोजगार के लिए कम ब्याज पर पूंजी दी जाएगी। इससे गरीबों के घरों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

डॉ. शर्मा ने आगे कहा कि उनकी पार्टी बिहार में व्यवस्था में बदलाव करने को लेकर जनता से वादा कर रही है। बिहार से पलायन को रोकना है, शिक्षा में सुधार करना है, भ्रष्टाचार को खत्म करना है, लाखों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। यह तभी संभव है जब व्यवस्था में बदलाव होगा।

डॉ. शर्मा ने बिहार में पिछले साढ़े तीन दशकों से सत्ता पर काबिज राजनीतिक पार्टियों के क्रिया कलापों की चर्चा की और प्रदेश की दुर्दशा के लिए उन पार्टियों के नेताओं को जिम्मेवार ठहराया। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे नेताओं ने केवल अपने परिवारों का भला किया। बिहार की आम जनता के दुख दर्द को नहीं समझा। आज बिहार में भ्रष्टाचार चरम पर है। बिहार अन्य राज्यों की तुलना में पिछड़ता चला गया और सबसे निचले पायदान पर पहुंच गया है। इन नेताओं ने बिहार को गर्त में पहुंचा दिया। इस बार के चुनाव में प्रदेश की जनता ऐसे नेताओं को सबक सिखाएगी। इस मौके पर महिलाओं के बीच परिवार लाभ कार्ड का वितरण किया गया और उन्हें बताया गया कि जन सुराज की सत्ता आने पर लाभ कार्डधारी हर परिवार को बीस हजार रुपए तक का लाभ मिलेगा। खेती को मनरेगा से जोड़ा जायेगा। आमदनी वाली खेती को बढ़ावा दिया जायेगा। इस मौके पर रामबाबू पासवान, अरविंद चौधरी,

पांच जिलों में होगी राज्य स्तरीय मशाल प्रतियोगिता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। राज्य स्तरीय मशाल प्रतियोगिता का आयोजन 5, 6 एवं 7 अक्टूबर को पटना, पूर्वी चंपारण, गयाजी, बेगूसराय एवं भोजपुर में किया जाएगा। यह आयोजन बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना एवं शिक्षा विभाग, बिहार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जाएगा। राज्य स्तरीय मशाल प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी-सह-जिला खेल पदाधिकारी कुमार पप्पु राज ने बताया कि विभागीय निर्देशानुसार इस प्रतियोगिता में साइकिलिंग, एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में औरंगाबाद जिला से 77 खिलाड़ियों एवं सात दल प्रभारियों सहित कुल 84 सदस्यीय खिलाड़ियों का दल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के विभिन्न विधाओं में भाग लेकर औरंगाबाद का प्रतिनिधित्व करेगा। इस प्रतियोगिता में सभी एकल प्रतियोगिता के प्रथम विजेता एवं सामूहिक प्रतियोगिता के विजेता राज्य स्तरीय स्तर पर भाग लेंगे। विभिन्न रैंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों की अनुपस्थिति के मामले में मेधा सूची के अनुसार अन्य प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि खेल विभाग के द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार मशाल प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय स्तर, संकुल स्तर, प्रखंड स्तर पर किया गया था। सभी स्तरों के विधावार प्रथम विजेता एवं समूह जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

शोध का केंद्र रहा पचार पहाड़, पहाड़ पर है 1600 वर्ष पुराने बौद्ध विहार के अवशेष

पहाड़ को पर्यटन मानचित्र में शामिल करने की है आवश्यकता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के रफीगंज प्रखंड मुख्यालय से तीन किमी की दूरी पर दक्षिण-पूर्व में पचार पहाड़ स्थित है। वहीं पहाड़ के ऊपर लगभग 1600 वर्ष पुराने गुप्त कालीन दो-मंजिला बौद्ध विहार के अवशेष मौजूद हैं। यहां पहुंचने पर गुप्त कालीन बनावटें दिखती है। पहाड़ पर कई ऐसी चीजें हैं जो आकर्षित करती है। यदि पुरातत्व विभाग इस स्थल पर ध्यान दे तो इसे पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। बता दें कि पचार पहाड़ पर स्थित यह बौद्ध विहार गुप्तकालीन स्थापत्य और बौद्ध संस्कृति का महत्वपूर्ण प्रमाण है। यहां से प्राप्त पुरावशेषों के आधार पर यह क्षेत्र भारत के समृद्ध इतिहास और प्राचीन धार्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सिद्ध होता है। यदि उचित संरक्षण और शोध किया जाए तो यह स्थल इतिहास प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है। रफीगंज निवासी व पटना विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास और पुरातत्व विभाग के छात्र प्रिंस कुमार बताते हैं कि यह दो-मंजिला बौद्ध विहार गुप्तकालीन ईंटों से निर्मित है। पुरातात्विक अन्वेषण से मालूम होता है कि इस विहार की नींव एक प्राचीन और बड़े स्तूप पर रखी गई थी। बौद्ध विहार में चार कक्ष और एक बरामदा है। इसकी दीवारें 10 फुट से अधिक मोटी हैं। ऊपरी भाग गुप्तकालीन ईंटों से बना है, जबकि निचला भाग कुषाणकालीन ईंटों से निर्मित है। प्रिंस ने बताया कि यहां से भगवान बुद्ध की विभिन्न मुद्राओं में छोटी-बड़ी मूर्तियां प्राप्त हुई हैं, जिनमें धर्मचक्र परिवर्तन मुद्रा, ध्यान मुद्रा व भूस्पर्श मुद्रा प्रमुख हैं। एक बौद्ध देवता महाकाल की प्रतिमा भी मिली है। अन्य पुरातत्विक वस्तुओं में रेड वेयर, मृदभांड व पत्थर की पट्टियां शामिल हैं। विहार के आसपास प्राचीन मिट्टी के बर्तनों और ईंटों के अवशेष भी मिले है। बौद्ध विहार के निर्माण में चूना प्लास्टर का उपयोग किया गया है। इसमें कई दीर्घाएं मौजूद हैं। फर्श की संरचना आज भी आश्चर्यजनक है। पूरी बनावट समकोणीय है जो उस समय की उत्कृष्ट वास्तुकला को दर्शाती है।

प्राचीन काल से ही शोध का केंद्र रहा है पचार पहाड़

पचार पहाड़ प्राचीन काल से ही शोध का केंद्र रहा है। पचार गांव की तुलना नसेर, गुनेरी और मंडा, भूरहा, दुब्बा, देवकली सहित महत्वपूर्ण बौद्ध पुरातात्विक स्थलों से की जाती है। यह स्थल प्राचीन राजगृह-उरुवेला-सारनाथ मार्ग पर है। इसी मार्ग से भगवान बुद्ध ज्ञान प्राप्ति के बाद बोधगया से सारनाथ गए थे। इसी रास्ते में भूरहा और नसेर भी पड़ता है। भुरहा वहीं जगह है जहां भगवान बुद्ध सारनाथ जाने के क्रम में पहली रात गुजारे थे। प्राचीन काल में यह बोधगया और सारनाथ के बीच एक महत्वपूर्ण मार्ग था। इसके आसपास के गांवों कासमा, सरावक, चेव, भिक्षणपुरा में नवपाषाण काल से मध्यकाल तक के पुरातात्विक साक्ष्य मौजूद हैं। यहां प्राचीन नगर के संकेत भी मिलते हैं। बता दें कि पहाड़ पर पालकालीन गुफा मंदिर भी है, जो 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ को समर्पित है। पहाड़ी की तलहटी में स्थित प्राचीन तालाब जिसे ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है।

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 04-10-2025 21:47 Page 1

एक कदम : गांगेय डॉल्फिन संरक्षण की ओर

संजय कुमार

गांगेय डॉलफि न आज भी गंभीर खतरे में है। भारत, नेपाल और बांग्लादेश की नदियों में पाई जाने वाली मीठे पानी की एकमात्र डॉलफि न प्रजाति की संरक्षण स्थिति बहुत चिंताजनक है। खतरे की स्थिति को देखते हुए गांगेय डॉलफि न को इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर की रेड लिस्ट में 'लुप्तप्राय' प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। तो वहीं, भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: में इसे अनुसूची-क के तहत पूर्ण सुरक्षा प्रदान की गई है, जिसका अर्थ है कि इसका शिकार करना पूरी तरह से प्रतिबंधित है और कानूनी रूप से दंडनीय है।

इसके संरक्षण को लेकर हर ओर पहल की गूंज सुनाई पड़ती रहती है, क्योंकि वर्ष 1957 के बाद से गांगेय डॉलफि न की आबादी में 50% से अधिक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। हालिया सर्वेक्षणों को देखें तो भारत में गंगा और ब्रह्मपुत्र बेसिन में इनकी अनुमानित संख्या लगभग 6,327 है, जिसमें उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 2,397 और बिहार में 2,220 हैं। विशेषज्ञों की मानने तो डॉल्फिन की आवादी की कमी के पीछे प्रदूषण, अवैध शिकार, नदी के बहाव में बदलाव और आवास विखंडन जैसे खतरें अहम हैं।

डॉल्फिन संरक्षण को लेकर बड़ा कदम केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने मार्च 2022 में 5 अक्टूबर को राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस के रूप में मनाने की घोषणा के साथ की थी। इसका मुख्य उद्देश्य डॉल्फिन संरक्षण के लिए जन जागरूकता बढ़ाना और सामुदायिक भागीदारी को सुनिश्चित करना है। तब से 5 अक्टूबर को हर साल राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस के रूप में मनाया जाता है और डॉल्फिन के संरक्षण और उनके महत्व के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है। यों तो बिहार में डॉल्फिन दिवस 2012 से ही मनाया जाता रहा है जिसका पूरा श्रेय उस समय के विभाग के सचिव रहे दीपक सिंह को जाता है। डॉल्फिन संरक्षण मुहिम के बीच मौत की खबरें बीच-बीच में आती ही रहती है। डॉल्फिन को वर्ष 2009 में भारत का राष्ट्रीय जलीय जन्तु घोषित किया गया था। एक कदम और बढ़ा जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2020 को नदी और समुद्री डॉल्फिन दोनों के संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट डॉल्फिन' लॉन्च किया।

जहाँ तक बिहार में डॉलफि न का सवाल है तो हाल ही में जारी नदी डॉलफि न सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, बिहार देश में दूसरा सर्वाधिक डॉलफि न वाला राज्य है। गंगा नदी के अलावा, बिहार में डॉलफि न घाघरा गंडक, कोसी, महानंदा, कमला-बलान, पनार और बागमती जैसी नदियों में पाई जाती हैं। डॉलफि न की सबसे अधिक संख्या बिहार में सुल्तानगंज से कहलगाँव के बीच है, जहाँ विक्रमशिला गांगेय डॉलफि न अभयारण्य स्थित है। जागरूकता की वजह से इनके अवैध शिकार में कमी आई है, लेकिन अभी भी खतरे बने हुये हैं।

विक्रमशिला गांगेय डॉलफि न अभयारण्य भारत का एकमात्र डॉलफि न अभयारण्य है, जो बिहार के भागलपुर जिले में सुल्तानगंज से कहलगाँव तक गंगा नदी के 60 किमी. के खंड में फैला हुआ है। यह डॉलफि न के लिए एक प्रमुख संरक्षित क्षेत्र है। डॉलफि न को अहम मानते हुए एशिया का पहला राष्ट्रीय डॉलफि न अनुसंधान केंद्र, पटना में बना है, जिसका उद्घाटन 4 मार्च, 2024 को पटना विश्वविद्यालय परिसर में गंगा नदी के तट पर किया गया।

बात बिहार में डॉल्फिन को देखने की तो सूदन सहाय, बिहार राज्य वाइल्ड लाइफ बोर्ड के पूर्व सदस्य रहे हैं, जिन्होंने पहली बार वर्ष 1992 में डॉल्फिन को देखा था। अजीबो गरीब जलीय प्राणी को पटेगना-पलासी के दोमुहाना घाट पर लोग देख कर हैरत में पड़ गये थे। ग्रामीणों की भीड़ ने उसे राक्षस यानि राकस का नाम देते हुए मार डाला था। सूदन सहाय कहते है कि यहाँ की डॉल्फिन पनार के ही मूल जलीय प्राणी हैं। तब से इसके संरक्षण से वे जुड़े रहे हैं। अररिया में डॉल्फिन संरक्षण में सालों से सक्रिय सूदन सहाय कहते हैं कि बिहार में डॉल्फिन को संरक्षित करने में अहम भूमिका मछुआरों की है। करेंटी जाल में फंसने से डॉल्फिन की मौत हो जाती है। ऐसे में लगातार मछुआरों को जागरूक किया जाता है। सुदन सहाय कहते हैं कि मछुआरों का जीवन नदी और मछली पकड़ने पर निर्भर है। ऐसे में सरकार को मछुआरों को समय-समय पर प्रशिक्षण और सहायत राशि भी दी जाए। और अगर उनके जाल में फंसते है तो उसे सुरक्षित फिर से पानी में छोड़ने या जान बचाने पर उन्हें प्रोत्साहन राशि दिया जाना चाहिए। क्योंकि डॉल्फिन के करीबी कोई है तो मछुआरा ही होता है।

वहीं, डॉल्फिन के जानकार डॉ. गोपाल शर्मा, अंतरिम निदेशक, राष्ट्रीय डॉल्फिन शोध केंद्र, पटना कहते हैं बिहार की नदियों में डॉलफि नों को आवास विखंडन, जल प्रदूषण, घटते जल स्तर, बड़े- बड़े क्रूज का चलना, बाल खनन के नाव का परिचालनऔर मछुआरों द्वारा आकस्मिक या जानबूझकर हत्या जैसे खतरों का सामना करना पड़ता है। पिछले तीस वर्षों में, केवल अररिया में कम से कम 11 डॉलफि न की मृत्यु दर्ज की गई है, जो अक्सर मछली पकड़ने की गतिविधियों और पारिस्थितिकी दबावों के कारण होती रही है। हाल के सर्वेक्षणों ने अररिया की परमान और महानंदा दोनों नदियों में गंगा डॉलफि न की उपस्थिति की पुष्टि की है, और परमान नदी में 2013 में 35 से 2021 में लगभग 50 तक की संख्या में वृद्धि देखी गई है। वे कहते हैं स्वच्छ नदी अभियान और तकनीकी सर्वेक्षण, आवास स्थितियों का आकलन करने और समुदाय को डॉलफि न-सुरक्षित प्रथाओं, जैसे हानिकारक मछली पकड़ने के जालों से बचने और नदी प्रदूषण को कम करने, के बारे में शिक्षित करने के लिए किए गए हैं।

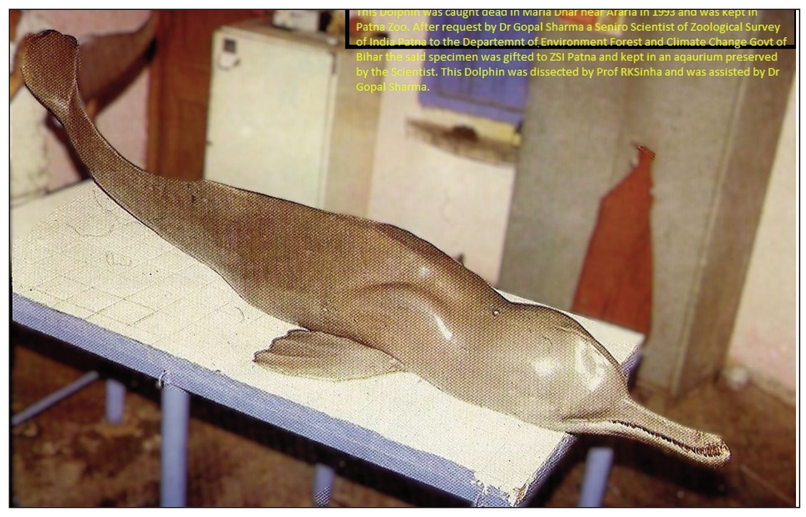

5 अक्टूबर को राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस पर विशेष

डॉ गोपाल शर्मा की माने तो 1993 में अररिया जिले में एक घटना घटी थी जिसमें लगभग 10 फुट की मादा गर्भवती डॉल्फिन अररिया के मरिया धार में फंस गयी थी। वन विभाग के अधिकारियों ने सप्राइज देने के लिए उस डॉल्फिन को बिना एक्सपर्ट का सहारा लिए जीप की ट्रॉली में पटना भेजना चाहा। लेकिन कुछ ही दूर चलने के बाद उस गर्भवती मादा डॉल्फिन की मौत हो गयी। इस मृत मादा डॉल्फिन का पटना के जू अस्पताल में डिसेक्शन डॉल्फिनमैन प्रो आर. के. सिन्हा एवं डॉ.गोपाल शर्मा के नेतृत्व में किया गया। मृत डॉल्फिन के गर्भ से 7 महीने का भ्रूण (बच्चा) मिला। दोनों को संरक्षित कर पटना के जू में 1993 से 2016 तक रखा गया। 2016 में डॉ गोपाल शर्मा जो कि उस समय भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के उपनिदेशक थे के दूरदर्शी प्रयास से बिहार सरकार के वन विभाग के तत्कालिक प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक रहे एस. एस. चौधरी से संपर्क कर भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के संग्रहालय में रखने के लिए मांगा। उन्होंने उसे 2016 में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के संग्रहालय के लिए दान में दे दिया। वह मृत डॉल्फिन आज भी सुरक्षित है। यह अब तक के देश में उपलब्ध मृत डॉल्फिन में सबसे बड़ी डॉल्फिन है। इस मसले पर सुदन सहाय ने भी लड़ाई लड़ी थी।

प्रमुख खतरों में कम जल प्रवाह, बढ़ता प्रदूषण, गाद जमाव, यंत्रीकृत नौका विहार, और प्रत्यक्ष मानव संघर्ष जैसे कि जाल में आकस्मिक उलझाव और कभी-कभार अवैध शिकार शामिल हैं। मौसमी परिवर्तन, नदी की गहराई और जल प्रवाह इन छोटी सहायक नदियों में डॉलफि न के अस्तित्व के लिए प्रमुख पारिस्थितिक कारक हैं। जलवायु परिवर्तन और लीन सीजन में पानी की मात्रा में कमी डॉलफि न के लिए और भी खतरा पैदा करती है, क्योंकि उनके प्रजनन और भोजन चक्र के लिए गहरे जल क्षेत्र आवश्यक हैं।

हालिया जानकारी में पटना में वाटर मेट्रो की शुरूआत की जानी है जिसे डॉल्फिन विशेषज्ञों से सलाह लेकर ईको टूरिज्म की शुरूआत की जानी चाहिए, क्योंकि पटना के पास ही 20 से 25 की संख्या में डॉल्फिन निवास करती है।

बात करते हैं गांगेय डॉल्फिन संरक्षण के लिए आखिर क्या करें। क्या न करें। विशेषज्ञ बताते हैं कि डॉल्फिन को दूर से अवलोकन करना चाहिए ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो। दूरबीन या जूम लैस का उपयोग करना चाहिए। डॉल्फिन को देखने के लिए प्रमाणित गाइड के साथ जाना चाहिए। ईको-फ्रेंडली व डॉलफि न-फ्रेंडली टूर ऑपरेटर को चुनना चाहिए, जो पर्यावरण और डॉलफि न की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हों।

डॉल्फिन को देखते वक्त शांत रहना जरूरी है, ताकि डॉलफि न को डर या असहजता न हो। गैर-मोटर या शांत नावों का उपयोग करना चाहिए। यदि आप अवैध मछली पकड़ने या डॉलफि न के शिकार को देखें तो तुरंत स्थानीय अधिकारियों को सूचित करें, ताकि डॉल्फिन का नुकसान न हो सकें। एक अहम पहल नदी को साफ यानि कचरा मुक्त रखें क्योंकि डॉल्फिन साफ पानी में निवास करती है। तो आइये गांगेय डॉल्फिन को संरक्षित रखने की पहल करें, एक कदम बढ़ायें और लुप्तप्राय: होने से बचाये।

लेखक डीडी न्यूज , दिल्ली में उप निदेशक हैं

बारिश ने खोली नवनिर्मित फ्लाईओवर की पोल

सड़क धंसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना के व्यस्ततम मीठापुर फ्लाईओवर के नीचे सड़क अचानक धंस गई, जिससे एक पिकअप ट्रक और कई अन्य वाहन उसमें फंस गए। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन इस घटना ने शहर की सड़कों की गुणवत्ता और जल निकासी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क पर अचानक एक बड़ी गड्ढे जैसी धंसी हुई जगह बन गई, जिसमें सबसे पहले एक पिकअप ट्रक गिरा। इसके बाद पीछे से आ रहे दोपहिया और तिपहिया वाहन भी उसमें फंस गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और नगर निगम को सूचित किया, जिसके बाद राहत कार्य शुरू किया गया।

बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से जमीन के नीचे की मिट्टी बह गई, जिससे यह धंसाव हुआ। घटना के बाद इलाके में भारी ट्रैफिक जाम लग गया और फ्लाईओवर के नीचे की सड़क को फिलहाल बंद कर दिया गया है। प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच कर जांच में जुटी है।

धार्मिक स्थलों से हटेंगे बूथ

पटना। भाजपा ने निर्वाचिन आयोग से एक चरण में मतदान कराने की मांग की है। साथ ही 16 सूत्री सुझाव एवं मांग चुनाव आयोग के सामने रखी है। मतदान केंद्र विभिन्न धार्मिक स्थल के पास बनाए जाने के कारण होने वाली विसंगितियों की ध्यान आकृष्ट किया। मुख्य चुनाव आयुक्त को बताया कि बार-बार आयोग को इससे जुड़े शिकायत करने के बाद भी इन मतदान केंद्रों को नहीं बदला जा रहा है। ये सभी मतदान केंद्र 30 वर्ष पूर्व से बने हुए हैं। चुनाव के पूर्व इन सभी मतदान केंद्रों की जांच कर सरकारी भवन में स्थानांतरित किया जाए। दियारा एवं टाल क्षेत्रों में घुड़सवार सुरक्षाकर्मियों की व्यवस्था की करने की मांग की। चुनाव के दौरान नदी वाले इलाकों में नावों की सघन जांच की जाए एवं मतदान के दो दिन पहले से नाव के परिचालन पर प्रतिबंध लगाने, चुनाव के एक दिन पूर्व क्षेत्र में फ्लैग मार्च कराने की मांग रखी।

पीएम के लाइव प्रसारण में उमड़े छात्र-छात्राएं

भाजपा विधायक के साथ कार्यकर्ता भी रहे मौजूद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के आईटीआई टॉपर विद्यार्थियों का कौशल दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इसी कार्यक्रम में शिक्षा एवं कौशल विकास से जुड़ी 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की युवा केंद्रित योजनाओं का शुभारंभ, उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण भी किया गया। इस ऐतिहासिक क्षण दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी लाइव प्रसारण के माध्यम से संबोधन किया। रोसड़ा विधानसभा के राधा कृष्ण मंडल गोविन्द गोस्वामी महाविद्यालय शिवाजीनगर परिसर में प्रधानमंत्री का लाइव प्रसारण दिखाया गया, जहाँ रोसड़ा विधायक बीरेंद्र कुमार के साथ सैकडो भाजपा कार्यकर्ताओं और छात्र छात्रा ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम पूरी गरिमा और उत्साह के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर रोसड़ा विधायक बीरेंद्र कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे। मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष नीलम सहनी, मनीष कुमार, विमल कुमार गोलू, गुंजन कुमार , माधव झा, शिव शंकर सिंह उर्फ छोटू,

दिनेश कुमार उर्फ गोलू, शंभू झा, बच्चा बाबू, विजय मंडल, शिवजी मंडल उर्फ बिट्ठू, मणिशंकर सिन्हा, पप्पू, श्रवण कुमार, मनीष, संजीत कुमार आदि थे। प्रधानमंत्री और मुख्यंत्री के संबोधन और योजनाओं की जानकारी को सुनकर उपस्थित युवाओं और कार्यकताओं में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ। सबने इस आयोजन को ऐतिहासिक बताया और कहा कि कौशल विकास से जुड़ी योजनाएं निश्चित रूप से युवाओं के जीवन को नई दिशा देंगी।

बेगूसराय की मटिहानी बनी हॉट सीट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच मटिहानी सीट फिलहाल चर्चा के केंद्र में है। राजग हो या महागठबंधन दोनों ही गठबंधनों में अभी सीट बंटवारे को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन मटिहानी विधानसभा सीट पर नेताओं के दावों ने सियासी सरगर्मी तेज कर दी है। नेताओं से लेकर आम जनता तक, हर ओर टिकट को लेकर चर्चा जोरों पर है। यही वजह है कि मटिहानी इस वक्त जिले की ह्यहाट सीटह्ल बन चुकी है।

दिलचस्प बात यह है कि दोनों गठबंधन में शामिल दलों के नेता अपने-अपने मजबूत दावे खुलकर पेश कर रहे हैं। महागठबंधन की ओर से माकपा ने फिर से इस सीट पर अपना दावा ठोका है। पार्टी नेताओं का कहना है कि पिछले चुनाव में मटिहानी सीट उन्हीं के खाते में थी और वे मामूली अंतर से जीत से चूक गए थे। इस बार फिर वे इस सीट पर अपनी उम्मीदवारी तय मान रहे हैं।

हालांकि, हाल ही में राजद के कार्यक्रम में तेजस्वी यादव ने इशारों-इशारों में पूर्व विधायक नरेंद्र कुमार सिंह उर्फ बोगो सिंह को मैदान में उतारने की बात कह दी, इससे माकपा की बेचैनी बढ़ गई है। उधर, राजग खेमे में भी टिकट को लेकर हलचल तेज है। पिछले विधानसभा चुनाव में मटिहानी सीट लोजपा के खाते में गई थी, और यही वह सीट थी जिस पर पार्टी को पूरे बिहार में एकमात्र जीत मिली थी। अब लोजपा नेता इस सीट को प्रतिष्ठा की सीट बताते हुए दावा कर रहे हैं कि यदि यह सीट उनके हिस्से में नहीं आई तो यह उनके साथ अन्याय होगा। समीकरण बदल चुके हैं मटिहानी के मौजूदा विधायक, जो लोजपा के टिकट पर जीते थे, बाद में जदयू में शामिल हो गए। अब जदयू भी इस सीट पर अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर रहा है। पार्टी नेताओं का कहना है कि वर्तमान विधायक मुख्यमंत्री के विश्वासी हैं, इसलिए टिकट मिलना तय माना जा रहा है। अब देखना यह दिलचस्प होगा कि दोनों गठबंधनों के शीर्ष नेता टिकट बंटवारे में किस पर सहमति बनाते हैं।

शाहाबाद में दिखेगा पवन सिंह का सियासी पावर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। पिछले साल फिल्म "स्त्री-2" आई थी। अमूमन फिल्म का क्लामेक्स खत्म होने के बाद जब क्रेडिट लाइन स्क्रीन पर रोल होता है, तब दर्शक कुर्सी छोड़ उठने लगते हैं, लेकिन इस फिल्म में दर्शक केवल पवन सिंह का गाना (झूठी खाई थी कसम जो निभाई नहीं...) सुनने के लिए आखिर तक कुर्सी से डटे रहे।

यह पावर स्टार का जलवा था और अपनी यह लोकप्रियता राजनीति में भी साबित की, जब पिछले साल लोकसभा चुनाव में काराकाट सीट से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपने दम पर दो लाख 74 हजार से ज्यादा वोट ले आए। उनकी चुनावी मुहिम से शाहाबाद में एनडीए को बड़ा झटका लगा और चारों सीट गंवाना पड़ा। अब स्थिति बदल चुकी है और पावर स्टार उपेन्द्र कुशवाहा से गले मिल रहे हैं। पर्दे के पीछे बहुत कुछ पक रहा है, लेकिन इतना तय है कि राजग पावर स्टार को उनके कद के अनुसार महत्व दे रहा है और उनकी लोकप्रियता के सहारे शाहाबाद की हवा इस बार पक्ष में होने की उम्मीद कर रहा है।

दरअसल, शाहाबाद का क्षेत्र समीकरण में अपेक्षाकृत सकारात्मक होते हुए भी एनडीए के लिए चुनौतियों से भरा रहा है। खास तौर पर 2020 के चुनाव के बाद यहां एनडीए का समीकरण तराजू के उसे पल्ले की तरह है, जिसमें एक को बिठाया जाता है तो दूसरा बिदाक कर उतर जाता है।

पिछले विधानसभा आम चुनाव में चिराग पासवान की पार्टी के अलग राह पकड़ने से एनडीए को झटका लगा। पिछले साल लोकसभा चुनाव में सब साथ थे, तो पवन सिंह का फैक्टर में समीकरण उलझ कर रह गया। शाहाबाद के चारों जिले में सासाराम की सातों सीट, बक्सर की चारों सीट और भभुआ की चारों सीटों पर एनडीए का खाता नहीं खुला।

भोजपुर में भी सात में से पांच सीटों पर भाजपा-जदयू को हार मिली। मामूली वोटो के अंतर से आरा सदर और बड़हरा विधानसभा क्षेत्र में एनडीए को जीत मिली। चारों जिलों में राजपूत और कुशवाहा वोटरों की अच्छी संख्या में है। दोनों एकजुट होकर वोट देते हैं तो यह निर्णायक साबित हो सकता है। हाल में एनडीए के बड़े नेता उपेंद्र कुशवाहा के साथ पवन सिंह की गलबहियां डाले तस्वीर का वायरल होना चर्चा में है। भाजपा के नेता इसे समीकरण की एकजुट के रूप में प्रचारित कर रहे हैं।

हाल में पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने आरा से अपनी हार के कारणों का जिक्र करते हुए सार्वजनिक रूप से जातीय बयान दिए। इसके बाद पावर स्टार और उपेंद्र कुशवाहा के मिलन की तस्वीर एनडीए की सेहत के लिए और भी जरूरी और प्रासंगिक हो गई है।

घटना के बाद राजनीति गरमायी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा की क्षेत्रीय प्रभारी दुर्गावती चतुर्वेदी के पति और भारतीय जनता युवा मोर्चा के क्षेत्रीय प्रभारी संतोष कुमार चौबे और उनके सहयोगी निकू तिवारी के साथ मारपीट, दुर्व्यवहार और वीडियो प्रसारित किए जाने के मामले से जिले का राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। ये दोनों लोग बक्सर नगर परिषद से जुड़ी योजनाओं में ठेकेदारी करते हैं। शहर के राम बाग मोहल्ला निवासी प्रिंस सिंह और उनके सहयोगियों के खिलाफ इस मामले में एक प्राथमिकी बीते शुक्रवार को संतोष ने दर्ज कराई थी, जो मूलतः ब्रह्मपुर प्रखंड के जवही गांव के रहने वाले हैं। इस घटनाक्रम से जुड़ी कई वीडियो क्लिप इंटरनेट पर तेजी से प्रसारित हो रही हैं। इनमें से कुछ दबंग लोग पीड़ित को डरा-धमकाकर एक व्यक्ति के पैरों पर गिरने के लिए मजबूर कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दुर्गा चरण मिश्रा ने इसे निंदनीय कृत्य बताते हुए आरोपितों का आर्म्स लाइसेंस तुरंत रद करने और उनके खिलाफ सीसीए के तहत कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सरकारी स्कूल में बच्चों ने जड़ा ताला

शिक्षक पर लगाये गंभीर आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नवादा जिला अंतर्गत नारदीगंज प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरनारायणपुर में विद्यालय के एक स्थानीय शिक्षकों के व्यवहार से नाराज स्कूली बच्चों व अभिभावकों ने विरोध में शनिवार को विद्यालय के दरवाजे पर ताला जड़ दिया।

स्कूली बच्चों ने वर्ग कक्ष में पढ़ाई करने के बजाय हाथों में तख्ती लेकर नारा लगाते हुए विरोध जताया। इस बीच उनके अभिभावक वहां मौजूद रहे। बच्चों ने तख्तियों में लिखा- 'तालाबंदी का शौक नहीं, यह हम सब की मजबूरी है। हम सब बच्चों का नारा है, शिक्षा अधिकार हमारा है।' इस बीच गांव के कई ग्रामीण, शिक्षक भी वहां मौजूद रहे। पंचायत के मुखिया भी वहां पहुंचे। मुखिया दिनेश कुमार ने कहा कि ऐसे शिक्षक के व्यवहार को लेकर ग्रामीणों व बच्चों में नाराजगी है, उन्हें यहां से स्थानांतरित किया जाए। उक्त शिक्षक अलाउद्दीन हरनारायणपुर गांव के ही बताए गए हैं। इस पूरे मामले में विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेश प्रसाद ने कहा कि विद्यालय के एक शिक्षकों को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। इसी को लेकर लोगों ने ताला लगा दिया है। नाराज ग्रामीण वरीय अधिकारी को बुलाने की मांग कर रहे हैं।

सूचना पर बीईओ दीपक कुमार, प्रखंड लेखापाल संजीव रंजन, बीआरपी आनंद कुमार समेत अन्य पहुंचे, और विद्यालय प्रधान व ग्रामीणों से बातचीत कर विद्यालय में जड़ा ताला खोला गया। उसके बाद बाहर रहे शिक्षक व छात्र अंदर पहुंचे। तब 11 बजकर 22 मिनट में प्रार्थना शुरू हई।

इस बीच ग्रामीण रजनीश कुमार, श्रवण कुमार कुशवाहा, राजकुमार, विरेंद्र कुमार ने कहा कि एक स्थानीय शिक्षक का व्यवहार उचित नहीं है।

इसके साथ ही ग्रामीणों ने विद्यालय के जर्जर भवन की जगह नया भवन बनाने की मांग की। साथ ही विद्यालय का खेल मैदान को व्यवस्थित कराने की मांग की। इस विद्यालय में कुल दस शिक्षक कार्यरत हैं।

अतिवृष्टि से एकमा बाजार हुआ जलमग्न, रेल परिचालन हुआ प्रभावित

- भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, बिजली-पेयजल आपूर्ति बाधित, लोग हो रहे हलकान
- मुख्य पार्षद का आवासीय परिसर बना तालाब, बत्तखों ने तैरकर दिखाई जलजमाव की सच्चाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। शुक्रवार की देर रात से शनिवार दोपहर तक हुई लगातार भारी बारिश से नगर पंचायत एकमा बाजार सहित प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में जलजमाव की स्थिति पैदा हो गई है। आलम यह रहा कि नगर पंचायत एकमा बाजार की मुख्य पार्षद श्वेता रानी का आवासीय परिसर भी पानी में पूरी तरह से डूब गया। तस्वीरों में बत्तख तैरते हुए नजर आए, जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि नगर पंचायत क्षेत्र में जलनिकासी व्यवस्था कितनी बदहाल है।

नगर पंचायत एकमा बाजार के ब्लॉक रोड स्थित मोहल्लों सहित नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में जलजमाव होने से लोगों के घरों में पानी घुस गया है। पर्याप्त नालियों व जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोग गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। यही स्थिति प्रखंड क्षेत्र के गांवों क्रमशः आमडाढ़ी, कर्णपुरा, भरहोपुर, राजापुर, हरपुर, हंसराजपुर, परसागढ़, रसूलपुर, योगिया, असहनी, धनाडीह, लाकठ छपरा, पचरुखिया, गौसपुर, देवकुली, रामपुर, छित्रवलिया, विशुनपुरा कला आदि अन्य में भी है, जहां रात से लगातार हुई बारिश ने ग्रामीणों का जनजीवन ठप कर दिया है।

वहीं सरकारी व गैर सरकारी कार्यालयों के परिसरों में भी पानी भर गया है, जिससे कार्य प्रभावित हुआ है। वहीं, कई स्थानों पर पेड़ और बिजली के पोल गिरने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है। इन्वर्टर डिस्चार्ज हो जाने से लोगों के घरों में अंधेरा पसरा रहा और बिजली आपूर्ति बाधित होने से पेयजल संकट भी गहरा गया, क्योंकि मोटर व जलापूर्ति व्यवस्था बंद हो गई है। उधर, छपरा-सीवान रेलखंड पर स्थित एकमा रेलवे स्टेशन पर बारिश के दौरान सुबह लगभग 6.00 बजे एक पुराना पेड़ गिरने से प्लेटफॉर्म संख्या एक से रेलगाड़ियों का परिचालन लगभग छह घंटे तक बाधित रहा। बाद में लगभग 6 घंटे बाद रेलवे द्वारा युद्ध स्तर पर पेड़ को खाकर हटाए जाने के बाद प्लेटफॉर्म संख्या एक से होकर ट्रेनों का आवागमन सामान्य हो सका।

बहरहाल, लगातार बारिश व जलजमाव से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और नगर निकाय व्यवस्था की पोल खुल गई है। वहीं जिलाधिकारी अमन समीर द्वारा अतिवृष्टि से उत्पन्न परेशानी को ध्यान में रखते हुए सभी सरकारी और निजी विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों को शनिवार को बंद रखने का आदेश जारी किया गया। जिसके अनुपालन में सभी स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश रहा। इधर दूसरी ओर नगर पंचायत एकमा बाजार में जलनिकासी व्यवस्था की पोल खोलने वाली यह तस्वीर बहुत कुछ कह जाती है।

मुख्य पार्षद श्वेता रानी का आवासीय परिसर भारी बारिश के बाद इतना जलमग्न हो गया कि उसमें बत्तखें तैरने लगीं। हालांकि मुख्यपर्षद का आवासीय परिसर मुख्य सड़क से कुछ नीचे भी है।

जहां लोगों के घरों और गलियों में पानी भर जाने से परेशानी बढ़ी, वहीं यह दृश्य नगर निकाय की जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने का जीवंत सबूत बन गया। तस्वीर में साफ दिख रहा है कि आवासीय परिसर तालाब का रूप ले चुका है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नगर पंचायत एकमा बाजार के मुख्य पार्षद की आवासीय परिसर की स्थिति यह है तो आम वार्डों और मोहल्लों का हाल सहज ही समझा जा सकता है। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था और नालों की सफाई नहीं होने के कारण एक रात की बारिश ने लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। इससे संबंधित तस्वीरें व फोटो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रही हैं।

किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म

बेतिया। नौतन थाना क्षेत्र के एक गांव में बथान पर मवेशियों को चारा खिलाने गई किशोरी के साथ एक किशोर समेत तीन ने दुष्कर्म किया। तीनों आरोपित गांव के रिश्ते में पीड़िता के चाचा, भाई एवं भतीजा हैं। पुलिस ने दो आरोपितों को पकड़ लिया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। मुख्य आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पासवान ने बताया कि एक किशोर समेत दो को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एक अन्य आरोपित घर से फरार है। पीड़िता और तीनों आरोपित एक ही गांव के रहने वाले हैं। घटना को लेकर गांव में तनाव है।

बताया जाता है कि पीड़िता के घर से करीब 200 मीटर की दूरी पर मवेशी का बथान है। मवेशियों को चारा खिलाने के लिए पीड़िता बथान पर गई थी। पहले से तीनों आरोपित वहां थे। पीड़िता को जबरन पकड़कर बथान के पीछे ले गए और दुष्कर्म किया।

CMYK

बिहार विधान सभा आम निर्वाचन के लिए मास्टर ट्रेनरों को किया जा रहा प्रशिक्षित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 को गयाजी जिले में स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त और तकनीकी खराबी रहित चुनाव सम्पन्न करने के लिए जिला प्रशासन ने अभी से ही तैयारियां शुरू कर दी है। इसके लिए जिला प्रशासन के निर्देशानुसार चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिले में प्रथम राउंड में सुपर मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण संपन्न हो गया है। दूसरे राउंड में मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण देने का कार्य जारी है। हरिदास सेमनरी गयाजी स्थित प्रेक्षागृह में बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 के सफल संचालन हेतु गया जिले के अलग-अलग विधान सभाओं से आए मास्टर ट्रेनरों का सिड्यूल बनाकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में होने वाले मतदान के दौरान इवीएम में किसी प्रकार के तकनीकी खराबी नहीं हो या खराबी होने पर उसे तत्काल ठीक कर दिया जाय, इसके लिए सुपर मास्टर ट्रेनरों के द्वारा मास्टर ट्रेनरों को इवीएम से संबंधित तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सुपर मास्टर ट्रेनरों ने मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण के दौरान इवीएम का हैंड्स ऑन करवाया गया। पीठासीन पदाधिकारियों को विशेष रूप से मोबाइल एप की जानकारी दी गई। इस संबंध में जिलाधिकारी गया जी शशांक शुभंकर ने बताया कि मतदान कार्य में लगने वाले सभी अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित अन्य संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षित करने का काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रथम राउंड की ट्रेनिंग समाप्त हो गई है। आगे मतदान होने तक मतदान कर्मियों का प्राधिक्षण जाती रहेगा।

भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डोभी (गयाजी)। समेकित जांच चौकी डोभी में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बोलेरो पिकअप से 708.120 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की है। इस दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अनिल कुमार (पिता- जनार्दन सिंह, साकिन-बाघा टिल्ला, थाना-बेली रोड, जिला- पटना, उम-लगभग 40 वर्ष) के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार बोलेरो पिकअप से शराब परिवहन किया जा रहा था। जांच के दौरान वाहन से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब बरामद हुई। छापेमारी दल में मद्य निषेध विभाग के रामप्रती कुमार के नेतृत्व में रवनीत कुमार, हलेन्द्र कुमार, विजय कुमार सहित अन्य जवान शामिल थे। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है तथा अभियुक्त के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध अधिनियम 2022 के तहत कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त को आगे कार्रवाई हेतु न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया है।

स्वास्थ्य उपकेंद्र डोभी से सरकारी सामान की चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डोभी/ गयाजी। गयाजी जिला के डोभी प्रखंड के अंतर्गत स्वास्थ्य उपकेंद्र करमौनी (डोभी) से अज्ञात चोरों द्वारा सरकारी सामानों की चोरी कर ली गई। इस संबंध में चिकित्सा प्रभारी डॉ. रंजनिश कुमार देव ने डोभी थाना में लिखित आवेदन दिया है। आवेदन में कहा गया है कि 3 अक्टूबर की सुबह जब वे उपकेंद्र पहुंचे तो देखा कि परिसर का ताला टूटा हुआ था। अंदर प्रवेश करने पर कई महत्वपूर्ण सरकारी सामग्रियां गायब पाई गईं। चोरी गए सामानों में ट्यूबलर बैटरी (2 पीस), इन्वर्टर (1 पीस), एचपी प्रिंटर (1 पीस), चार टेबल फैन (2 पीस), थर्मामीटर (1 पीस), ग्लूकोमीटर (1 पीस), बीपी मशीन (2 पीस) सहित अन्य दवाइयां और आवश्यक उपकरण शामिल हैं।

गया की दसों विधानसभा सीटों पर एनडीए उम्मीदवारों की विजय का लिया संकल्प

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के कार्यालय में आज पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा किसान मोर्चा बागवानी प्रकोष्ठ के सह-संयोजक डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने की। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर रणनीति तैयार की गई तथा गया जिला के सभी दस विधानसभा क्षेत्रों में एनडीए उम्मीदवारों की प्रचंड विजय सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित सभी नेताओं ने यह संकल्प लिया कि गया जिले की दसों विधानसभा सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाकर बिहार में पुनः एनडीए की सरकार स्थापित की जाएगी। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि नवरात्र के पावन अवसर पर मां दुर्गा के विसर्जन के बाद आज हम सभी ने संकल्प लिया है कि बिहार के विकास और खुशहाली के लिए पुनः एनडीए सरकार बनाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करेंगे और जनता के बीच केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाकर एनडीए की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करेंगे। बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने 'फिर एक बार एनडीए सरकार' का नारा लगाते हुए एकजुटता का परिचय दिया। मौके पर भारतीय जनता पार्टी पश्चिम के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश चिंटू, अति पिछड़ा आयोग के सदस्य अमित कुमार डांगी सहित कई प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शेरघाटी में मृतक दीपक गुप्ता को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। शहर के ब्लॉक के निकट शनिवार को मृतक दीपक गुप्ता के प्रति श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उनके चाहने वाले परिजन और स्थानीय लोगों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दीपक गुप्ता को गुरुवार की रात्रि में सम्पति के लालच में आकर उसे गोली मारकर हत्या कर दिया था जिससे क्षेत्र में गम का माहौल व्याप्त है। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने दीपक गुप्ता के सामाजिक योगदान और मिलनसार स्वभाव को याद करते हुए कहा कि उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान भाजपा पश्चिमी जिलाध्यक्ष चिंटू सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन किशोर, राजद नेता प्रमोद वर्मा, समाजसेवी विकास कुमार, रौशन कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। वक्ताओं ने सरकार और प्रशासन से मांग की कि दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई की जाए और पीड़ित परिवार को न्याय मिले। श्रद्धांजलि के अंत में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, व्यापारी वर्ग और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीस सूत्री बैठक में मनरेगा, पीडीएस, जीविका आदि मुद्दे छाए रहे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। प्रखंड कार्यालय सभागार भवन में शनिवार को आयोजित बीस सूत्री बैठक में विभिन्न विभागों की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमें कई विभागों की लापरवाही उजागर हुई। बैठक में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के अनुपस्थित रहने पर प्रतिनिधियों ने असंतोष जताया। वहीं पीएचइडी विभाग के खिलाफ भी तीखी नाराजगी व्यक्त की गई। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि कई सार्वजनिक स्थलों पर चापाकल खराब हैं और उनकी मरम्मत नहीं कराई जा रही है जिस पर विभाग कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सका। अंचल कार्यालय की लापरवाही पर भी सवाल उठे। आरोप लगाया गया कि मोटी रकम लेकर बिहार सरकार की जमीन पर रसीद काट दी गई जबकि यह जमीन पूर्व सीओ द्वारा अस्पताल निर्माण हेतु दी गई थी। इसी क्रम में शेरघाटी अनुमंडल अस्पताल की बदहाली पर भी चर्चा हुई। बताया गया कि अस्पताल में वेंटिलेटर मशीनें तो स्थापित हैं, लेकिन चिकित्सक की अनुपस्थिति के कारण इलाज संभव नहीं हो पाता। साथ ही अल्ट्रासाउंड सेवा बंद होने पर भी सवाल खड़े हुए। बैठक में अवैध नर्सिंग होम पर कार्रवाई की मांग उठी। कल्याण पदाधिकारी के पास लंबित 74 मुआवजा मामलों की समीक्षा की गई और यह पूछा गया कि अब तक कितनों को भुगतान किया गया। इसके अलावा खराब अनाज वितरण, गैस एजेंसी द्वारा अतिरिक्त वसूली, स्कूलों में शिक्षकों के दुर्व्यवहार तथा बीआरसी के अकाउंटेंट व शिक्षा विभाग में अवैध वसूली के मामलों को भी गंभीरता से उठाया गया। बैठक के दौरान विधायक मंजू अग्रवाल, अध्यक्ष अरविंद कुमार, उपाध्यक्ष राधेश्याम सिंह, बीडीओ स्नेहिल आनंद, सीओ उषा कुमारी, थानाध्यक्ष अजित कुमार, सांसद प्रतिनिधि टूटू खान, रवि सिंह आदि लोग शामिल रहे।

एक नजर

अज्ञात महिला का शव बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। थाना क्षेत्र के अहियापुर मोड़ के पास शनिवार सुबह एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ। सुबह टहलने निकले ग्रामीणों ने सड़क किनारे शव देखकर डायल 112 को सूचना दी जिसके बाद कोंच पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गया मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। कोंच थानाध्यक्ष शैलेश कुमार के अनुसार मृतका की उम्र लगभग 40 वर्ष है और उसने सलवार सूट पहन रखा था। महिला के सिर के पास चोट का निशान पाया गया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि वह सड़क पर चलते समय गिर गई होगी या किसी वाहन की चपेट में आ गई होगी। पुलिस ने यह भी बताया कि मृतका विक्षिप्त प्रतीत होती है। स्थानीय लोगों के अनुसार वह अक्सर आसपास घूमती दिखती थी। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो सकी है। कोंच पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मनरेगा प्रोग्राम पदाधिकारी की भावभीनी विदाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुरारू। गुरारू प्रखण्ड स्थित मनरेगा कार्यालय में वर्षों से प्रोग्राम पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित मिथिलेश कुमार की भावभीनी विदाई सह आगंतुक प्रोग्राम पदाधिकारी संजय कुमार सिंह के सम्मान में एक विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर प्रखण्ड के कई पंचायत प्रतिनिधियों के अलावे मनरेगा कर्मी एवं प्रखण्ड सह अंचल के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पदाधिकारी द्वय को बुके भेंट कर एवं माल्यार्पण किया गया। पंचायत समिति प्रतिनिधि सह फांफर गांव निवासी समाजसेवी समीर शेखर मोनू ने कहा कि पूर्व मनरेगा पीओ मिथिलेश कुमार का कार्यकाल काफी सराहनीय रहा है। गौरतलब है कि मिथिलेश कुमार का तबादला रोहतास जिला के तिलौथू प्रखण्ड में हुआ है और उनके स्थान पर कोंच प्रखण्ड में मनरेगा पीओ के पद पर पदस्थापित संजय कुमार सिंह को गुरारू का प्रभार दिया गया है।

कोंच प्रखंड क्षेत्र में 11वीं उर्स का भव्य आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। प्रखंड क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों में शनिवार को 11वीं शरीफ बड़े श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सूफी संत हजरत अब्दुल कादिर जिलानी (रह.) की याद में नजर-नियाज पेश किए और अमन-चैन, भाईचारा एवं खुशहाली की दुआएं मांगीं। घरों में मीठे पकवान बनाए गए और लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर मुबारकबाद दी। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने पूरे उत्साह से त्योहार की खुशियां साझा कीं। मस्जिदों और दरगाहों में कुरान की तिलावत, फातेहा व विशेष दुआ का आयोजन किया गया। धर्मप्रेमियों ने बताया कि हजरत अब्दुल कादिर जिलानी (रह.) ने हमेशा इंसानियत, शांति और एकता का संदेश दिया। उनके बताए मार्ग पर चलना सच्ची इबादत है। इस मौके पर समाज में सौहार्द और भाईचारे का वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

घर में घुस चोरी करने वाले दो चोर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बांके बाजार। स्थानीय थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घर में चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। यह घटना शुक्रवार की देर शाम बांके बाजार थाना क्षेत्र के तिलैया गांव में घटी जब गांव निवासी दुखन प्रसाद के घर में चोरी की कोशिश की जा रही थी। गिरफ्तार चोरों की पहचान डिहरी ऑन सोन निवासी सुखाड़ी सिंह और गया जिले के बेला निवासी करन गुलगुलिया के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष मंटू कुमार ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों को घर के भीतर से पकड़ लिया। तलाशी लेने पर इनके पास से दो चांदी का बिछिया और 1500 रुपये नकद बरामद किया गया। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों आरोपी पिछले कई दिनों से गांव में तंबू लगाकर डेरा डालकर रह रहे थे।

मेला व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। प्रखंड के चन्दैनी गांव में दुर्गा पूजा समिति के सौजन्य से एकादशी को भव्य दशहरा मेले का आयोजन किया गया। मेले में शुक्रवार की रात्रि 10 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत हुई जो शनिवार की सुबह 5 बजे तक चला। कार्यक्रम का उद्घाटन आंती थानाध्यक्ष दीपक कुमार राव ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान ब्यास पूजा पाण्डेय और बिट्ठू तिवारी के बीच दुगोला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस मौके पर कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सरबहदा में चौदहवें दिन भी जारी रहा सत्याग्रह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खिजरसराय। अतरी विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर चौदहवें दिन भी अनिश्चित कालीन सत्याग्रह जारी रहा। आजादी के सात दशक बाद भी किसी बाबू सफेदपोश नेतृत्व कर्ता का दीर्घा दृष्टि अतरी विधान सभा क्षेत्र के किसानों की समस्या पर न पड़ा। यहां के किसान आज भी अपनी बेबसी का मासूम चेहरा लिये खड़ा है कोई हाल जानने वाला नहीं दर्जनों समस्याओं के निराकरण को लेकर विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत सरबहदा बाजार बस स्टैंड यात्री शेड में जिला किसान सभा एवं समाज सेवी सूर्यदेव सिंह उर्फ सूरज यादव के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन सत्याग्रह तेरहवें दिन भी जारी रहा। सभा को संबोधित करते हुए सूर्यदेव सिंह उर्फ सूरज यादव ने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति दिन प्रतिदिन कमजोर होती चली जा रही है। सरकार किसानों के उत्थान के लिए कोई कार्य नहीं कर रही है किसान हमारी अर्थ व्यवस्था की रीढ़ है। फिर भी किसान समस्याओं में उलझा हुआ है किसान हमेशा सिंचाई बीज खाद उचित मूल्य का आभाव रहता है प्राकृतिक आपदाएं बिचौलियों का शोषण सरकार की उदासीनता कर्ज का बोझ बिजली विल दाखिल खारिज जमाबन्दी में लूट खसोट इन्हें आत्महत्या करने पर मजबूर कर रखा है। यादव ने यह भी कहा कि हमारी मांगें पूरी होने तक अनिश्चित कालीन जंसत्याग्रह जारी रहेगा हमारी छह सूत्री मांगों में खिजरसराय प्रखंड के फल्गु नदी से निकले बड़की पाइन नैली पाइन विहटा मंडाई आदि तमाम पइनों की सफाई महमूदा नहर को आदमपुर नादरा जगडीहा शेख विगहा हेमारा विहटा इत्यादि गांव से नहर निकल कर तेहैइया गांव के समीप छिलका निर्माण कर सिंचाई का प्रबंध करना, प्रखंड के सभी आहार पइन को अतिक्रमण मुक्त कराया जाये समस्त गांव में पेयजल की व्यवस्था किया जाए फर्जी बिल माफ हो तमाम गांव सड़क लिंक पथ का निर्माण किया जाना शामिल है। मौके पर सीताराम यादव, चंदेश्वर यादव, रामदेव अर्जुन यादव, गोपाल ठठेरा, ओमप्रकाश चौधरी, विंदेश्वर मोची, वसंत चौधरी, रामबालक जमादार, अर्जुन विद्यार्थी, कांति देवी, सोनी देवी, क्रांति देवी, रामबली यादव आदि सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मिट्टी का मकान गिरने से घर में सो रहे बुजुर्ग की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भभुआ। कैमूर जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के डिह भुजैना गांव में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। भारी बारिश के दौरान मिट्टी का मकान गिरने से घर में सो रहे एक बुजुर्ग की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसा तब हुआ जब परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। अचानक तेज बारिश के बीच मिट्टी की दीवार गिरने लगी। आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य जैसे-तैसे भाग निकले, लेकिन 58 वर्षीय राम आधार राम भाग नहीं सके और पूरा मकान उनके ऊपर गिर पड़ा। घटना के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने शोर मचाया तो पड़ोसी मौके पर पहुंचे और मिट्टी हटा कर बुजुर्ग के शव को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही चैनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेज दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान चैनपुर थाना क्षेत्र के डिह भुजैना गांव निवासी स्वर्गीय सोती राम के पुत्र राम आधार राम के रूप में हुई है। मृतक के पुत्र जोगिंदर राम ने बताया कि जब हादसा हुआ, तब घर के सभी लोग गहरी नींद में सो रहे थे। तेज बारिश के कारण मकान की दीवार कमजोर हो गई थी और देखते ही देखते पूरा घर गिर गया। उन्होंने कहा कि हम लोग किसी तरह बाहर निकल पाए, लेकिन मेरे पिता अंदर ही दब गए।घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है ताकि मृतक के परिवार का भरण-पोषण हो सके। वहीं पुलिस प्रशासन ने कहा है कि रिपोर्ट तैयार कर जिला आपदा प्रबंधन विभाग को भेजी जाएगी ताकि सरकारी मुआवजा दिलाया जा सके।

शराब छापेमारी के दौरान उत्पाद पुलिस पर हमला, आधा दर्जन ग्रामीण हिरासत में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। थाना क्षेत्र के चिताबकला गांव में शनिवार को शराब की छापेमारी करने गई उत्पाद विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार उत्पाद थाना की पुलिस गुप्त सूचना के आधार पर गांव में छापेमारी करने पहुंची थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने पुलिस दल पर अचानक हमला बोल दिया। हमले में पुलिस की गाड़ी के शीशे तोड़ दिए गए और कर्मियों के साथ मारपीट की गई। घटना की सूचना मिलते ही शेरघाटी थाना अध्यक्ष एवं प्रशिक्षु डीएसपी अभिषेक कुमार के नेतृत्व में दल बल के साथ पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन ग्रामीणों को हिरासत में लिया है। बताया जाता है कि छापेमारी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में देशी और विदेशी शराब बरामद की है।

भीतरीबांध में पहाड़ के रिसाव से बनी बाढ़ की स्थिति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भभुआ। कैमूर जिले के रामपुर प्रखंड के भीतरी बांध गांव में पिछले एक महीने से पहाड़ से लगातार पानी के रिसाव के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। गांव के महादलित बस्ती की गलियों में दो फीट तक पानी जमा है। लगातार दो-तीन दिनों से हो रही बारिश ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है। ग्रामीणों के अनुसार सैकड़ों घर बाढ़ के पानी से प्रभावित हैं और कई घरों में पानी घुस गया है। अब तक 30 से 40 मिट्टी के घर बारिश और जलजमाव के कारण गिर चुके हैं। महादलित बस्ती में चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है। सैकड़ों एकड़ में खड़ी धान की फसल पूरी तरह जलमग्न हो चुकी है। ग्रामीणों को घुटने भर पानी पार कर रोजमर्रा के काम करने पड़ रहे हैं। पीड़ित उषा देवी, सिंघासन राम, प्रीति देवी, रमुनी देवी, मालती देवी और सुनील राम सहित अन्य ने बताया कि इस बाढ़ से करीब 50 से अधिक महादलित परिवार प्रभावित हैं। पिछले एक महीने से पानी गलियों में जमा है, जिससे आवागमन बेहद कठिन हो गया है। कई परिवारों को अपने घर छोड़कर दूसरे स्थानों पर शरण लेना पड़ा है। ग्रामीण महिलाओं ने पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने पर प्रशासन के खिलाफ मुदार्बाद के नारे लगाकर विरोध जताया। उनका कहना है कि एक सप्ताह पूर्व विधायक और लघु सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण किया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। वहीं प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी और बीडीओ दृष्टि पाठक ने गांव का दौरा कर स्थिति की जानकारी ली और जल्द समाधान का आश्वासन दिया। ग्रामीण अब प्रशासन से तत्काल राहत और स्थायी जल निकासी व्यवस्था की मांग कर रहे हैं।

रेलवे भर्ती सेल
पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

वर्ष 2025–26 के लिए स्काउट–गाइड कोटा के अंतर्गत भर्ती
रोजगार सूचना सं. एनईआर/आरआरसी/एसजी/2025–26 दिनांक 30.09.2025

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि व समय	01.10.2025, 10:00 बजे
ऑनलाइन आवेदन समाप्त होने की तिथि व समय	30.10.2025, 18:00 बजे

वर्ष 2025–26 के लिए स्काउट–गाइड कोटा के अंतर्गत लेवल–2 (ग्रेड पे–1900) में ग्रुप 'सी' के 03 पदों (पूर्वोत्तर रेलवे–02 पदों एवं बीएलडब्ल्यू/वाराणसी–01 पदों) तथा लेवल–1 (ग्रेड पे–1800) में पूर्ववर्ती ग्रुप 'डी' के 08 पदों (पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर, लखनऊ एवं वाराणसी मण्डलों तथा बीएलडब्ल्यू/वाराणसी, प्रत्येक में 02 पदों) के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

विस्तृत सूचना के लिए पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.ner.indianrailways.gov.in** देखें।

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती सेल, गोरखपुर

मुजाधि/आर.आर.सी–02

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा नोटिस सं0–
34 ऑफ 2025–26/खुला/इंजीनियरिंग, डीडीयू

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/ डीडीयू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारो से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती है। **(i) कार्य का नाम एवं लोकेशनः** निविदा सं0–13–डीडीयू–व0 मं0इंजी0– III–25–26 वरीय मंडल इंजीनियर/III/डी0डी0यू0के अधिकार क्षेत्र के तहत सीटीआर (एस/पी)–3.482 ट्रैककि0मी0, टीआरआर (पी)–4.199 ट्रैककि0मी0, टीआरआर (एस) –17.053 ट्रैककि0मी0 और टीएसआर (पी)–3.352 ट्रैककि0मी0 और रेल का आकस्मिक नवीनीकरण (प्राथमिक)–1.3 ट्रैककि0मी0 **(ii) कार्य का अनुमानित लागतः** रू0 35591750.67 **(iii) धरोहर राशिः** रू0 328000.00 **(iv) ई–निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः** 31.10.2025 को 12:00 बजे तक **(v) बेवसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारीः** www.ireps.gov.in नोटः– विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक
पूर्व मध्य रेल, पं0 दीन दयाल उपाध्याय

पीआर/1081/डीडीयू/टी/25–26/32

ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT

बिहार सरकार

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, RCD, ROAD DIVISION No. 1, Aurangabad
Email ID:- eercdaurangabad01@gmail.com, Mob:- +91-9470001281
SBD BASED DETAILED NOTICE INVITING E-TENDER
(Through e-procurement mode only https://www.eproc2.bihar.gov.in)
NIT No.- RCD / AURANGABAD/SBD/08/2025-26

1. **Designation And Address of The Advertiser** :- **Executive Engineer, R.C.D., Road Division No. 1 Aurangabad**
2. Date Of Issue of Notice Inviting Tender :- **24.09.2025**
3. Period For Download of Tender Document :- From **24.10.2025** to **06.11.2025** Up to 15:00 hrs. **(From Website:** https://www.eproc2.bihar.gov.in **) Only.**
4. Date, Time & Place of Pre-Bid Meeting :- **30.10.2025** at 11:00 hrs. at Office of The Chief Engineer, South, RCD, Bihar, Patna
5. Last Date & Time for Uploading Tender Document By Bidder :- **06.11.2025** Up to 15:00 hrs. **On Website**: (https://www.eproc2.bihar.gov.in) Only.
6. Date, Time & Place Of Opening Of Technical Bid :- Date- **06.11.2025** after 15:30 hrs. **On Website :** https://www.eproc2.bihar.gov.in
7. Details Of Works:

Group No.	Name of work	Estimated Cost (Rs in Lakh)	Amount of Earnest money (Rs in Lakh)	Cost of B.O.Q (to be paid through online mode) (non-refundable) (in Rs.)	Bid Processing Fee (to be paid through online mode) (non-refundable (in Rs.)	Time of completion of work (in month) Including monsoon period.
1	2	3	4	5	6	7
1	Widening and Strengthening of Old G.T. Road Jasoiya More to Ramesh Chowk from Ch. 0.00 to 1.80 km and Construction of new RCC Drain on the Level of Road for the year 2025 -26 under RCD, Road Division No. 1, Aurangabad	1682.88102	26.83	10,000.00	As appeared on e-proc2	06 Months

8. Date, Time & Place of opening of Financial Bid :- To be announced after approval of Technical Bid by Competent Authority **(on Website :** https://www.eproc2.bihar.gov.in **)**
9. Bid Validity :- 120 Days

For further details please visit : www.state.bihar.gov.in/prdbihar

Executive Engineer,
RCD, Road Division No. 1,
Aurangabad

PR- 016607 (RCD) 2025-26

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

संपादकीय

रेपो दर -आर्थिक संतुलन को बनाए रखना होगा

देश में केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों के संबंध में जो फैसला लिया जाता है, उसका असर मुख्यत- बाजार में ऋण चुकाने के लिए मासिक किस्तों पर किसी वस्तु की खरीदारी से लेकर जमीन-जायदाद के कारोबार पर भी पड़ता है। इसलिए जब भी रेपो दरों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होती है, तब इसे लेकर आम लोगों के बीच उत्सुकता रहती है। हालांकि ज्यादातर साधारण लोगों को अर्थव्यवस्था के जटिल नियम-कायदों से बहुत वास्ता नहीं होता और वे ऐसे फैसलों के अमल के बाद बनने वाली स्थितियों पर निर्भर रहते हैं कि उनकी जेब ढीली होगी या उन्हें राहत मिलेगी।गौरतलब है कि बुधवार को मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद यह घोषणा की गई कि इस बार भी नीतिगत दरों में में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी बीते अगस्त की तरह अक्तूबर में ब्याज दर को 5.5 फीसद पर ही यथावत रखा गया है। कहा जा सकता है कि त्योहारों के इस मौसम में अगर लोगों को अतिरिक्त राहत नहीं मिली है, तो कोई बड़ा झटका भी नहीं लगा है। हालांकि पिछले कुछ समय से भारत सहित दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह की अनिश्चितता बनी हुई है, उसमें आम लोगों का आशंकित होना स्वाभाविक है।दरअसल, अमेरिका की ओर से शुल्क लगाए जाने की नीति पर कदम बढ़ाने के बाद भारत सरकार ने आंतरिक मोर्चे पर अर्थव्यवस्था को संभालने और आम लोगों को राहत देने के लिए जिस तरह माल एवं सेवा कर के ढांचे में बदलाव करने सहित कुछ अन्य कदम उठाए, उसमें रेपो दरों को लेकर भी लोगों के बीच यह उम्मीद बंधी थी कि इसमें भी कोई राहत का संदेश आएगा। मगर केंद्रीय बैंक की ओर से इसे यथावत रखने की घोषणा के बाद अब संभव है कि लोगों को अपने आर्थिक मामलों में थोड़ा संतुलन का ध्यान रखना होगा।इससे पहले इस वर्ष रेपो दरों में तीन बार कटौती के साथ इसमें सौ आधार अंकों की कमी की जा चुकी है। जाहिर है, यह न केवल देश के भीतर आर्थिक उतार-चढ़ावों का सामना करने की कोशिश है, बल्कि फिलहाल दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जैसी चुनौतियां खड़ी हैं, उसमें स्थिरता बनाए रखने के उपायों से अर्थव्यवस्था को संभालने में मदद मिल सकती है।केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों को लेकर जो फैसले लिए जाते हैं, उसके तहत अगर इसमें कमी की जाती है, तो उसे मुख्य रूप से ऋण के लिहाज से सुविधाजनक माना जाता है। ऋण का सस्ता या महंगा होने का हिसाब इसी पर निर्भर करता है।इसका सीधा और पहला असर वैसे उपभोक्ताओं पर पड़ता है, जिन्होंने घर, वाहन या अन्य सामान या फिर शिक्षा के लिए बैंकों से कर्ज लिया होता है। चूंकि रिजर्व बैंक की नीतिगत दरों के अनुरूप ही व्यावसायिक बैंक उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले ऋण और अन्य सावधि जमा के मद में ब्याज की दरों का निर्धारण करते हैं, इसलिए वैसे लोग भी रिजर्व बैंक की ओर से नीतिगत दरों में कमी किए जाने का इंतजार करते हैं, जो कर्ज सस्ता होने के बाद कुछ खरीदने या कहीं निवेश करने के बारे में सोच रहे होते हैं।इस लिहाज से देखें तो इस बार नीतिगत दरों के यथावत रहने से ऋण की मासिक किस्तों में कोई बदलाव नहीं होगा।

राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गौरवशाली सौ वर्ष

संघ ने दादरा, नगर हवेली और गोवा के विलय में निर्णायक भूमिका निभाने का कार्य किया था, 2 अगस्त 1954 की सुबह संघ के स्वयंसेवकों ने पुतर्गाल का झंडा उतारकर तिरंगा फहरा कर पुतर्गाल के कब्जे से मुक्त करवाया था। संघ के स्वयंसेवक 1955 से चले गोवा मुक्ति संग्राम में शामिल रहे, उन्होंने गोवा में सशस्त्र हस्तक्षेप करने से तत्कालीन सरकार के द्वारा इनकार करने पर जगन्नाथ राव जोशी के नेतृत्व में गोवा पहुंच कर के आंदोलन शुरू किया था, लेकिन बाद में जब जगन्नाथ राव जोशी सहित संघ के कार्यकर्ताओं को दस वर्ष की सजा हुई तो गोवा के हालत बिगड़ने पर अंततः भारत सरकार के सैनिकों को हस्तक्षेप करना पड़ा था और वर्ष 1961 में संघ की क्रांति के दीप से ही गोवा भी स्वतन्त्र हुआ था।

(दीपक कुमार त्यागी)

वैसे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्र निर्माण के लिए किये गये कार्यों की लंबी फेरहिस्त देखें तो उससे यह स्पष्ट होता कि राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक का हमेशा अनमोल योगदान रहा है, उस योगदान की अनदेखी करना देश हित व समाज हित में उचित नहीं है।

डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने पावन पर्व विजयदशमी के दिन 27 सितंबर 1925 को महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना राष्ट्र, संस्कृति व समाज हित के लिए की थी। संघ स्थापना काल से लेकर के आज तक देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय ढांचे को मजबूत करते हुए अपने कार्यों के दम पर करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हुए, राष्ट्र निर्माण में पूरी निष्ठा व ईमानदारी से योगदान देने का कार्य निरंतर कर रहा है। हालांकि देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निर्माण के दिन से ही उसके बारे में तरह-तरह का दुष्प्रचार करने की क्षणिक स्वार्थ पूरा करने वाली राजनीति की जबरदस्त ढंग से होती रही है, यह लोग ओछी राजनीति से वशीभूत होकर के राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी कि आरएसएस की कोई भी भूमिका नहीं रही, आम जनमानस को ऐसा बता कर के संघ के प्रति आम जनमानस को बरगलाने का प्रयास करते हैं, जो सरासर ग़लत है।

वैसे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्र निर्माण के लिए किये गये कार्यों की लंबी फेरहिस्त देखें तो उससे यह स्पष्ट होता कि राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक का हमेशा अनमोल योगदान रहा है, उस योगदान की अनदेखी करना देश हित व समाज हित में उचित नहीं है। इसलिए समय रहते हम लोगों को यह समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश का अनुशासित सांस्कृतिक संगठन है, संघ का स्वयंसेवक बिना किसी लोभ-लालच के राष्ट्र व समाज के लिए निस्वार्थ भाव से अपने तन, मन और समय को अर्पित करने का कार्य करता है। एक सच्चे स्वयंसेवक का जीवन केवल निजी उपलब्धियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह अपनी सांसों को भी मातृभूमि की सेवा का साधन बना देता है, वह राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए हर पल तत्पर रहता है। वैसे भी किसी भी ताकतवर राष्ट्र के निर्माण के लिए अनुशासन व नैतिकता बेहद आवश्यक होती है, इन दोनों के बिना किसी भी ताकतवर राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के लिए नैतिकता व अनुशासन सर्वोपरि होता है, इसलिए उसका राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान है।

संघ सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय निर्माण की विचारधारा के दम पर ही दुनिया भर में अपनी विशेष पहचान रखता है। यह देश व दुनिया का एक ऐसा संगठन है जो अपनी विशेष कार्यशैली के दमखम पर दुनिया में सनातन धर्म-संस्कृति के रक्षक तौर पर और एक बहुत बड़े सामाजिक संगठन के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। संघ

अपने निर्माण के सौ वर्षों के लंबे सफ़र के बाद अब अपनी कार्यशैली के बलबूते दुनिया के ताकतवर बड़े गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) में शुमार हो गया, आज भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक फैलें हुए हैं और सबसे अहम बात यह है कि संघ दुनिया भर का एक ऐसा संगठन है, जोकि अपनी स्थापना के सौ वर्षों के बाद भी अपनी विचारधारा व उद्देश्यों से जरा भी नहीं भटका है, आज भी अपनी विचारधारा पर संघ पूरी तरह से कायम है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संगठन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि संघ के राष्ट्र निर्माण व समाज के लिए पूरी तरह से निस्वार्थ भाव से समर्पित स्वयंसेवकों की टोली हमेशा अपना कार्य निस्वार्थ भाव से करना जारी रखती और कभी भी श्रेय लेने तक का भी प्रयास नहीं करती है। हालांकि देश व दुनिया में जब से डिजिटल क्रांति आयी है तब से लोगों को यह पता चलने लगा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने स्थापना काल के दौर से ही राष्ट्र निर्माण, एकता और सांस्कृतिक जागरण के दीप को प्रज्ज्वलित करते हुए समाज को संगठित करने और सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने पर जोर दिया है। देश की आज़ादी के दौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जहां लोगों को राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत करने का कार्य बखूबी किया था, वहीं आजाद भारत में संघ ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के प्रयास करते हुए एकता और आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य करते हुए राष्ट्र व समाज हित में निरंतर कार्य कर रहा है। आज देश के दूरदराज इलाकों तक में भी संघ अपनी 55 हज़ार शाखाओं व करोड़ों स्वयंसेवकों के माध्यम से पहुंच कर जनहित व राष्ट्रहित के कार्यों को निरंतर अंजाम दे रहा है।

राष्ट्र निर्माण के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य की बात करें तो संघ के स्वयंसेवकों ने वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान पाकिस्तान से आए हुए विस्थापितों की सहायता करते हुए, उन लोगों के जान-माल की सुरक्षा करने का कार्य बड़े पैमाने पर किया था।

संघ ने दादरा, नगर हवेली और गोवा के विलय में निर्णायक भूमिका निभाने का कार्य किया था, 2 अगस्त 1954 की सुबह संघ के स्वयंसेवकों ने पुतर्गाल का झंडा उतारकर तिरंगा फहरा कर पुतर्गाल के कब्जे से मुक्त करवाया था। संघ के स्वयंसेवक 1955 से चले गोवा मुक्ति संग्राम में शामिल रहे, उन्होंने गोवा में सशस्त्र हस्तक्षेप करने से तत्कालीन सरकार के द्वारा इनकार करने पर जगन्नाथ राव जोशी के नेतृत्व में गोवा पहुंच कर के आंदोलन शुरू किया था, लेकिन बाद में जब जगन्नाथ राव जोशी सहित संघ के कार्यकर्ताओं को दस वर्ष की सजा हुई तो गोवा के हालत बिगड़ने पर अंततः भारत सरकार के सैनिकों को हस्तक्षेप करना पड़ा था और वर्ष 1961 में संघ की क्रांति के दीप से ही गोवा भी स्वतन्त्र हुआ था।

संघ के स्वयंसेवक अनुशासन व ट्रेनिंग के दम पर ही तो देश में सामाजिक सेवा, आपदा प्रबंधन के कार्य में बढ़-चढ़कर के हिस्सा लेते आये है। भूकंप, बाढ़, अग्निकांड, चक्रवाती तूफ़ान, युद्ध, महामारी (प्लेग? व कोरोना आदि) और अन्य राष्ट्रीय संकटों के समय हमेशा अपनी जान की परवाह किए बिना ही राहत व बचाव के कार्यों में बढ़-चढ़कर के सक्रिय भूमिका निभाते हुए नज़र आते हैं।

विद्या भारती, सेवा भारती जैसे संगठनों के माध्यम से संघ देश में शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में कार्यरत हैं। विद्या भारती जैसे संघ के संगठनों ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य पूरे देश में चला रखा है। देश में हजारों स्कूलों के माध्यम से लाखों छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा निरंतर प्रदान की जा रही है। संघ के द्वारा शिक्षा के माध्यम से नैतिकता, देशभक्ति और सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को युवा पीढ़ी में स्थापित करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। आज देश में 86 प्रांतीय एवं क्षेत्रीय समितियाँ विद्या भारती से संलग्न हैं। जिसके अंतर्गत 30 हज़ार शिक्षण संस्थाओं में 9 लाख शिक्षकों के मार्गदर्शन में 45 लाख छात्र-छात्राएं शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण कर रहे हैं। इनमें से 49 शिक्षक प्रशिक्षक संस्थान एवं महाविद्यालय, 2353 माध्यमिक एवं 923 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 633 पूर्व प्राथमिक एवं 5312 प्राथमिक, 4164 उच्च प्राथमिक एवं 6127 एकल शिक्षक विद्यालय तथा 3679 संस्कार केंद्र हैं। वहीं आज देश के विभिन्न दूरदराज तक के हिस्सों में शिशु वाटिकाएं, शिशु मंदिर, विद्या मंदिर, सरस्वती विद्यालय, उच्चतर शिक्षा संस्थान, शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र और शोध संस्थान हैं। देश में इन सरस्वती मंदिरों की संख्या अब भी निरंतर बढ़ रही है और आज विद्या भारती देश का सबसे बड़ा गैर सरकारी शिक्षा संगठन बन चुका है।

वर्ष 1962 में चीन से हुए युद्ध में भी संघ ने बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन किया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जिससे प्रभावित होकर संघ को वर्ष 1963 के गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने का निमन्त्रण तक दिया था।

संघ देश मे तेजी से चल रहे धर्मांतरण की आंधी को रोकने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है, सामाजिक समरसता और सुधार के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। देश के आदिवासी क्षेत्रों में जिस तरह से तेजी से धर्मांतरण करने का जाल बिछाया गया, संघ के स्वयंसेवकों ने जान की बाजी लगाकर उसको काफी हद तक रोकने का कार्य किया है।

जातिवाद, वैचारिक विरोधी और संघ

(उमेश चतुर्वेदी)

संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतररजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या संघ के स्वयंसेवकों की होगी।

यह संयोग ही है कि ठीक सौ साल पहले 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई, ठीक उसके कुछ ही महीने बाद छब्बीस दिसंबर 1925 को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई। सौ साल की यात्रा को जब पीछे मुड़कर देखते हैं तो पता चलता है कि जोर-शोर से शुरू हुआ भारतीय कम्युनिस्ट आंदोलन भारत भूमि पर दम तोड़ता नजर आ रहा है, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा लगातार आगे बढ़ रही है। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक मोर्चे पर संघ की वैचारिकी की प्रगति यात्रा जारी है।

एक ही वक्त पर शुरू दोनों वैचारिकी में एक विशेष अंतर रहा। वाम आंदोलन के निशाने पर सदा संघ की विचारधारा और संगठन रहा। संघ के खिलाफ कभी सत्ता के सहयोग से तो कभी किसी और तरीके दुष्प्रचार खूब फैलाया गया। उसी में एक विचार ऐसा है कि संघ मुसलमानों के खिलाफ है। वैचारिक और सामाजिक मोर्चे पर यह भी स्थापित करने की कोशिश की गई कि संघ भारतभूमि से मुस्लिम धर्म का समूल खात्मा चाहता है। लेकिन हकीकत कुछ और है। संघ की प्रतिनिधि सभा के सदस्य और वरिष्ठ कार्यकर्ता इंद्रेश कुमार जी के संयोजन में साल 2002 से 'राष्ट्रीय मुस्लिम मंच' नाम का संगठन काम कर रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य इस्लाम मानने वाले भारतीय लोगों के बीच 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के संदर्भ में भारतीय राष्ट्रीयता के विचार को बढ़ावा देना है। संघ का कोई घोषित या अघोषित उद्देश्य नहीं है कि भारत भूमि मुस्लिम लोगों से मुक्त हो। संघ का प्रयास है कि भारत के मुसलमानों को लेकर स्थापित छवि बदले और राष्ट्र निर्माण में भी उनकी भूमिका हो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर 'गुरू' जी रचित किताब 'ब्रंच ऑफ थॉट' का हवाला देकर अक्सर संघ को मुस्लिम विरोधी और सांप्रदायिक होने का प्रयास किया जाता है। वामपंथी विचारधारा के बुद्धिजीवियों को जब भी संघ पर हमला करना होता है, 1966 में प्रकाशित इसी किताब का वे हवाला देते हैं। संघ के मौजूदा सरसंघचालक मोहन राव भागवत जी इस बारे में अपनी राय खुलकर जाहिर कर चुके हैं। सात साल पहले सितंबर 2018 में दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई तीन दिनों की विशेष व्याख्यान माला के आखिरी दिन 20 सितंबर को संघ प्रमुख ने श्रोताओं से आमंत्रित प्रश्नों का जवाब दिया था। उसमें 'ब्रंच ऑफ थॉट' को लेकर भी एक प्रश्न पूछा गया था। उस प्रश्न के जवाब में मोहन राव भागवत ने कहा था, 'रही बात, 'बंच ऑफ थॉट्स' की, तो बातें जो बोली जाती हैं वे परिस्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संदर्भ में बोली जाती हैं।

10 साल में जो नहीं हुआ नवरात्र में हो गया...

ये रिकॉर्ड कैसा ? दिवाली के लिए माहौल सेट, ट्रंप देखकर रो देंगे

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने पिछले साल के मुकाबले अपनी बिक्री में 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी। कंपनी एक्सयूवी 700 और स्कारपियों एन जैसी लोकप्रिय एसयूवी बेचती है। हुंडई में क्रेटा और वेन?यू जैसे मॉडलों की मांग बहुत बढ़ गई। इससे कुल बिक्री में एसयूवीएस का हिस्सा 72 प्रतिशत से ज्यादा हो गया। दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के शोरूम में इस नवरात्र में ग्राहकों की संख्या दोगुनी हो गई। खासकर आम लोगों के लिए इस्तेमाल होने वाले वाहनों की मांग बहुत ज्यादा रही। टाटा मोटर्स ने त्योहारों के दौरान 50,000 से ज्यादा गाड़ियां बेचीं। इनमें अल?ट्रोज, पंच, नेक?सॉन और टियागो जैसे मॉडलों की मांग खूब रही। बजाज ऑटो ने भी नवरात्र के दौरान अच्छी बिक्री दर्ज की।

(अमित शुक्ला)

भारत में हाल ही में हुई नवरात्र की बिक्री ने जबरदस्त माहौल बना दिया है। पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय में इस बार बिक्री सबसे मजबूत रही है। ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने इस दौरान डबल डिजिट में ग्रोथ दर्ज की। उद्योग के अधिकारियों ने इस बढ़ती मांग का श्रेय मोदी सरकार के जीएसटी सुधारों को दिया। इन सुधारों ने टैक्स दरों को कम किया। इससे कीमतें घटीं। लोगों की मनपसंद वस्तुओं तक पहुंच बढ़ी। इस कारण उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ा। उन्होंने ज्यादा खर्च किया। यह त्योहारी सीजन के पहले हिस्से में बड़ी सफलता है। दिवाली के लिए इससे मजबूत रफ्तार का संकेत मिलता है। ये आंकड़े ऐसे समय आए हैं जब अमेर?की राष्ट्रपत? डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। कुछ द?न पहले उन्होंने भारत को 'डेड इकॉनमी' कहा था।

त्योहारी खरीदारी में सभी श्रेणियों में भारी उछाल आया। इसमें कार और दोपहिया वाहन शामिल थे। बड़े स्क्रीन वाले टेलीविजन और स्मार्टफोन की बिक्री भी खूब बढ़ी। इस तरह नवरात्र हाल के वर्षों में सबसे ज?यादा मुनाफे वाली बिक्री अवधियों में से एक बन गई।

जीएसटी सुधार ने कर दिया कमाल- उद्योग जगत के लोगों ने इस बढ़ती मांग का मुख्य कारण मोदी सरकार के नेक?स?ट जेनरेशन जीएसटी सुधारों को बताया। इन सुधारों ने टैक?स दरों को कम किया। इससे उत्पादों की कीमतें घटीं। साथ ही, लोगों की मनपसंद वस्तुओं तक पहुंच भी बढ़ी।

विश्लेषकों के अनुसार, जीएसटी स्लैब के युक्तिकरण और टैक?स बोझ में कमी ने उपभोक्ता विश्वास को बढ़ाया है। इससे लोगों ने अपनी पसंद की चीजों पर ज?यादा खर्च किया। कुल मिलाकर, खुदरा विक्रेताओं और निर्माताओं ने पिछले साल की तुलना में 25त्न से 100 प्रतिशत तक की बिक्री ग्रोथ दर्ज की।

ऑटो सेक?टर में मारुति ने गाड़ द?या झंडा ऑटोमोबाइल क्षेत्र में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने सबसे आगे बढ़कर प्रदर्शन किया। इस नवरात्र में उसने अपनी बिक्री में 100 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी। यह पिछले साल के मुकाबले दोगुनी थी। पिछले कम से कम दस सालों में सबसे अच्छी बिक्री रही। मारुति सुजुकी ने बताया कि उन्हें 3.5 लाख बुकिंग मिली हैं। इनमें से लगभग 2.5 लाख बुकिंग अभी बाकी हैं। कंपनी को भरोसा है कि इस नवरात्र के आखिर तक वह 2 लाख गाड़ियों की डिलीवरी कर देगी। पिछले साल नवरात्र में कंपनी ने 85,000 गाड़ियां बेची थीं। मारुति सुजुकी ने नवरात्र के पहले 8 दिनों में ही 1.65 लाख गाड़ियों की बड़ी खेप डिलीवर की। नवरात्र के पहले दिन मारुति ने रिकॉर्ड 30,000 कारें डिलीवर कीं। यह पिछले 35 सालों में उसका एक दिन का सबसे अच्छा प्रदर्शन था।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने पिछले साल के मुकाबले अपनी बिक्री में 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी। कंपनी एक्सयूवी 700 और स्कारपियों एन जैसी लोकप्रिय एसयूवी बेचती है। हुंडई में क्रेटा और वेन?यू जैसे मॉडलों की मांग बहुत बढ़ गई। इससे कुल बिक्री में एसयूवीएस का हिस्सा 72 प्रतिशत से ज्यादा हो गया। दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के शोरूम में इस नवरात्र में ग्राहकों की संख्या दोगुनी हो गई। खासकर आम लोगों के लिए इस्तेमाल होने वाले वाहनों की मांग बहुत ज्यादा रही। टाटा मोटर्स ने त्योहारों के दौरान 50,000 से ज्यादा गाड़ियां बेचीं। इनमें अल?ट्रोज, पंच, नेक?सॉन और टियागो जैसे मॉडलों की मांग खूब रही। बजाज ऑटो ने भी नवरात्र के दौरान अच्छी बिक्री दर्ज की।

इलेक?ट्रॉन?क?स गुड्स की भी जोरदार बिक्री- कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में भी जबरदस्त उछाल देखने को मिला। एलजी, हायर और गोदरेज अप?लायंसेज जैसी कंपनियों ने इस नवरात्र में पिछले साल के मुकाबले अपनी बिक्री में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की। हायर की बिक्री 85 प्रतिशत बढ़ गई। कंपनी ने 2.5 लाख रुपये से ज्यादा कीमत वाले 85-इंच और 100-इंच के अपने दिवाली स्टॉक को लगभग पूरा बेच दिया। कंपनी ने इस दौरान रोजाना 300 से 350 यूनिट 65-इंच के टीवी भी बेचे।

फिर शुरू हुई बोट एंबुलेंस सेवा

▸ यह सुविधा घर वापसी तक होगी बिल्कुल निःशुल्क

▸ ईंधन व चालक सहित सभी खर्च आयुष्मान फंड से

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। जिला मुख्यालय में गंगा घाट पर लगी एक बोट एंबुलेंस को हल्की मरम्मत कराने के बाद एक अक्टूबर से फिर से चालू कर दिया गया है। सीएस डॉ. रामदेव पासवान व डॉ. मुकेश कुमार ने बिजली घाट पर लगी बोट एंबुलेंस का ट्रायल किया। गंगा के बीच नदी में जाकर जांचा व परखा और सही पाया। गंगा पार प्रसूति महिला, मूर्छित व सांप से कटा हुआ मरीज को लाने की अनुमति बोट चालक को दे दी है।

बाढ़ घटने तक रात्रि सेवा बंद रहेगी। बाद में रात्रि सेवा भी चालू कर दी जाएगी। सुबह से शाम पांच बजे तक फिलहाल लोगो के सेवा दी जा रही है। सीएस ने बताया कि दो बोट एंबुलेंस की खरीदारी हुई थी। कुछ वजहों से सेवा बंद कर दी गई थी। राजमहल में भी बोट को देखा जाएगा और उसे मरम्मत कराकर अनुमंडल में भी चालू कराया जाएगा।

फिलहाल एक को चालू कर दिया गया है। इस बोट में लगे इंधन, ड्राइवर सहित तमाम खर्चा का वहन आयुष्मान योजना फंड से की जाएगी। उन्होंने कहा कि मरीज के स्वजन डीएस डॉ. देवेश कुमार का मोबाइल नंबर 7903744978, 9199867299, डॉ. महमूद आलम 7870276430, सीएस डॉ. रामदेव पासवान 9661167879 के नंबर पर कॉल करे।

कॉल करने के बाद बोट एंबुलेंस को गंगा घाट भेज दी जाएगी, साथ ही मरीज इस पार आने के बाद सड़क पर लगे एंबुलेंस 108 या अस्पताल की एंबुलेंस खड़ी रहेगी। यहां से जिला सदर अस्पताल तक पहुंचा दी जाएगी। फिर वापसी में अस्पताल का डिस्चार्ज पर्ची दिखाने पर पुनः इसी तरह सुविधा दी जाएगी। यह सुविधा बिल्कुल निःशुल्क है।

गौरतलब है कि 2023 में तत्कालीन डीसी राम निवास यादव के कार्यकाल में डीएमएफटी फंड से करीब 64 लाख की लागत से दो बोट एंबुलेंस की खरीदारी की गई थी। एक साहिबगंज तो दूसरा राजमहल अनुमंडल भेजा गया था ताकि 83 किमी तक बहने वाली गंगा को दोनों बोट एंबुलेंस कवर कर सके। प्रति बोट एंबुलेंस की कीमत 29 लाख 17200 रुपया थी।

छह माह किसी तरह चलाया गया उसके बाद आपूर्तिकर्ता को आर्थिक व जिला प्रशासन का सहयोग शर्त के अनुसार नहीं मिलने से बंद कर दिया गया था।

उस दौरान दोनों एंबुलेंस से 64 मरीज को भी सेवा नहीं मिल पाया था। तब से दोनों एंबुलेंस घाट पर लगा दिया गया।

जिला मुख्यालय में यह एंबुलेंस कुछ ठीक रहा लेकिन राजमहल अनुमंडल में गंगा घाट पर लगी एंबुलेंस बाढ़ में डूब गई। देखरेख के अभाव में एसी, बोट का मोटर चोरी कर लिया गया है। अभी वो बोट पानी में डूबा हुआ है। बोट की खरीदारी करने वाले आपूर्तिकर्ता का अभी भी 20 लाख बकाया फंसा हुआ है।

45 बोरा पोषाहार चावल की चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बेंगाबाद प्रखंड परिसर स्थित आंगनबाड़ी के गोदाम से शुक्रवार की रात अज्ञात बदमाशों ने ताला तोड़कर 45 बोरा पोषाहार चावल चुरा लिया। शनिवार सुबह घटना की जानकारी विभागीय कर्मियों को हुई, जिसके बाद बेंगाबाद पुलिस को लिखित आवेदन देकर सूचना दी गई।बताया गया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को वितरण के लिए रखा गया चावल गोदाम में जमा था। देर रात बदमाशों ने गोदाम का ताला तोड़कर चावल चोरी कर लिया। इससे पहले भी इसी गोदाम से चावल चोरी की घटना हो चुकी है। यह दूसरी बार है जब बदमाशों ने पोषाहार चावल पर हाथ साफ किया है सुरक्षा की दृष्टि से प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में होमगार्ड जवान की तैनाती की गई है, इसके बावजूद गोदाम से चावल चोरी होने पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। इधर, सूचना मिलते ही बेंगाबाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और चोरों का सुराग लगाने की कोशिश की जा रही है।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल योद्धा टीम के सदस्यों ने आज गिरिडीह ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर में सीआरपीएफ, बीएसएफ या अन्य सैन्य संस्थाओं में सेवारत व रिटायर्ड 14 जवानों ने रक्तदान किया। इसमें दुर्गा पूजा की छुट्टी में घर आये कई जवानों ने भी रक्तदान किया। संस्था के सचिव जवान प्रयाग मंडल ने बताया कि गिरिडीह जिले से जो भी जवान किसी भी केंद्रीय पुलिस बल में कार्यरत है या रिटायर्ड हैं, उन्हें साथ लेकर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल योद्धा टीम का गठन किया गया है। संस्था की ओर से समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया जाता है, ताकि जरूरतमंदों की मदद हो सके आज भी 14 जवानों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर रेड क्रॉस के चेयरमेन सह ब्लड बैंक के सचिव अरविंद कुमार ने स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के लिए संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जवानों के इस जज्बे का असर अन्य रक्तदाताओं पर भी पड़ेगा और लोग स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आएंगे।

मौके पर डॉ शोहेल अख्तर, राहुल कुमार, सीताराम वर्मा, सुनील कुमार वर्मा, नरेश कुमार, रोहित कुमार, उमेश कुमार, राजकुमार वर्मा, बिट्टू कुमार, मनोज सोरेन, उदय कुमार, शशीभूषण वर्मा, चंद्रदेव वर्मा, मनीष कुमार वर्मा समेत कई जवान मौजूद थे।

मवेशी चोरी करने आये चोरों को ग्रामीणों ने बांधकर धुना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पीरटांड़ थाना क्षेत्र के हरलाडीह गांव में ग्रामीणों ने मवेशी चोरी करते हुए दो युवकों को रंगे हाथों धर दबोचा। दोनों युवक एक चार पहिया वाहन से मवेशी चोरी करने की कोशिश कर रहे थे। ग्रामीणों को इसकी भनक लग गई। ग्रामीणों ने दोनों युवकों को पकड़ लियाऔर रस्सी से हाथ बांधकर उनकी जमकर पिटाई कर दी।

ग्रामीणों ने चोरी में इस्तेमाल किए जा रहे वाहन को भी अपने कब्जे में ले लिया। इधर शनिवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही पीरटांड़ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची।

ग्रामीणों के चंगुल से दोनों युवकों को छुड़ाकर हिरासत में ले लिया। पुलिस ने चार पहिया वाहन को भी जब्त कर लिया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इस घटना के बाद से क्षेत्र के ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। साथ ही वे सतर्कता भी बरत रहे हैं। लोगो का कहना है कि चोरों पर कड़ी से कड़ी करवाई होनी चाहिए। पुलिस ने ग्रामीणों को दोनों युवकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है।

झरिया टीओपी में घंटों चला हाई वोल्टेज ड्रामा

गुस्साये लोगों ने आरक्षी को किया जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

झरिया। झरिया बास्ताकोला में शनिवार को प्रेम प्रसंग मामले को लेकर दो गुटों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद हिंसक झड़प में तब्दील हो गया।

मामला बिगड़ता देख स्थानीय लोगों ने झरिया पुलिस को घटना की जानकारी दी।

झरिया थाना के बस्ताकोला टीओपी से पहुंचे आरक्षी ललित कुमार ने नितेश पंडित को हिरासत में ले लिया।

दिनेश को हिरासत में लेते ही लोग अक्रोशित हो गए। अक्रोशित लोगों ने झरिया टीओपी पहुंच जमकर हंगामा किया। इस दौरान लोगों ने आरक्षी ललित की जमकर पिटाई कर टीओपी में तोड़फोड़ की।

उपद्रवियों द्वारा टीओपी में की गई मारपीट और तोड़फोड़ मामले की जानकारी मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचते ही सभी उपद्रवी मौके से भाग खड़े हुए। जख्मी आरक्षी ललित को इलाज के लिए धनबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव व्याप्त है। घटना को लेकर झरिया पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। वही हमलावरों की पहचान के लिए पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरा खंगालने में जुटी है।

मध्य प्रदेश की घटना को ले एडवायरी जारी

धनबाद। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश के बाद छोटे बच्चों को कफ सिरप देने को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के निर्देश के बाद अब धनबाद में भी इसकी तैयारी की जा रही है। दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप नहीं देने की सलाह चिकित्सक देंगे। दरअसल, मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप की घटना को लेकर यह एडवाइजरी जारी की गई है। हालांकि इसे लेकर कोई डरने की जरूरत नहीं है। लेकिन सतर्कता के तौर पर जिले में भी इसकी तैयारी हो रही है। जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ रोहित गौतम ने बताया कि केंद्र के निर्देश के बाद सभी जगह सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने बताया कि सामान्य तौर पर 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खांसी की सिरप नहीं दी जाती है। अधिकांश मामले में छोटे बच्चों को होने वाली खांसी खुद ठीक हो जाती है। स्वास्थ्य विभाग आंकड़ों की मानें तो धनबाद में शून्य से ले 2 वर्ष के बीच 1.50 लाख बच्चे हैं। नियमित टीकाकरण के तहत इन बच्चों को जोड़ा जा रहा है।

गांधी शताब्दी समारोह को ले विद्यालय का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। खरगडीहा स्थित बेसिक स्कूल में 6 अक्टूबर को गांधी शताब्दी समारोह आयोजित को लेकर जमुआ बीडीओ व स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने स्थल का मुयायना किया।

विद्यालय प्रांगण की साफ सफाई और प्रांगण में सुंदरता को लेकर को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बतादें गांधी शताब्दी कार्यक्रम का आयोजन के बतौर मुख्य अतिथि झारखण्ड सरकार के मंत्री सह गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू होंगें। इधर खरगडीहा में सौ वर्ष पूर्व महात्मा गांधी पधारे थे उसी को यादगार बनाने को लेकर खरगडीहा निवासी कार्यक्रम का रूप रेखा तैयार किया है। इस दौरान जमुआ बीडीओ अमल, 20 सूत्री अध्यक्ष जुनैद आलम , प्रो प्रफुल्ल सिंह,राजद के ललन यादव , जिला परिषद सदस्य मन्नूवर हसन बंटी , कार्यक्रम के संयोजक सुंदरमणि राम, चीना खान, अनिल चौधरी, सहित कई लोग शामिल थे।

इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह ने लगाई सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह द्वारा जिला अध्यक्षा के आधिकारिक दौरे के अवसर पर जिला अध्यक्षा रश्मि गुप्ता की उपस्थिति में विभिन्न परियोजनाएं कार्यान्वित की गयी। एचइ हाई स्कूल में छात्राओं की सुविधा हेतु सेनिटेरी पैड वेंडिंग मशीन प्रदान करने के साथ ही छात्राओं के मध्य मासिक धर्म सम्बधित जागरूकता वार्ता की गयी। वहीँ पर नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता पर वार्ता की गयी। नशा मुक्ति के उन्मूलन पर एक बैनर लगाया गया।

व्यस्ततम बोरो पचम्बा रोड स्थित आई एसओ नौशाबा अहमद के निवास स्थान के सामने शिक्षा सम्बंधित होर्डिंग का अनावरण किया गया।

उपस्थित लोगों के बीच तथा आद्या पुस्तकालय के सामने इनर व्हील लोगो छपे हुए लगभग 50-60 टोट बैग्स वितरित किये गए। मिशनरीज ऑफ चैरिटी के प्रेमदान केंद्र में रह रहे 35 निवासियों की सुविधा हेतु व्हील चेयर प्रदान की गयी। खाद्य सामग्री जैसे आटा, चावल, दाल, तेल, चीनी, सूजी, चूड़ा, सोयाबीन, आलू, प्याज दी गयी। शिशु भवन के बच्चों के लिए सेरेलक,बिस्कुट एवं लेक्टजेन दूध के डिब्बे दिए गए।

ग्रामीणों के विरोध से मंत्रियों का दौरा स्थगित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड का एशिया का प्रसिद्ध सारंडा जंगल इन दिनों सरकार और ग्रामीणों के बीच संघर्ष का केंद्र बन गया है। सरकार की ओर से इसे वन्यजीव अभयारण्य घोषित करने की पहल जारी है, लेकिन ग्रामीणों के तीखे विरोध ने इस प्रक्रिया को संकट में डाल दिया है। इसी विरोध के कारण शनिवार को प्रस्तावित ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स का नंदपुर दौरा स्थगित करना पड़ा। करीब 75 हजार आदिवासी और अन्य ग्रामीण सारंडा जंगल और उसके आसपास रहते हैं। उनकी आजीविका मुख्य रूप से जंगल आधारित संसाधनों लकड़ी, पत्ते, चारा, शिकार, लघु वनोपज और खेती-किसानी पर निर्भर है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जंगल को अभयारण्य घोषित कर दिया गया तो न केवल उनकी रोजी-रोटी पर संकट आएगा बल्कि उन्हें अपने पैतृक भूमि से विस्थापन का भी सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों का साफ कहना है, जंगल है तो हम हैं। अगर जंगल नहीं रहेगा तो हम भी नहीं रहेंगे।

सारंडा जंगल को लेकर यह पहल सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हो रही है। अदालत ने सरकार से कहा है कि वह यहां वन्यजीव संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए और इस सिलसिले में सभी वर्गों से राय भी ली जाए। इसी आदेश के तहत सरकार ने पांच सदस्यीय ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स का गठन किया है। इस ग्रुप की अध्यक्षता वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर कर रहे हैं। अन्य मंत्रियों में दीपिका सिंह पांडेय, संजय प्रसाद यादव, सुदिव्य कुमार सोनू और दीपक बीरूआ शामिल हैं। अब तक टीम दो इलाकों का दौरा कर चुकी है और 4 अक्टूबर को नंदपुर में आमसभा करने का कार्यक्रम तय था। लेकिन ग्रामीणों के विरोध के कारण यह दौरा स्थगित कर दिया गया।

गौरतलब है कि 30 सितंबर को भी जब मंत्रियों की टीम सारंडा पहुंची थी, उस समय ग्रामीणों ने जोरदार विरोध किया था।

संसाधनों की कमी से जूझ रहे जिले के सरकारी महकमे : राजेश सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सुधारने के लिए लाल झंडा ही आखिरी ऑप्शन है बाकी कोई भी सरकार हो 2000 से आप झारखंड को देख रहे है कितना विकास हुआ और कितना लुट हुआ। बिजली विभाग ने संसाधन की कमी है,पूरे जिले में एक जगह पुराना ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग होता है जबकि सभी विधानसभा में एक एक होना चाहिए। सभी विधानसभा में सैकड़ों की संख्या में नए ट्रांसफार्मर की जरूरत है,तार झूला हुआ है,विभाग को संसाधन नहीं है,नए वेकेंसी की जरूरत है,साथ ही साथ सरकारी विभाग वाला नंबर अफसर और कर्मी को उठाने की भी जरूरत है 50% अफसर और कर्मी फोन उठाना जरूरी नहीं समझते है,सरकार किसी का भी रहे बिजली विभाग,पेयजल विभाग,को बहुत ध्यान देने की जरूर है,बिजली मीटर रीडिंग वाले रेगुलर नहीं आते है,उनको समय पर पैसा नहीं दिया जाता है,चार पांच महीने के बाद मिलता है उसमें भी कटौती किया जाता है। सिस्टम में बहुत दोष है,सरकार संसाधन दे,वेकेंसी निकाले और अफसर फोन उठाए जनता को सेवा दें बात व्यवहार बेहतर करें भाकपा माले मांग करता है। दूसरा नगरनिगम में सफाई कर्मी में भारी कमी है,पहले जब नगरपालिका था तो लगभग पांच सौ सफाई कर्मी थे,जिसने लगभग 80 महिला कर्मी थी, परमानेंट 200 कर्मी थे अब आठ कर्मी भी परमानेंट नहीं है,36 वार्ड में दो दो कर्मी कहा से कर पाएंगे सफाई,सफाई कर्मी पर बहुत दबाव रहता है, अफसर को संसाधन की कमी है यदि है तो 50% अफसर इसपर ध्यान नहीं देते है,सरकारी कार्यों में व्यस्थ रहते है वही सफाई कर्मी को समय पर मानदेय नहीं मिलता है,सफाई कर्मी पर एक तरह से आर्थिक अत्याचार होता है,सभी सफाई कर्मी को परमानेंट करने की जरूरत है पेयजल कर्मी को मानदेह समय पर नहीं दिया जाता है,फिल्टर पानी नहीं मिल पाता है,सुबह शाम नल में पानी देने की बात है पर एक समय भी मुश्किल से नहीं मिल पाता है।

श्री सिन्हा ने कहा कि मत्स्य विभाग,कृषि विभाग,कल्याण विभाग,ब्लॉक,जिला परिषद सभी जगह जनता का कार्य कम होता है वेंडर को कैसे खुश रखा जाय। वेंडर कैसे सेटिंग वाले को खुश रखे इसपर ही परेशान रहते है। कर्मी और अफसर,ऐसे दर्जनों विभाग है जहां सिर्फ डेटा पर कार्य होता है,सभी को चिन्हित करने की जरूरत है गिरिडीह उपायुक्त अभी बेहतर तरीके से सभी विभाग के कार्यों को संज्ञान में ले रहे है,लेकिन संसाधन की कमी और कर्मी की कमी का सॉल्यूशन सरकार करेगी जो 2000 से ही फैल है सरकार को सिर्फ सत्ता का ख्याल रहता है चाहे बीजेपी सरकार रही चाहे झारखंड मूर्ति मोर्चा की या दोनों की सुविधा के नाम पर क्या है आम जनता जानती है,फिर भी वोट जनता उनको ही देती है।

ऑल ड्राईवर संघ ने अपनी मांगों के समर्थन में निकाली रैली

हटिया मैदान में की सभा, रखी अपनी मांगें

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ऑल इंडिया ड्राईवर कल्याण संघ के बैनर तले चालकों ने रैली निकालीद्ध रैली गांवॉ थाना मोड़ होते हुए रैली का समापन गांवॉ हटिया मैदान में किया गया। वहीं हटिया मैदान में एक सभा की गई जिसमें सभी ड्राईवर लोगों को जागरुक करते हुए ऑल ड्राईवर संघ ने जुड़ने का आह्वान किया गया। मंच का संचालन करते हुए ऑल ड्राईवर संघ के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष दिलीप यादव ने कहा कि इस संघ से सभी ड्राईवर भाई जुड़े इस संघ से जुड़ने से ड्राईवर संगठन मजबूत होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अवतार सिंह ने कहा कि इस संगठन से जुड़ने से ड्राईवर भाइयों का मनोबल बढ़ेगा साथ ही हम सभी एक दूसरे के साथ मिलकर एक दूसरे के सुख-दुख में भागीदारी निभाएंगे क्योंकि आए दिन कहीं भी कोई दुर्घटना होती है तो ड्राईवर भाइयों के साथ मारपीट की घटना की जाती है ड्राईवर भाइयों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है जो निंदनीय है।

कहा गया कि ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार से लेकर केंद्र सरकार से ड्राईवर कल्याण के लिए 29 माँग की है जिसमें ड्राईवर और उनके परिवार की सुरक्षा अहम है। साथ ही कहा कि बिना बैच के गाड़ी ना चलाएं और बैच मिलने के बाद या इस संघ से जुड़ने के बाद अपने आप को सर्वस्व ना समझे प्रशासन का सहयोग लें प्रशासन का साथ दे तभी हमारा संगठन मजबूत होगा। मौके पर झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अवतार सिंह गिरिडीह जिला अध्यक्ष जाहिद अंसारी झारखंड प्रदेश सचिव दिलीप यादव प्रखंड अध्यक्ष अनिल यादव, उपाध्यक्ष कैलाश यादव, शैलेन्द्र कुमार, सहित सैकड़ों की संख्या में ड्राईवर लोग मौजूद थे।

17 अक्टूबर को रांची के प्रभात तारा मैदान में कुरमी समुदाय फिर भरेगा हुंकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में कुरमी समुदाय को आदिवासी सूची में शामिल करने की मांग को लेकर गहराता विवाद अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। इसके विरोध में राज्यभर के आदिवासी संगठनों ने 17 अक्तूबर को राजधानी रांची के प्रभात तारा मैदान में आदिवासी हुंकार महारैली आयोजित करने का एलान किया है। इस महारैली में लाखों की संख्या में आदिवासियों के जुटने की संभावना है। शनिवार को सिरम टोली सरना स्थल पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव, केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा और पूर्व मंत्री देवकुमार धान समेत कई आदिवासी नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन आदिवासियों के अस्तित्व और अधिकारों की रक्षा की लड़ाई है। गीताश्री उरांव ने कहा कि कुरमी समाज आदिवासियों के संवैधानिक हक, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, आरक्षण, जमीन और गौरवशाली इतिहास पर कब्जा करने की साजिश रच रहा है। कल तक हमें असभ्य और जाहिल कहने वाले आज खुद को आदिवासी साबित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। लेकिन सभी ऐतिहासिक प्रमाण, मानवशास्त्रीय अध्ययन, डीएनए शोध और लोकुर कमेटी की रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि कुरमी जाति आदिवासी/अनुसूचित जनजाति नहीं है।

नेताओं ने आरोप लगाया कि कुरमी समाज अपने आपको आदिवासी दिखाने के लिए ऐतिहासिक विद्रोहों में झूठे तरीके से अपने नेताओं को जोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि चुआड़ विद्रोह में रघुनाथ महतो, कोल विद्रोह में बुली महतो और संथाल विद्रोह में चान्कू महतो जैसे नामों को जबरन आदिवासी इतिहास में घुसाया जा रहा है, जबकि यह ऐतिहासिक सच्चाई के साथ छल है।

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि 17 अक्तूबर की रैली आदिवासी समाज की एकता और ताकत का प्रदर्शन होगी। उन्होंने मांग की कि एसटी आरक्षण की पात्रता की जांच के लिए स्वतंत्र समिति गठित की जाए ताकि कोई भी समुदाय फर्जी इतिहास गढ़कर आदिवासी अधिकारों पर अतिक्रमण न कर सके। आदिवासी संगठनों ने स्पष्ट कर दिया है कि कुरमी को आदिवासी सूची में शामिल करने का हर प्रयास आदिवासी समाज को हाशिए पर डालने की साजिश है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 17 अक्टूबर को रांची में होने वाली यह हुंकार महारैली आदिवासी एकजुटता और अस्तित्व की बड़ी परीक्षा मानी जा रही है।

चाकू से घायल की मौत

गम्हरिया(सरायकेला)। आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गम्हरिया के आदर्शनगर में बीते गुरुवार की रात बिहार के नालंदा से अपनी बहन के घर आए भाई को बहन के ससुर ने चाकू मारकर घायल कर दिया गया। आनन फानन में उसे इलाज के लिए परिजनों द्वारा टीएमएच ले जाया गया जहां इलाज के दौरान बीते शुक्रवार की रात उसकी मौत हो गई। शनिवार को इसकी सूचना प्राप्त होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक पुटुस कुमार (34) अपनी बहन रिशू कुमारी से मिलने गम्हरिया के आदर्शनगर स्थित उसके ससुराल आया था। बताया जाता है कि पहले वह गम्हरिया में ही रह रहे अपने बड़े भाई के गृह प्रवेश में आया था। उसके बाद रात्रि करीब 9 बजे वह अपनी बहन रिशू से मिलने उसके घर पर गया।

फिनफ्लूएंसर्स पर भरोसा जताते हैं 93 फीसदी निवेशक

मुंबई, एजेंसी। निवेश करने के तमाम विकल्पों और सलाह देने वाले प्लेटफॉर्मों की भरमार के बावजूद 93 फीसदी निवेशक फिनफ्लूएंसर्स यानी वित्तीय राय देने वाले इन्फ्लूएंसर्स को विश्वसनीय मानते हैं। सात फीसदी ऐसे हैं जो बिल्कुल विश्वसनीय नहीं मानते हैं। सेबी के सर्वे में पता चलता है कि डिजिटल सहकर्मी समूह प्रतिभूति बाजार में उत्पादों की जानकारी वाले शीर्ष साधन बने हुए हैं। सर्वे में कहा गया है कि 62 फीसदी निवेशक कुछ या अधिकांश निवेश का निर्णय फिनफ्लूएंसर्स की सिफारिशों के आधार पर लेते हैं। फिनफ्लूएंसर्स को फॉलो करने के लिए सबसे ज्यादा 91 फीसदी निवेशक यूट्यूब का उपयोग करते हैं। 64 फीसदी इंस्टाग्राम का 61 फीसदी फेसबुक पर जाते हैं। 11 फीसदी ट्विटर व केवल चार फीसदी लिंक्डइन पर जाते हैं। प्रतिभूतियों के लिए जानकारी जुटाने के निवेशकों के सामान्य साधन में 59 फीसदी दोस्त, परिवार व सहकर्मी का योगदान होता है। सोशल मीडिया का योगदान 56 फीसदी होता है। ऑनलाइन निवेश के साधन जैसे टेलीग्राम, फेसबुक और रेडिट का 34 फीसदी निवेशक उपयोग करते हैं। जो लोग निवेश करना चाहते हैं वे प्रतिभूति बाजार के उत्पाद जटिलता और जोखिम एवं रिटर्न की चिंता से भरे हैं। इनकी मुख्य चिंताओं में नुकसान का डर, सीमित ज्ञान और पहुंच के साथ वित्तीय संस्थानों में कम विश्वास शामिल हैं। जो निवेश करने की इच्छा रखते हैं उनमें बाजार के जोखिमों के कारण पैसा खोने का डर है, खासकर स्टॉक में। जोखिमों के कारण 79 फीसदी को लगता है कि पैसा चला जाएगा। 67 फीसदी रिटर्न व प्रदर्शन की अनिश्चितता को लेकर चिंतित होते हैं।

जर्मनी के सेंट्रल बैंक के पास सबसे ज्यादा गोल्ड

होल्डिंग्स के साथ अमेरिका टॉप पर रहा

मुंबई, एजेंसी। सोने की कीमतों में इस साल तेज उछाल आया है। साल 2025 में अब तक गोल्ड प्राइसेज करीब 48 पर्सेंट तक बढ़े हैं। ग्लोबल मार्केट में सोने की कीमतें 3896 डॉलर के लेवल तक जा पहुंचीं। दुनिया भर के सेंट्रल बैंकों की तरफ से की जाने वाली खरीद, भूराजनीतिक चिंताओं और टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितताओं से सोने के दाम को रफ्तार मिली है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक सेफ्टी, लिक्विडिटी और रिटर्न की वजह से गोल्ड सेंट्रल बैंक रिजर्व्स का अहम हिस्सा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई 2025 में दुनिया भर के सेंट्रल बैंकों की ऑफिशियल गोल्ड होल्डिंग्स 36,359 टन रही। देशों की लिस्ट (अगस्त 2025 में) में अमेरिका टॉप पर रहा। अमेरिका के पास 8133.5 टन सोना है। वहीं, दूसरे नंबर पर जर्मनी है। जर्मनी के सेंट्रल बैंक का गोल्ड रिजर्व 3350.3 टन का है। आईएमएफ की गोल्ड होल्डिंग 2814 टन, इटली की 2451.8 टन और फ्रांस की होल्डिंग 2437 टन रही। यह बात बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट में कही गई है। भारत लिस्ट में नौवें नंबर पर रहा। अगस्त 2025 में इसका गोल्ड रिजर्व 888 टन रहा। वहीं, जापान 846 टन के गोल्ड रिजर्व के साथ 10वें नंबर पर रहा। यह बात वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने अपने एक नोट में कही है।

किसकी जेब में जा रहा जीएसटी फायदे का कट, डिस्ट्रीब्यूटर्स का तर्क

कंपनियों या डिस्ट्रीब्यूटर्स में मचा है घमासान!

नई दिल्ली, एजेंसी।
सरकार का दावा है कि हाल में किए गए जीएसटी सुधारों से करीब 400 आइटम्स की कीमतें कम हो गई हैं। लेकिन ग्राहकों का कहना है कि उन्हें इसका फायदा नहीं मिल रहा है। खासकर एफएमसीजी उत्पादों में जीएसटी कटौती का फायदा ग्राहकों तक ठीक से नहीं पहुंच पा रहा है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनियां और डिस्ट्रीब्यूटर एक-दूसरे को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

सरकार भी इस मामले में गलत कंपनियों और उनके डिस्ट्रीब्यूटर पार्टनर्स के खिलाफ कार्रवाई करने की योजना बना रही है। कुछ कंपनियों का कहना है कि इस मामले में गलती और देरी डिस्ट्रीब्यूटरों की तरफ से हो रही हैं। वहीं डिस्ट्रीब्यूटरों ने आरोप लगाया है कि कुछ कंपनियों ने जानबूझकर कुछ खास पैकेटों के मूल दाम बढ़ा दिए हैं। एक बड़ी डिस्ट्रीब्यूटर संस्था के प्रमुख ने कहा कि डिस्ट्रीब्यूटर वही फायदा आगे दे सकते हैं जो कंपनियों की तरफ से सिस्टम में दिखता है। कुछ बड़े ब्रांड्स ने अपने कुछ पैकेटों के मूल दाम बढ़ा दिए हैं। इससे कीमतें कम नहीं हो रही हैं। उद्योग और व्यापार से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि यह गड़बड़ी खासकर 20 रुपये या उससे कम के पैकेटों में ज्यादा दिख रही है। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि सीबीआईसीइस पर कार्रवाई कर सकता है। यह कार्रवाई उन ब्रांड्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के

खिलाफ होगी जिन्होंने जीएसटी दरें कम होने के बाद भी अपने सामानों के मूल दाम बढ़ा दिए थे। अधिकारियों ने यह भी बताया कि कानून में ऐसी कार्रवाई करने के लिए पूरे नियम मौजूद हैं। अब सरकार ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर भी ध्यान दे रही है। अधिकारियों ने बताया कि आने वाले हफ्ते की शुरुआत में राजस्व विभाग इस मामले में आगे की कार्रवाई पर चर्चा करेगा। सीबीआईसी की एक अलग टीम ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर हो रहे लेन-देन की जांच कर रही है। ग्राहकों की ज्यादातर शिकायतें इन्हीं प्लेटफॉर्म्स से आई हैं। कई ग्राहकों ने बताया कि जीएसटी में कमी के बावजूद रोजमर्रा की जरूरी चीजों और किराने के सामान की कीमतें कम नहीं हुईं।

कब तक बनेगी बात: एक अधिकारी ने बताया कि कई बड़े पोर्टल्स ने नई टैक्स व्यवस्था के हिसाब से अपनी रेट लिस्ट अपडेट कर ली है। कुछ दिक्कतें खास उत्पादों से जुड़ी हैं। केंद्र सरकार ने पहले ही लगभग 800 ब्रांड्स और कंपनियों को चिट्ठी भेजी है। उन्हें 20 अक्टूबर से पहले इन गलतियों को ठीक करने को कहा गया है। यह उन मामलों में है जहां तकनीकी खराबी और सिस्टम अपडेट को वजह बताया जा रहा है।

कंपनियों की दलील

एचयूएल, कोलगेट–पामोलिव, हिमालया वेलनेस औरपरफ़ेटी वैन मेले जैसी एफएमसीजीकंपनियों के अधिकारियों ने इस मामले में अपना पक्ष रखा है। उनका कहना है कि वे सभी फायदे ग्राहकों तक पहुंचा रहे हैं। नए पैकेटों और उनकी कीमतों को लेकर जो भी दिक्कतें हैं, वे बस कुछ समय के लिए हैं। लगभग सभी बड़ी एफएमसीजीकंपनियों ने विज्ञापन भी जारी किए हैं। इन विज्ञापनों में उन्होंने कम कीमतों पर बने सामानों की नई कीमतें बताई हैं। एचयूएल के एक प्रवक्ता ने कहा कि कुछ समय के लिए बाजार में पुराने और नए दोनों एमआरपी वाले उत्पाद मिल सकते हैं। ग्राहकों को खरीदारी से पहले संशोधित एमआरपी के बारे में पूछना चाहिए। व्यापारिक भागीदारों को यह जानकारी दे दी गई है कि वे जीएसटी दरों में कमी का फायदा अंतिम ग्राहकों तक पहुंचाएं।

सरकार का प्लान

वहीं देश की सबसे बड़ी ओरल केयर कंपनी कोलगेट पामोलिव– ने भी इस मामले पर अपनी बात रखी है। कंपनी ने कहा कि उसने कीमतों में कमी की है और 22 सितंबर से ही अपने चैनल पार्टनर्स को पूरा फायदा दे दिया है। कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर प्रभा नरसिम्हन ने कहा कि ग्राहकों को नवंबर की शुरुआत तक हमारे नए बाजार पैकेटों पर नई कीमतें देखने को मिलनी चाहिए। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ग्राहकों की शिकायतों पर लगातार नजर रख रही है। सीसीपीए ने अब तक लगभग 2,000 शिकायतें सीबीआईसी को भेजी हैं। इन शिकायतों में ग्राहकों ने जीएसटी के फायदे न मिलने की बात कही है।

कहां तक गिर गया भंडार, एफसीए में भी हुई भारी कमी, गोल्ड रिजर्व बढ़ा

विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट, तब भी बढ़ा सोने का भंडार

मुंबई, एजेंसी। इन दिनों शेयर बाजार सही नहीं चल रहा है। बीते सप्ताह शेयर बाजार में खूब उठा-पटक दिखी। भारतीय शेयर बाजारों में लगातार आठ सत्र तक गिरावट दिखी। साथ ही डॉलर के मुकाबले अपना रुपया भी कमजोर हुआ। इस वजह से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर से कमी दिखी है। बीते 26 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने फॉरेन करेंसी एसेट में 4 अरब डॉलर से ज्यादा की कमी हुई है। हालांकि इसी सप्ताह सोने के भंडार में 2 अरब डॉलर से ज्यादा की बढ़ोतरी होने से कुल विदेशी मुद्रा भंडार में ज्यादा कमी नहीं हुई। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जबकि अपने विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हुई है। इसमें 396 मिलियनकी कमी हुई है। इससे पहले लगातार तीन सप्ताह तक इसमें बढ़ोतरी ही हुई थी।

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 24 सितंबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में

2.334 बिलियनकी कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 396 मिलियनकी कमी हुई थी। अब अपना भंडार घट कर 700.236 बिलियनका रह गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियनके रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था।

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में भारी कमी हुई है। 26 सितंबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियाँ में 4.393 बिलियनकी कमी हुई है। अब अपना एफसीए भंडार घट कर 581.757 बिलियनरह गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

इस समय दुनिया के लगभग सभी देश सोने की खूब खरीदारी कर रहा है। अपने यहां भी ऐसा हुआ है। तभी तो बीते सप्ताह अपने गोल्ड रिजर्व या स्वर्ण भंडार में खूब बढ़ोतरी हुई है। रिजर्व बैंक के मुताबिक बीते 19 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने सोने के भंडार में 2.238 बिलियनकी बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 360 मिलियन की बढ़ोतरी हुई थी।

विदेशों निवेशकों के लिए नीति आयोग का सुझाव

मुंबई, एजेंसी। भारत ने विदेशी निवेशकों के लिए टैक्स व्यवस्था को और सरल और भरोसेमंद बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नीति आयोग ने शुक्रवार को सुझाव दिया कि विदेशी कंपनियों के लिए अनुमानित कराधान योजना लागू की जाए। इस कदम का उद्देश्य निवेशकों को स्थिरता और स्पष्टता देना है ताकि भारत की ओर वैश्विक पूंजी का प्रवाह और तेज हो सके। नीति आयोग के कार्यपत्र में कहा गया कि यह वैकल्पिक योजना विदेशी कंपनियों को टैक्स विवादों से राहत देगी। इसमें स्थायी प्रतिष्ठान से जुड़े मामलों को आसान बनाया जाएगा और अनुपालन प्रक्रिया सरल होगी। यह योजना न केवल निवेशकों को भरोसा दिलाएगी बल्कि सरकार के राजस्व की सुरक्षा भी करेगी। आयोग ने कहा कि यह समाधान भारत के कराधान अधिकार और निवेशकों की सुविधा दोनों के बीच संतुलन बनाएगा। कार्यपत्र में बताया गया कि भारत में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है लेकिन अस्पष्ट नियम और विवाद निवेशकों को असहज करते हैं। विशेषकर पीई रेगुलेशन की अस्पष्टता के कारण कई बार निवेशक असमंजस में रहते हैं। आयोग का मानना है कि अगर अनुमानित कराधान व्यवस्था लागू हो जाती है तो भारत की टैक्स व्यवस्था एक माइनफील्ड से बदलकर रोशनी से भरे रास्ते में बदल जाएगी, जिससे भारत की ग्लोबल बिजनेस इंडेक्स रैंकिंग में सुधार होगा। इस स्कीम के तहत विदेशी कंपनियां तय दर पर अपनी आय घोषित कर सकती हैं।

सिर्फ 2,000 रुपये से 30 लाख का टर्नओवर...

- जैविक खाद ने बना दिया जीरो से हीरो
- डिमांड के साथ बढ़ाया प्रोडक्शन
- दूसरे किसानों को भी सिखा रहे गुर

नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा के नवरंगपुर जिले के जितेंद्र मोहराणा को गजब की कामयाबी मली है। महज 2,000 रुपये के छोटे निवेश से उन्होंने जैविक खाद बनाने का काम शुरू किया। इसे जितेंद्र ने एक सफल उद्यम में बदल दिया है। उनका छोटा-सा आइडिया अब 30 लाख रुपये का सालाना टर्नओवर दे रहा है। उनके वेंचर का नाम खुशी एग्रो है। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान यह काम शुरू किया था। उनका मकसद अपने बगीचे के लिए जैविक खाद बनाना था। लेकिन, जल्द ही उन्हें इसमें एक बड़ा अवसर दिखा। जितेंद्र का वेंचर आसपास के जिलों के साथ छत्तीसगढ़ तक जैविक खाद पहुंचाता है। इससे 15 से ज्यादा लोगों को रोजगार भी मिलता है। आइए, यहां जितेंद्र मोहराणा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

शुरुआत में छोटे टैंकों में खाद बनाने वाले जितेंद्र ने बढ़ती मांग को देखते हुए जल्द ही आधुनिक तकनीकों को अपनाया। बड़े पैमाने पर खुले मैदान में उत्पादन शुरू कर दिया। उनकी खाद की खासियत यह है कि इसके लिए 90 प्रतिशत कच्चा माल स्थानीय गाय के गोबर से आता है। बाकी 10 प्रतिशत लकड़ी के चिप्स और सूखी पत्तियों को मिलाकर खाद को संरचनात्मक रूप से बेहतर बनाया जाता है। खुशी एग्रो नाम की अपनी फर्म बनाकर उन्होंने 1 किलो से लेकर 50 किलो तक की पैकेजिंग में वर्मीकम्पोस्ट को कालाहांडी, कोरापुट, बोलंगीर और यहां तक कि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के बाजारों तक पहुंचाया। इससे जितेंद्र के उत्पाद की विश्वसनीयता और गुणवत्ता दूर-दूर तक स्थापित हुई है। जितेंद्र मोहराणा की सफलता सिर्फ वित्तीय नहीं है। उन्होंने अपने गांव की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका फार्म अब 15 से ज्यादा पूर्णकालिक श्रमिकों को रोजगार प्रदान करता है। इनमें से कई पहले बेरोजगार थे।

छोटे-से आइडिया ने खोली तरक्की की राह

जितेंद्र मोहराणा ओडिशा के नवरंगपुर जिले के झारिगांव से ताल्लुक रखते हैं। उनकी कहानी की शुरुआत बहुत छोटे से आइडिया से होती है। यह आगे चलकर 30 लाख रुपये के सालाना टर्नओवर वाले सफल वेंचर में बदल जाता है। जतिंद्र ने सिर्फ 2,000 रुपये के शुरुआती निवेश से जियाखात यानी वर्मीकम्पोस्ट बनाने की शुरुआत की थी। इसका मूल उद्देश्य केवल अपने किचन गार्डन को सहारा देना था। कोरोना महामारी के दौरान उन्हें इस काम में पर्याप्त समय मिला। उन्होंने महसूस किया कि यह टिकाऊ तरीका न केवल उनकी उपज की गुणवत्ता बढ़ा रहा है, बल्कि अन्य किसानों के लिए भी एक बड़ा व्यावसायिक अवसर हो सकता है।

इस दशहरा में 25 प्रतिशत घट गई सोने के जेवरों की बिक्री

साल भर में 48 प्रतिशत दाम बढ़े

मुंबई, एजेंसी। शारदीय नवरात्र/दुर्गा पूजा/दशहरा का समय हिंदुओं के लिए पावन समय होता है। इस समय लोग छोटी-मोटी ही नहीं, बड़ी खरीदारी भी करते हैं। तभी तो इस साल नवरात्रे में टीवी-फिज-वाशिंग मशीन से लेकर कार तक की जबरदस्त बिक्री हुई। इस समय लोग सोने के जेवरों की भी खरीदारी करते हैं। लेकिन इस साल दशहरा सोने के कारोबारियों के लिए फीका रहा। इस साल सोने के जेवरों और बुलियन की बिक्री 25 फीसदी घट गई है।

इस दशहरा पर सोना अपनी चमक इसलिए नहीं दिखा पाया, क्योंकि उसकी कीमत बहुत ज्यादा हो गई है। बहुत ज्यादा कीमतों के कारण कई ग्राहकों ने खरीदारी से दूरी बना ली। उद्योग संगठन इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (के अनुसार, पिछले साल के मुकाबले सोने की बिक्री एक चौथाई (25 प्रतिशत) कम होकर 18 टन रह गई। पिछले साल इसी अवधि में 24 टन सोने के जेवरों की बिक्री हुई थी।

भारत में सोना सभी को भाता है। लेकिन यदि सोने की कीमत काबू से बाहर हो जाए तो लोग इसकी खरीदारी कैसे करेंगे इस साल दशहरा बीते गुरुवार, दो

अक्टूबर को मनाया गया। उस दिन 10 ग्राम सोने का खुदरा भाव 1.16 लाख रुपये था। यह पिछले साल के दशहरा के 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से 48 प्रतिशत ज्यादा है। ग्राहकों को सोने की कीमत के अलावा 3 प्रतिशत जीएसटी भी देना होता है। गहनों के डिजाइन के हिसाब से ज्वैलर्स 15-30 प्रतिशत मेकिंग चार्ज भी लेते हैं। राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहता का कहना है कि पिछले साल का दशहरा बेहतर था। तब देश भर में 24 टन सोना बिका था। इस साल दशहरा पर कीमतें 1.16 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहीं। इससे मांग पर असर पड़ा है। उनका कहना है कि अब लोग नया सोना खरीदने के बजाय पुराने सोने की अदला-बदली काफी कर रहे हैं। मेहता ने आगे बताया, हालांकि, ग्राहकों ने सोना खरीदना शुरू कर दिया है।

इंट्रा-डे हाई से 11 प्रतिशत टूटा यह स्टॉक

आई है एक बड़ी खबर, रेखा झुनझुनवाला का भी लगा है कंपनी में पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी।
रेखा झुनझुनवाला के निवेश वाली कंपनी बाजार स्टाइल रिटेल के शेयरों में आज भारी गिरावट देखने को मिली। कंपनी के शेयर इंट्रा-डे हाई से 11 प्रतिशत टूट कर 347.55 रुपये के लेवल पर आ गए थे। शुक्रवार की सुबह कंपनी के शेयर बीएसई में 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी हासिल करने में सफल रहे थे। लेकिन उसके बाद बिकवाली के शिकार हो गए हैं। बता दें, मार्केट के क्लोजिंग के टाईम पर बाजार स्टाइल रिटेल के शेयर बीएसई में 5.99 प्रतिशत की गिरावट के बाद 354.50 रुपये के लेवल पर आ गए।

दूसरी तिमाही में कंपनी ने 20 नए स्टोर्स खोले हैं। जबकि 2 बंद हुए हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कंपनी का फुटप्रिंट 42 नए एडिशन में हुआ है।

कंपनी के शेयर बीएसई में 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी हासिल करने में सफल रहे थे

सितंबर तिमाही के डाटा के अनुसार रेखा झुनझुनवाला के पास बाजार स्टाइल रिटेल की कुल कंपनी में हिस्सेदारी 3.4 प्रतिशत की है। जिसकी वैल्यू 99 करोड़ रुपये है।

कंपनी ने दिया बिजनेस अपडेट

जुलाई से सितंबर 2025 के दौरान कंपनी का रेवन्यू (ऑपरेशन्स से) से सालाना आधार पर 71 प्रतिशत की उछाल के साथ 532 करोड़ रुपये रहा है। एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने कहा है कि सेल्स पर स्क्वायर फीट 865 रुपये प्रति माह रहा है। वहीं, पहली छमाही में यह 768 रुपये प्रति महिना रहा है। कंपनी ने बताया है कि वो 250 स्टोर को ऑपरेट करते हैं।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा

बीते एक महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। 6 महीने में इस स्टॉक का भाव 7 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। हालांकि, इसके बाद भी एक साल से शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 13 प्रतिशत से अधिक का नुकसान हो चुका है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 428.20 रुपये और 52 वीक लो लेवल 181 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 2645.19 करोड़ रुपये का है। उसके बाद बिकवाली के शिकार हो गए हैं। बता दें, मार्केट के क्लोजिंग के टाईम पर बाजार स्टाइल रिटेल के शेयर बीएसई में 5.99 प्रतिशत की गिरावट के बाद 354.50 रुपये के लेवल पर आ गए।

भागवत में जितेंद्र कुमार का खूंखार अवतार

पंचायत के सचिव जी यानी जितेंद्र कुमार को आपने ज्यादातर पॉजिटिव रोल्स में देखा है, पर अब वो पर्दे पर विलेन बनने जा रहे हैं। उनकी और अरशद वारसी की भागवत चैप्टर 1 – राक्षस का टीजर रिलीज कर दिया गया है। जी5 ऑरिजनल फिल्म को आप जल्द ही इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकेंगे। फैंस इसका टीजर देखकर ही एक्साइटेड हैं। खासकर अपने प्यारे जीतू भैया को निगेटिव रोल में देखकर। भागवत चैप्टर 1ः राक्षस के 59 सेकेंड के टीजर की शुरुआत जितेंद्र कुमार की आवाज से होती है। वो कह रहे हैं, बाज का क्या रहना है ना सर, 35 साल बाद उनके पंख कमजोर हो जाते हैं। वो उड़ नहीं पाता, शिकार नहीं कर पाता, फिर वो चट्टान पर जाकर अपने पंख तोड़ देता है, और जैसे नए पंख आते हैं, फिर 35 साल निकल जाता है शिकार पर। अरशद वारसी की आवाज आती है, तुझे पता है तू क्या है? तो जितेंद्र बिना डरे-सहमे कहता है, बाज हूं मैं।

अरशद पुलिस ऑफिसर, जितेंद्र बने अपराधी

इस डायलॉग के साथ-साथ एक कहानी चलती है। कुछ औरतें हैं। एक रोती हुई औरत। जेल में बंद जितेंद्र। दंगा। लोगों का गुस्सा। अरशद ने पुलिस ऑफिसर का रोल निभाया है तो जितेंद्र अपराधी के किरदार में हैं। आखिर उसने क्या क्राइम किया है, ये फिल्म रिलीज होने के बाद पता चलेगा।

भागवत की कास्ट

इस फिल्म में अरशद वारसी, जितेंद्र कुमार के अलावा आयशा कडुस्कर भी हैं। डायरेक्टर अक्षय शेरे हैं। निर्माताः ज्योति देशपांडे, पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा, कनिष्क गंगवाल, अक्षय शेरे हैं। प्रोडक्शन हाउस जियो स्टूडियोज, बावेजा स्टूडियो, डॉग एन बोन पिक्चर्स है।

फैंस का जबरदस्त रिएक्शन

एक फैन ने कहा, जीतू भैया एक साइकोटि कैरेक्टर में जबरदस्त। ये शानदार है। एक और फैन ने अरशद की असुर का जिक्र करके कॉमेंट किया, ये असुर जैसी मास्टरपीस होनी चाहिए। अन्य ने कहा, निगेटिव रोल में जीतू भैया, मजा आएगा।

अर्जुन रेड्डी ने मुझे अभिनेत्री के रूप में नई पहचान दी

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने ब्लॉकबस्टर फिल्म अर्जुन रेड्डी से सुर्खियां बटोरी थीं। यह उनकी डेब्यू फिल्म थी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। यह उनके करियर का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। शालिनी पांडे ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, जब अर्जुन रेड्डी बन रही थी, हम सब नए थे। यह हमारी पहली फिल्म थी और हम बस साथ मिलकर अच्छा काम करना चाहते थे। जब यह रिलीज हुई और इसे इतना प्यार मिला। इसने मुझे एक एक्टर के तौर पर पहचान दिलाई। मैं बहुत समय से सोच रही थी कि मुझे एक्टर बनना है और अब अचानक मुझे इसके लिए प्यार मिला। यह पहचान बहुत जरूरी थी। उस समय मैं इतनी नई थी कि मुझे दबाव झेलना भी नहीं आता था। मैं बस हर चीज का आनंद ले रही थी और उम्मीद कर रही थी कि भविष्य में मेरे काम को ऐसा ही प्यार मिले। अर्जुन रेड्डी के दौरान और उसके बाद भी मेरा ध्यान इसी पर था।

इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए शालिनी ने कहा, एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि सीखने के लिहाज से मेरा सफर सचमुच अद्भुत रहा है। पहली ही फिल्म में मैंने जिन लोगों के साथ काम किया, वह जिस तरह की फिल्म थी और जो लोग उस फिल्म में मेरे साथ खड़े रहे, उन्होंने मेरे सफर को बहुत खास बना दिया। उन्होंने आगे कहा, पहली ही फिल्म में मुझे बहुत अच्छे अभिनेताओं और निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला है, जिससे मैं सचमुच धन्य महसूस करती हूं। उसके बाद से मैंने जितने भी प्रोजेक्ट किए हैं, वो कमाल की टीम के साथ किए हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं। बता दें कि शालिनी पांडे ने इस फिल्म में एक मेडिकल की छात्रा का रोल प्ले किया था। इसमें विजय देवरकोंडा ने लीड रोल प्ले किया था।

अरेंज मैरिज और प्यार के बीच फंसी हुमा, 'सिंगल सलमा' का ट्रेलर रिलीज

हुमा कुरैशी, श्रेयस तलपड़े और सनी सिंह की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'सिंगल सलमा' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। शादी को केंद्र में रखते हुए 'सिंगल सलमा' एक ट्रैंगल कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है। ट्रेलर में भरपूर कॉमेडी और ड्रामा देखने को मिल रहा है। यहां जानिए कैसा है ट्रेलर?

हुमा, श्रेयस और सनी सिंह का ट्रैंगल

2 मिनट 16 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत एक वॉइस ओवर और लखनऊ के रूमी दरवाजा के साथ होती है। इस वॉइस ओवर में कहा जाता है, 'हिंदुस्तान में करियर और सक्सेस चाहे जितना कमा लीजिए, असली प्रमोशन सिर्फ एक चीज में है अब शादी कर लो।' इसके बाद ट्रेलर में एंट्री होती है कुंवारी सलमा यानी हुमा कुरैशी की। फिर शुरू होता है सलमा की शादी कराने का प्रयास। एक-एक करके किरदार और कैंडिडेट आते जाते हैं। इसी दौरान ट्रेलर में कॉमेडी होती रहती है। इसके बाद ट्रेलर में एंट्री होती है श्रेयस तलपड़े की, जो एक सीधे-सादे सलमा की ही उम्र के व्यक्ति बने हैं। जबकि दूसरी ओर हैं सनी सिंह, जो आजकल के जमाने के क्लब जाने वाले व्यक्ति हैं। इसके बाद सलमा, सिकंदर (श्रेयस तलपड़े) से अरेंज मैरिज करना चाहती है। लेकिन तभी उसका दिल मीत (सनी सिंह) के लिए भी धड़कने लगता है। बस यहीं से शुरु होता है सलमा की जिंदगी में कन्फ्यूजन। अब वो लखनऊ के रहने वाले सिकंदर से शादी करेगी या लंदन के रहने वाले मीत से, यह फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा।

महाकाली में असुर गुरु शुक्राचार्य का किरदार निभाएंगे अक्षय खन्ना

आरकेडी स्टूडियोज़ और प्रशांत वर्मा की महाकाली में रहस्यमयी आभा बिखेरते हुए अक्षय खन्ना सिनेमैटिक यूनिवर्स का अगला अध्याय साबित होने जा रहे हैं। क्षय खन्ना इस मेगा फिल्म में शुक्राचार्य का किरदार निभा रहे हैं। लंबे चांदी जैसे दाढ़ी, साधु के वेशभूषा और चमकती हुई आँखों के साथ, वे पहली बार स्क्रीन पर एक संत के रूप में दिखाई देंगे। यह रूप एक ऐसे रहस्यमयी गुरु का प्रतीक है, जिसकी विद्या ने देवों और असुरों दोनों का भविष्य गढ़ा। सनातन विद्या के आचार्य, मृत्यु-संजीवनी मंत्र के संरक्षक, जीवन देने की शक्ति रखने वाले आध्यात्मिक गुरु और अपराजेय रणनीतिकार, जो ब्रह्मांडीय संतुलन को बदलने की शक्ति रखनेवाले शुक्राचार्य का यह चित्रण उनके द्वैत स्वरूप को जीवंत करता है। ह मनमोहक दृश्य हिंदू पौराणिक कथाओं के शुक्राचार्य की अमर गाथा को सजीव कर देता है। एक विशाल पर्वतीय किले के सामने, तूफ़ानी आकाश तले, प्राचीन वेदियों से उठती अग्नि के बीच, उनका रूप ध्यानमग्न शांति और अडिग शक्ति दोनों का संचार करता है।

पूजा कोल्लूरू के निर्देशन में महाकाली न केवल प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स का अगला अध्याय है, बल्कि अक्षय खन्ना की तेलुगु सिनेमा में भव्य शुरुआत भी है। उनका प्रचंड और शक्तिशाली लुक इस प्रवेश को अद्वितीय और अविस्मरणीय बना रहा है। प्रशांत वर्मा की दृष्टि और पुपूजा कोल्लूरू के निर्देशन से सजी यह प्रस्तुति दर्शकों को एक ऐसे सिनेमाई चमत्कार का वादा करती है, जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था।

फिल्मफेयर अवॉर्ड होस्ट करेंगे शाहरुख खान

बॉलीवुड के किंग कहे जाने वाले अभिनेता शाहरुख खान के फैंस के लिए खुशखबरी है। वह जल्द ही फिल्मफेयर अवॉर्ड होस्ट करते हुए नजर आएंगे। 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड का आयोजन गुजरात के अहमदाबाद में 11 अक्तूबर को होगा। इस कार्यक्रम का हर पल ऐतिहासिक होने वाला है क्योंकि स्टेज पर शाहरुख खान होंगे।

होस्ट बनने पर बोले शाहरुख

फिल्मफेयर अवॉर्ड की मेजबानी करने को लेकर शाहरुख खान उत्साहित हैं। उन्होंने इस बारे में कहा पहली बार जब मैंने ब्लैक लेडी को अपने हाथों में लिया था, तब से लेकर इतने वर्षों में अपने साथियों और फैंस के साथ अनगिनत यादें साझा की हैं। यह प्यार, सिनेमा और जादू का एक सफर रहा है। 70वें साल सह-मेजबान के रूप में वापसी करना वाकई खास है। मैं वादा करता हूं कि हम इसे एक यादगार रात बनाएंगे। यह हंसी, पुरानी यादों और उन फिल्मों के जश्न से भरपूर होगी, जिन्हें हम सभी पसंद करते हैं।

करण जौहर ने दिया रिएक्शन

शाहरुख खान के साथ करण जौहर और मनीष पॉल भी फिल्मफेयर अवॉर्ड होस्ट करेंगे। करण जौहर ने होस्ट बनने पर कहा फिल्मफेयर महज एक पुरस्कार नहीं है, यह एक विरासत है जिसने भारतीय सिनेमा की कहानी को आकार दिया है। वर्ष 2000 से, मैंने लगभग हर फिल्मफेयर पुरस्कार समारोह में भाग लिया है और कई की मेजबानी भी की है। जैसा कि हम 70 शानदार वर्षों का जश्न मना रहे हैं, मुझे सह-मेजबानी करने में वाकई खुशी हो रही है। इस बार का कार्यक्रम सबसे यादगार होगा।

शाहरुख के साथ नजर आए करण

हाल ही में शाहरुख खान और करण जौहर शो द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में साथ नजर आए। हाल ही में करण ने अभिनेता बॉबी देओल की तारीफ करते हुए एक पोस्ट शेयर करके सुर्खियां बटोरीं। इसमें उन्होंने राज शमनी के साथ बॉबी देओल के पॉडकास्ट इंटरव्यू का एक क्लिप शेयर किया। इस क्लिप में, देओल ने अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद बॉलीवुड में पहचान बनाने के लिए संघर्ष करने की बात कही। उन्होंने बुरे दौर में शराब की ओर रुख करने के बारे में खुलकर बात की।

10 अक्टूबर से शुरू होगी सलमान की फिल्म के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग, चित्रांगदा भी करेंगी ज्वाइन

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी नई फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बन रही यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग लद्दाख की वादियों में पूरी की गई थी और अब खबर है कि इसका दूसरा शेड्यूल मुंबई में शुरू होने जा रहा है।

अक्टूबर से शुरू होगा मुंबई शेड्यूल

रिपोर्ट के मुताबिक बैटल ऑफ गलवान का दूसरा और आखिरी शेड्यूल 10 अक्टूबर 2025 से मुंबई में शुरू होगा। फिल्म की टीम ने पहले ही मुंबई में लोकेशन्स का रेक्की कर लिया है, हालांकि शूटिंग की जगहों को फिलहाल गुप्त रखा गया है। इस शेड्यूल में सलमान खान के साथ-साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह भी हिस्सा लेंगी। बताया जा रहा है कि यह शेड्यूल नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

बदला सलमान का लुक

लद्दाख में 45 दिन तक चले शूटिंग शेड्यूल के दौरान सलमान खान का लुक दमदार और रफ-टफ रखा गया था। वहीं, मुंबई लौटते ही उन्होंने अपनी दाढ़ी-मूंछ शेव कर क्लीन-शेव अवतार में एयरपोर्ट पर नजर आए। फैन्स को सलमान का यह नया अंदाज देखकर फिल्म के फर्स्ट लुक का इंतजार है।

पिछली फिल्म फ्लॉप, इस बार दांव बड़ा

सलमान खान की पिछली फिल्म सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह असफल रही थी। यही कारण है कि अभिनेता इस बार कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। सूत्रों का कहना है कि सलमान इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद गंभीर हैं और हर सीक्वेंस पर बारीकी से काम कर रहे हैं ताकि फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतर सके।

क्यों खास है बैटल ऑफ गलवान?

यह फिल्म सिर्फ एक युद्ध कथा नहीं बल्कि भारतीय सैनिकों की शौर्य गाथा को बड़े पर्दे पर पेश करने की कोशिश है। अपूर्व लाखिया अपने एक्शन और रियलिस्टिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और ऐसे में उम्मीद है कि बैटल ऑफ गलवान युद्ध पर आधारित फिल्मों में एक खास पहचान बना सकती है। फिल्म में सलमान खान एक आर्मी अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जो देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए हर हद तक जाता है। उनके साथ अभिनेता अंकुर भाटिया भी अहम किरदार में नजर आएंगे।

फैंस को पहले लुक का इंतजार

मुंबई शेड्यूल शुरू होने की खबर के बाद सलमान के फैंस सोशल मीडिया पर लगातार फिल्म को लेकर चर्चा कर रहे हैं। हर किसी को इंतजार है कि आखिरकार कब सलमान खान का मिलिट्री अवतार पर्दे पर सामने आएगा। फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद मेकर्स 2026 की शुरुआत में इसका पहला टीजर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

चाईना ओपन:

पेगुला चीन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी अमेरिकी

बीजिंग, एजेंसी। पांचवीं वरीयता प्राप्त पेगुला ने शुरुआत में छह सेट प्वाइंट गंवाए, लेकिन अगले दो सेट में उन्होंने दबदबा बनाया और 6-7 (2), 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। पेगुला का सामना अब लिंडा नोसकोवा से होगा जिन्होंने ब्रिटेन की सेनाय कार्टल को 6-3, 6-4 से हराया। जेसिका पेगुला चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अमेरिका की तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। पेगुला ने एम्मा नवारो को हराया और अंतिम चार में जगह बनाई। पांचवीं वरीयता प्राप्त पेगुला ने शुरुआत में छह सेट प्वाइंट गंवाए, लेकिन अगले दो सेट में उन्होंने दबदबा बनाया और 6-7 (2), 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। पेगुला का सामना अब लिंडा नोसकोवा से होगा जिन्होंने ब्रिटेन की सेनाय कार्टल को 6-3, 6-4 से हराया। पेगुला ने कहा, मैंने खुद से कहा कि ज्यादा निराश मत हो और सिर्फ शांत बनी रहो। मैंने रिलेक्स होने की कोशिश की और गेम प्लान पर आगे बढ़ने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। इससे मुझे खुलकर खेलने का मौका मिला। 20 साल की नोसकोवा डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले चेक गणराज्य की युवा खिलाड़ी हैं। एक अन्य सेमीफाइनल में गत चैंपियन कोको गॉफ का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा से होगा।

बीएफआई कप:

मुक्केबाज हुसामुद्दीन, भावना और पार्थवी ने जीते अपने-अपने मुकाबले

चेन्नई, एजेंसी। हुसामुद्दीन, भावना और पार्थवी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। इस टूर्नामेंट से स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को एलीट राष्ट्रीय शिविर में जगह मिलेगी।

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सेना के मोहम्मद हुसामुद्दीन ने बीएफआई कप एलीट पुरुष मुक्केबाजी टूर्नामेंट के पहले दौर में हर्ष को 5-0 से हराया। महिला वर्ग में अंडर 22 एशियाई कांस्य पदक विजेता भावना शर्मा (रेलवे) ने सिमरन को 48 से 51 किलोवर्ग में 3-2 से मात दी। वहीं, राजस्थान की पार्थवी ग्रेवाल ने रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने पर जीत दर्ज की। इस तरह हुसामुद्दीन, भावना और पार्थवी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। इस टूर्नामेंट से स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को एलीट राष्ट्रीय शिविर में जगह मिलेगी।

पैरा चैम्पियशिप:

कियारा रोड्रिग्ज ने रचा इतिहास, चौथी बार जीता लंबी कूद का स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। इक्वाडोर की कियारा रोड्रिग्ज ने इंडियनऑयल नयी दिल्ली पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 में लगातार चौथी बार महिलाओं की लंबी कूद टी-47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। कियारा ने 6.29 मीटर की छलांग लगाई, जबकि हंगरी की पेट्रा लुटेरन (5.98 मीटर) ने रजत और डेनमार्क की ब्योर्कर नोएरेमाकर (5.84 मीटर) ने कांस्य पदक हासिल किया। भारत की निमिषा सुरेश चक्कुंगलपरम्बिल ने 5.74 मीटर की छलांग के साथ एशियाई रिकॉर्ड बनाया, लेकिन बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण पोडियम से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं। कियारा इससे पहले 100 मीटर टी-47 में भी स्वर्ण जीत चुकी हैं और तिहरा पदक हासिल करने की कोशिश में हैं। इस बीच, अमेरिका के माइकल ब्रैनिगन ने पुरुषों की 1500 मीटर टी-20 और ईरान के अली बाजियारशूरिजेह ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। पदक तालिका में ब्राज़ील (12 स्वर्ण) शीर्ष पर कायम है, जबकि चीन 40 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर और भारत (6 स्वर्ण, 5 रजत, 4 कांस्य) चौथे स्थान पर है।

इंडिया-वेस्टइंडीज टेस्ट:

टीम इंडिया की अहमदाबाद टेस्ट में बड़ी जीत

● वेस्टइंडीज ने तीसरे ही दिन टेके घुटने, जडेजा का ऑलराउंड प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया. इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पारी और 140 रनों से जीत हासिल की. वेस्टइंडीज की दूसरी पारी खेल के तीसरे दिन (4 अक्टूबर) लंच के बाद 146 रनों पर सिमट गई. भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने इस मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन किया. उन्होंने शतक जड़ने के अलावा दूसरी पारी में चार विकेट झटके. मुकाबले में भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 448 रनों के स्कोर पर घोषित कर दी.

भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 286 रनों की लीड मिली. वहीं वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 रनों पर सिमट गई थी. दोनों टीम्स के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला 10 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा. दूसरी पारी में भी वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशानजक रहा. 50 रनों के अंदर ही मेहमान टीम के पांच विकेट गिर गए. रवींद्र

जडेजा ने जॉन कैम्पबेल (14 रन), ब्रैंडन किंग (5 रन) और शाई होप (1 रन) को चलता किया.

वहीं मोहम्मद सिराज ने तेजनारायण चंद्रपॉल (8 रन) को पवेलियन भेजा. चाइनामैन कुलदीप यादव ने कप्तान रोस्टन चेज को सस्ते में आउट किया. पांच विकेट गिरने के बाद एलिक अथानाज (38 रन) और जस्टिन ग्रीव्स (25 रन) ने मिलकर 46 रनों की साझेदारी की. इस पार्टनरशिप के टूटने के बाद भारत की जीत महज औपचारिकता थी.

दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा ने चार विकेट झटके. वहीं मोहम्मद सिराज को तीन सफलताएं हासिल हुई. कुलदीप यादव ने दो और वॉशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिए.

ऑस्ट्रेलिया टूर के लिए टीम का ऐलान:

रोहित से वनडे की कप्तानी छीनी, कप्तानी अब गिल के हाथों में, श्रेयस उपकप्तान, रोहित-विराट खेलेंगे बतौर खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की वनडे टीम में बड़ा बदलाव किया गया है। रोहित शर्मा से वनडे कप्तानी छीनकर इसे शुभमन गिल के हाथों में सौंपा गया है। गिल पहले से ही टेस्ट टीम के कप्तान हैं। श्रेयस अय्यर को उपकप्तान बनाया गया है, जबकि रोहित शर्मा और विराट कोहली बतौर खिलाड़ी टीम में शामिल हैं। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेलेगी। पहला वनडे 19 अक्टूबर को पर्थ में, दूसरा 23 अक्टूबर को एडिलेड में और तीसरा 25 अक्टूबर को सिडनी में होगा। इसके बाद 5 मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी, जिसकी कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। भारत की वनडे और टी-20 टीम

वनडे: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्?डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल।

टी-20: सूर्यकुमार (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्?डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर।

पाकिस्तान में ट्रॉफी चोर को इनाम !

● मोहसिन नकवी को मिलेगा गोल्ड मेडल, साहसिक कदम बताकर की तारीफ

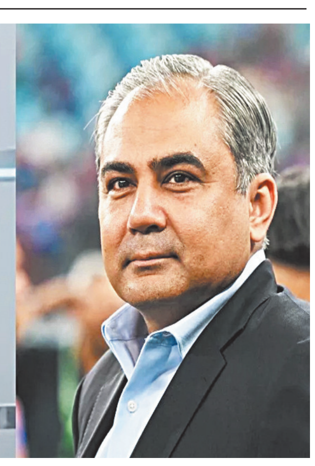

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख और एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार किसी क्रिकेट उपलब्धि के लिए नहीं, बल्कि एक अजीब वजह से. एशिया कप 2025 के फाइनल के दौरान हुई ट्रॉफी 'ड्रामा' के बाद अब उन्हें पाकिस्तान में शहीद जुल्फिकार अली भुट्टो उत्कृष्टता स्वर्ण पदक से नवाजा जाएगा. जी हां, वो ही नकवी जिन्हें भारत के खिलाड़ियों ने फाइनल के बाद ट्रॉफी लेने से साफ इनकार कर दिया था, अब उन्हें पाकिस्तान में 'साहस और सिद्धांत' का प्रतीक बताया जा रहा है.

क्यों मिल रहा है गोल्ड मेडल?

रिपोर्ट के मुताबिक, यह फैसला सिंध और कराची बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट गुलाम अब्बास जमाल ने लिया है. जमाल ने कहा कि मोहसिन नकवी ने भारत के दबाव में न झुकते हुए राष्ट्रीय गर्व को ऊंचा किया और इसी 'वीरता' के लिए उन्हें यह गोल्ड मेडल दिया जाएगा. उनके मुताबिक, नकवी ने राजनीतिक और खेल दोनों मोर्चों पर पाकिस्तान की शान को बरकरार रखा.

असल में क्या हुआ था?

एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत की जीत के बाद ट्रॉफी प्रस्तुति समारोह के दौरान विवाद हो गया था. रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय खिलाड़ियों ने पहले ही तय कर लिया था कि अगर मोहसिन नकवी ट्रॉफी सौंपेंगे तो वे उसे नहीं लेंगे. जब नकवी मंच पर पहुंचे, तो भारतीय कप्तान और खिलाड़ी ट्रॉफी से दूरी बनाकर खड़े रहे.

अब 'बेइज्जती' पर 'गर्व' मना रहा पाकिस्तान

दुनियाभर में इस घटना की आलोचना हुई। क्रिकेट फैंस से लेकर पूर्व खिलाड़ियों ने इसे खेल भावना के खिलाफ बताया, लेकिन पाकिस्तान में नकवी को मजबूत नेता और देश की प्रतिष्ठा के रक्षक के रूप में पेश किया जा रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान में कुछ राजनीतिक और खेल संगठनों ने नकवी की तारीफ करते हुए उन्हें 'राष्ट्रीय नायक' बताया है.

नकवी बोले, मैंने कुछ गलत नहीं किया

बीसीसीआई की आपत्ति के बाद भी मोहसिन नकवी अपने बयान पर अड़े हैं. उन्होंने कहा, मैंने न कोई गलती की और न ही किसी से माफी मांगूंगा. अब इसी जिद और विवाद को पाकिस्तान में 'साहसिक कदम' मानते हुए उन्हें यह गोल्ड मेडल दिया जा रहा है.

महिला वर्ल्ड कप:

पाकिस्तान के खिलाफ भारत आजमाएगा अपनी ताकत

कोलंबो, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीमें इस रविवार वनडे विश्व कप 2025 में आमने-सामने होंगी। पिछले तीन रविवार को पुरुष टीमों के नाटकीय मुकाबलों के बाद अब यह मुकाबला कौशल के साथ भावनाओं की जंग भी होगा।

भारत का रिकॉर्ड पाकिस्तान के मुकाबले बेहद मजबूत है. दोनों टीमों ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27 मुकाबले खेले, जिनमें भारत ने 24 और पाकिस्तान ने केवल 3 जीते हैं। वनडे में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 11 में से सभी मैच जीते हैं। भारत ने टूर्नामेंट में पहले मैच में श्रीलंका को 59 रन

से हराया, जबकि पाकिस्तान को बांग्लादेश ने सात विकेट से मात दी। भारत की नजर अब नेट रनरेट बेहतर करने पर है, जो टूर्नामेंट के अंतिम चरण में निर्णायक हो सकता है। कप्तान हरमनप्रीत कौर की टीम आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी।

पहले मैच में छह विकेट 124 रन पर गिरने के बाद निचले मध्यक्रम ने 47 ओवर में 250 से अधिक रन बनाए। भारत की ताकत उसकी बल्कि मजबूत बल्लेबाजी है, लेकिन पाकिस्तान जैसी टीम के खिलाफ बल्लेबाजों को और बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पाकिस्तान की चिंता उसकी बल्लेबाजी रही, पहले मैच में उसके बल्लेबाज पूरी तरह संघर्ष में रहे। फातिमा सना और डायना बेग ने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन स्कोर छोटा रहा।

टीमें:

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रॉड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

पाकिस्तान: फातिमा सना (कप्तान), मुनीबा अली सिद्दीकी, आलिया रियाज, डायना बेग, ऐमन फातिमा, नशरा सुंधू, नतालिया परवेज, ओमाइमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शावाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज, सईदा आरूब शाह।

बदल गया कप्तान, रजत पाटीदार को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारों में शुमार रजत पाटीदार को एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है. पिछले कुछ समय में उन्होंने बतौर कप्तान काफी शानदार प्रदर्शन किया है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 18 साल बाद पहली IPL ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभा चुके रजत पाटीदार ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी 2025 के फाइनल में सेंट्रल जोन की टीम को खिताब जीता था. अब वहमध्य प्रदेश रणजी टीम की कमान संभालने वाले हैं. मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के लिए रजत पाटीदार को अपनी टीम का कप्तान बनाने का ऐलान किया है.

वह आगामी रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन में शुभम शर्मा की जगह लेंगे. मध्य प्रदेश ने 2022 में अपना पहला रणजी खिताब जीता था, और अब पाटीदार की कप्तानी में टीम उस सफलता को दोहराने का लक्ष्य रख रही है. वह फिलहाल इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं, जहां वह रणजी चैंपियन विदर्भ के खिलाफ खेल रहे हैं. मध्य प्रदेश की 15 सदस्यीय टीम में बल्लेबाजी मजबूत रखने के

● रणजी ट्रॉफी 2025-26 के लिए मध्य प्रदेश की टीम:

रजत पाटीदार (कप्तान), यश दुबे, हर्ष गवली, शुभम शर्मा, हिमांशु मंत्री, हरप्रीत सिंह, वेंकटेश अय्यर, सागर सोलंकी, कुमार कार्तिकेय, सारांश जैन, अधीर प्रताप, आर्यन पांडे, अरशद खान, अनुभव अग्रवाल और कुलदीप सेन

लिए यश दुबे, हर्ष गौली और शुभम शर्मा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं. वहीं, गेंदबाजी विभाग में तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और आर्यन पांडेय के साथ-साथ स्पिनर कुमार कार्तिकेय और सरांश जैन टीम को संतुलित बनाएंगे.

वहीं, हिमांशु मांटरी, हरप्रीत सिंह, वेंकटेश अय्यर, सागर सोलंकी, अधीर प्रताप, अरशद खान, अनुभव अग्रवाल भी टीम में शामिल हैं. बता दें, रणजी ट्रॉफी 2025-26 दो फेज में खेली जाएगी. पहला फेज 15 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होगा, जबकि दूसरा फेज 22 जनवरी से 1 फरवरी तक चलेगा. इसके बाद नॉकआउट स्टेज 6 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा.

दोस्ताना मुकाबलों के लिए

लौटारो रिवेरो अर्जेंटीना की टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। रिवर प्लेट के डिफेंडर लौटारो रिवेरो को अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया है। लौटारो उन तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ होने वाले दोस्ताना मैचों के लिए चुना गया। अर्जेंटीना 10 अक्टूबर को मियामी में वेनेजुएला के खिलाफ खेलेगा। इसके तीन दिन बाद यह टीम शिकागो में प्यूर्टो रिको को चुनौती देगी। रेसिंग क्लब के गोलकीपर फाकुंडो कैम्बेसिस और पाल्मेरास के मिडफील्डर एनीबल मोरेनो को भी पहली बार अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने टीम में जगह दी है। ये मुकाबले इस महीने संयुक्त राज्य अमेरिका में खेले जाने हैं। इनके अलावा, स्कालोनी ने बॉर्नमाउथ के डिफेंडर मार्कोस सेनेसी को एक बार फिर टीम में शामिल किया गया है, जबकि चेल्सी के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज निलंबन के कारण सितंबर में खेले गए वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स से बाहर रहने के बाद एक बार फिर वापसी कर रहे हैं।

अर्जेंटीना की टीम में एमिलियानो मार्टिनेज, खेरोनिमो रूली, वाल्टर डेनियल बेनितेज और फाकुंडो कैम्बेसिस को गोलकीपिंग का जिम्मा सौंपा गया है। इस टीम की कमान लियोनेल मेस्सी को सौंपी गई है। खेमे में लिवरपूल के मिडफील्डर एलेक्सिस मैक एलिस्टर, रियल मैड्रिड के मिडफील्डर फ्रेंको मस्तंतुओनो, एटलेटिको मैड्रिड के फॉरवर्ड जूलियन अल्वारेज और इंटर मिलान के स्ट्राइकर लौटारो मार्टिनेज भी शामिल हैं।

लियोनेल मेस्सी गोट टूर 2025 के लिए दिसंबर में भारत आने की पुष्टि कर चुके हैं। चार शहरों का यह दौरा 13 दिसंबर को कोलकाता से शुरू होगा, जिसके बाद अहमदाबाद, मुंबई और 15 दिसंबर को नई दिल्ली में समाप्त होगा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में खौफनाक घटना! 2 नाबालिग लड़कों ने चाकू से गोदकर युवक को मार डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक कबाड़ बिनने वाले को दो नाबालिग लड़कों चाकुओं से गोदकर मार डाला। इस मामले पर ऐक्शन लेते हुए दिल्ली पुलिस ने दोनों नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने नाबालिगों से पूछताछ की तो दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और बताया कि मृतक से उनकी पुरानी दुश्मनी थी। दोनों आरोपियों को हिरासत में लेने के बाद पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। मामला दिल्ली के गोकलपुरी पुलिस थाना क्षेत्र का है। यहां पुलिस नियंत्रण कक्ष को शाम को करीब साढ़े चार बजे एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने बताया कि वहां एक शख्स को चाकू मारकर घायल कर दिया गया है। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि यहां के भागीरथी विहार इलाके की गली नंबर-6 में पहुंचने पर पता चला कि 18 साल के लड़के को घायल अवस्था में जीटीबी अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने बताया कि जब वहां पहुंचे तो डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया था। इस मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज देखनी शुरू कर दी। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद पुलिस को पता चल गया कि दो लोगों ने मृतक को चाकू से मारा है। इसे देखते हुए पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गोकुलपुरी थाने में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इसमें पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया है। इस मामले की जानकारी देते हुए डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि सबूतों के आधार पर दो नाबालिग लड़कों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों को गिरफ्तार करने के बाद जब कड़ाई से पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

बच्चों को किडनैप कर मां से की गंदी डिमांड; गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में दो खौफनाक घटनाएं सामने आई हैं। यहां दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप हैं कि उन्होंने बच्चों को किडनैप किया और उसके बाद उनकी मांओं से संबंध बनाने का दबाव बनाया। इसकी शिकायत पुलिस से करने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पहला मामला दिल्ली के कृष्णा नगर थाने का है। यहां महिला ने थाने में शिकायत दर्ज करवाते हुए आरोप लगाया कि उसके पड़ोसी ने उसके तीन साल के बेटे को किडनैप कर लिया और उससे शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बना रहा था। इस मामले की जानकारी देते हुए शाहदरा के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि महिला के आरोप के अनुसार, आरोपी दो महीने से उसे जानता था। महिला का कहना है कि आरोपी ने उसपर शादी करने का दबाव बनाया लेकिन महिला ने इनकार कर दिया। इसके बाद गुस्से में आकर आरोपी ने इलाज के बहाने तीन साल के बच्चे को किडनैप कर लिया। महिला द्वारा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करने के बाद पुलिस तुरंत ऐक्शन में आई। पुलिस ने 30 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की जांच की और कॉल डिटेल रिकॉर्ड निकाला तो पता चला कि आरोपी बिहार चला गया है। पुलिस ने बताया कि उसकी तलाशी के दौरान आरोपी ने अपनी जगह कई बार बदली। लेकिन आरोपी ने एक बड़ी गलती कर दी जब वो किसी के साथ व्हाट्सऐप वीडियो कॉल पर जुड़ा। पुलिस ने पता लगा लिया कि आरोपी सूरत रेलवे स्टेशन पर है। इसके बाद पुलिस ने रेलवे पुलिस को इसकी जानकारी दी और रेलवे पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी को पुलिस दिल्ली ले आई है। दूसरा मामला दिल्ली के विकासपुरी का है। यहां दर्ज मामले में एक सात साल के बच्चे की मां ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसका बेटा सुबह स्कूल के लिए निकला लेकिन वापस नहीं आया। महिला ने आरोप लगाया कि उसके बेटे के गायब होने में एक व्यक्ति का हाथ है, जिसके साथ वो लिव-इन रिलेशनशिप में रह चुकी है। इस मामले पर बात करते हुए पुलिस ने बताया कि आरोपी संदिग्ध स्वभाव का था। वह महिला के प्रति अधिकार भाव रखता था। पुलिस को दी गई शिकायत में महिला ने बताया कि वो जिस शख्स से मिलती वो उसी पर शक करने लगता था।

दिल्ली बाढ़ ने यमुना संवारने के प्रोजेक्ट में डाली बाधा

नई दिल्ली, एजेंसी।
पिछले महीने सितंबर के पहले सप्ताह में यमुना का जलस्तर बढ़ने के कारण बाढ़ का पानी यमुना डूब क्षेत्र में पहुंचा। इस वजह से दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की कई परियोजनाएं प्रभावित हुईं। अब डीडीए इन्हें फिर से बहाल करने की योजना बना रहा है।

डीडीए सूत्रों के मुताबिक, यमुना क्षेत्र में डीडीए की सात परियोजनाओं को पूरा करने में अब तीन वर्ष से अधिक का समय लगेगा। इससे पहले वर्ष 2023 में भी ये योजनाएं प्रभावित हुई थीं। डीडीए अधिकारियों ने बताया कि सभी डूब क्षेत्र में विशेष अभियान चलाते हुए अब हरित क्षेत्र को बढ़ाया जाएगा। बायोडायवर्सिटी पार्कों से जुड़ी परियोजनाओं को दोबारा शुरू किया जाएगा।

यमुना डूब क्षेत्र और जैव विविधता पार्कों से जुड़ी परियोजनाएं बाढ़ से प्रभावित हुई थीं। डीडीए ने इसका आकलन भी किया है। जिसमें पता चला कि इन डूब क्षेत्र के हरित क्षेत्र समेत अन्य निर्माणाधीन कार्य को क्षति पहुंची है। मयुर विहार नेचर पार्कः यह पार्क नदी के 22 किलोमीटर के डूब क्षेत्र में तैयार किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को 136 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। अब इसे तैयार करने की तिथि अक्तूबर 2026 से बाढ़ के कारण आगे बढ़ सकती है।

ये योजनाएं हुईं प्रभावित

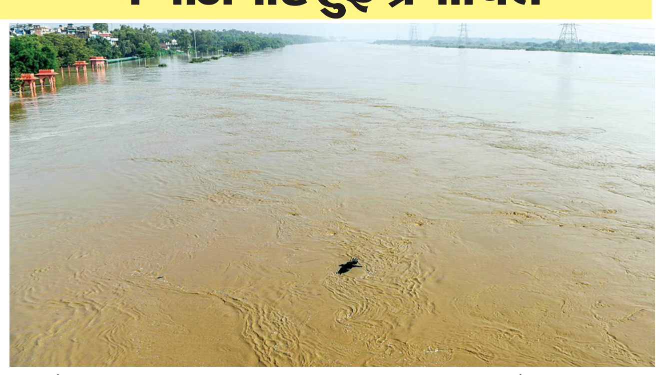

वासुदेव घाटः वजीराबाद से पुरानी रेलवे ब्रिज के पास यमुना के पश्चिमी तट पर निर्माण किए गए इस परियोजना पर लगभग 13.7 करोड़ रुपये की लागत आई है।

अमृत बायोडायवर्सिटी पार्कः इसे यमुना के पूर्वी और पश्चिमी तट में नई रेलवे लाइन से निजामुद्दीन ब्रिज के पास बनाया गया। इस परियोजना को 108 हेक्टेयर (267 एकड़) की जमीन पर लगभग 20 करोड़ से बना है।

असिताः असिता पूर्वी यमुना डूब क्षेत्र को लगभग 197 हेक्टेयर भूमि (486 एकड़) पर विकसित किया गया है। जुलाई 2023 में यमुना नदी के जलस्तर बढ़ने के कारण आई बाढ़ से 90 हजार से अधिक पौधों प्रभावित हुए थे। साथ ही, झाड़ियों और घास को भी नुकसान हुआ था। इस बार फिर से पुराने रेलवे ब्रिज से आईटीओ बैराज तक फैले इस यमुना डूब क्षेत्र पर असर पड़ा है।

यमुना वनस्थलीः इसे वजीराबाद से पुरानी रेलवे ब्रिज के पास यमुना के पूर्वी तट में तैयार किया जा रहा है। 236.5 हेक्टेयर की जमीन पर 11.1 करोड़ की लागत काम जारी है।

यमुना वाटिकाः यमुना डूब क्षेत्र में 494 एकड़ भूमि पर निर्मित यमुना वाटिका को इस वर्ष जनवरी में शुरू किया गया। यहां पर 47.5 टन वजनी नंदी बैल की प्रतिमा स्थापित की गई।

कालिंदी बायोडायवर्सिटी पार्कः यह डीएनडी से कालिंदी बाईपास के रूट पर यमुना के पश्चिमी तट में मौजूद हैं। जहां पर 115 हेक्टेयर (284 एकड़) की जमीन को लगभग 7.6 करोड़ रुपये की लागत से बाढ़ क्षेत्र को पुनर्स्थापित का काम किया गया।

दिल्ली सरकार 1000 इमारतों पर लगाएगी सोलर पैनल

नई दिल्ली, एजेंसी
दिल्ली सरकार 55 मेगावाट ग्रीन एनर्जी उत्पन्न करने के लिए लगभग 1,000 इमारतों पर सोलर पैनल लगाने की योजना बना रही है। सरकार ने राजधानी 500 वर्गमीटर से बड़ी सभी सरकारी इमारतों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाना अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले महीनों में सैकड़ों स्कूलों, 40 से ज्यादा दमकल केंद्रों, 24 दिल्ली जल बोर्ड कार्यालयों और दिल्ली नगर निगम की 70 से ज्यादा इमारतों पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे।

बिजली बिल में सालाना 50 करोड़ से अधिक की होगी बचतः उन्होंने बताया कि इस कदम से बिजली बिल में सालाना 50 करोड़ रुपये से अधिक की बचत होगी और कार्बन उत्सर्जन में 46,000 टन कार्बन डाईऑक्साइड की कमी आएगी।

दिल्ली सरकार ने 500 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाली अपनी इमारतों पर रूफटॉप सोलर प्लांट लगाना अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि 3,880 चिन्हित सरकारी इमारतों में से 1,200 से ज्यादा में रूफटॉप प्लांट पहले ही लगाए जा चुके हैं।

पिछले महीने, उत्तर पश्चिमी दिल्ली के रिठाला में एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 1,000 सरकारी भवनों पर छत पर सोलर पैनल प्लांटों की स्थापना के माध्यम से 55 मेगावाट बिजली पैदा करने की परियोजना शुरू की थी। रिठाला में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में 25 किलोवाट के सोलर प्लांट का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा था, यह काम अगले साल जनवरी तक पूरा हो जाएगा। आने वाले दिनों में सरकारी इमारतों को सोलराइज करने का काम शुरू हो जाए

यौन उत्पीड़न मामले में अदालत ने सुनाया फैसला

लास एंजिल्स , एजेंसी। हॉलीवुड के जाने-माने रैपर सीन डिडी कॉम्ब्स को 4 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। उनपर लगे यौन शोषण मामले की सुनवाई शुक्रवार को शुरू हुई थी। याचिकाकर्ता ने डिडी के खिलाफ सख्त सजा की मांग की थी। ऐसे में कयास लगाए जा रहे थे कि डिडी को 135 महीने की जेल हो सकती है।

सीन डिडी केस की सुनावई करने वाले जस्टिस अरुण सुब्रमण्यन भारतीय मूल के हैं। डिडी ने उन्हें पत्र लिखते हुए न सिर्फ अपना जुर्म कबूला था बल्कि सजा कम करने की भी मांग की थी।

रैपर सीन डिडी पर मानव तस्करी और रैकेट चलाने के भी आरोप लगे थे। हालांकि, इन आरोपों से उन्हें बरी कर दिया गया है। मगर, उनपर लगा यौन उत्पीड़न का केस सच साबित हुआ है, जिसपर सजा सुना दी गई है।

मैं अपनी पिछली गलतियों की सारी जिम्मेदारी लेता हूं। मेरी मति मारी गई थी। अगर मैं कहूं कि मुझे माफ कर दो, तो इससे पुराने घाव नहीं भरेंगे। मुझे अपने बर्ताव पर बेहद दुख है। मैं आपने एक और मौका चाहता हूं। कॉम्ब्स के वकील ने भी उनकी 11 साल की जेल को बदलकर 14 महीने तक करने की मांग की थी। बता दें कि, कॉम्ब्स पर लगे मानव तस्करी के आरोप अगर साबित होते, तो उन्हें उम्रकैद भी हो सकती थी। कैसी वेंचुरा नाम की एक महिला ने कॉम्ब्स पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। वेंचुका का कहना है कॉम्ब्स के साथ 11 साल के रिलेशनशिप में उसे कई मानसिक और शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। वहीं, एक अन्य महिला के अनुसार 17 साल की उम्र में कॉम्ब्स समेत कई लोगों ने उसका यौन उत्पीड़न किया था।

ट्रंप की शांति योजना को हमास ने ठुकराया, कहा- जब फिलिस्तीन की गारंटी नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने हमास को डेडलाइन दे दी है। ट्रंप ने सीजफायर को लेकर इजरायल-हमास के सामने 20 सूत्रीय योजना रखा है। ट्रंप की चेतावनी के बाद हमास ने इसमें हामी तो भर दी। लेकिन अब हमास के सैन्य प्रमुख इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद ने ट्रंप के 20 सूत्रीय सीजफायर प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है।

हमास सैन्य प्रमुख इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद का साफ-साफ कहना है कि जब तक उसे फिलिस्तीन देश की गारंटी नहीं मिलेगी, तब तक हमास किसी भी स्थिति में हथियार नहीं डालेगा। बीबीसी और अरब न्यूज की रिपोटों के अनुसार, इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद ने कतर में मौजूद वार्ताकारों को निर्देश भेजा कि वे इस समझौते से पीछे हट जाएं और इजराइल के खिलाफ लड़ाई जारी रखें.

गौरतलब है कि याह्या सिनवार और मोहम्मद सिनवार की मौत के बाद इज्ज अल दीन अल-हद्दाद को गाजा का कमांडर बनाया गया। इज्ज अल दीन अल-हद्दाद वर्तमान में हमास की सैन्य शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड्स के शीर्ष प्रमुख हैं। इनके बादे अभी 48 बंधकों और हमास की सैन्य रणनीति पर सीधा नियंत्रण है। जिसमें 20 लोगों के जिंदा होने की संभावना जताई जा रही है। यही वजह है कि अल दीन अल-हद्दाद की बातों का इतना महत्व है।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने हमास को डेडलाइन देते हुए चेतावनी दी है कि अगर हमास ने समझौता नहीं माना तो उसका बहुत दुखद अंत होगा। डेडलाइन से पहले ही इजरायल ने दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया। नेतन्याहू सरकार ने कहा था कि अब गाजा सिटी में जो भी बचेगा, उसे आतंकी माना जाएगा। अमेरिका और इजरायल द्वारा पहले ही हमास को चेतावनी दे दी गई है कि अगर वे शर्तों को नहीं मानते तो उन्हें पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। ऐसे में अगर हमास फिलिस्तीन देश की गारंटी मांगता है और उसे नहीं दी जाती है, तो युद्ध बंद नहीं होगा। अमेरिका और इजरायल हमास पर हमले करेंगे, जो हमास के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकता है। गाजा में युद्ध विराम को लेकर ट्रंप के एक तरफा पीस प्लान के विरोध में कई देशों में प्रदर्शन हो रहे हैं। ट्रंप के इस फैसले का अमेरिका, तुर्किये, दक्षिण अफ्रीका और कई यूरोपीय देशों में लोग विरोध कर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि ट्रंप की यह 20 सूत्रीय योजना एक अमेरिकी इजराइली दस्तावेज जैसी है, जिसमें फिलिस्तीनियों को शामिल किए बिना गाजा को लेकर फैसला लिया जा रहा है। यही वजह है कि हमास भी इस शर्त को मानने से मना कर रहा है।

आतंक का हॉटस्पॉट बन रहा मैनचेस्टर

लंदन, एजेंसी।
ब्रिटेन के मैनचेस्टर में गुरुवार को एक यहूदी प्रार्थनाघर के बाहर कार और चाकू से हमले हो गए। इस घटना में दो लोगों की जान चली गई और तीन घायल हो गए। जो गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं पुलिस ने इस हमले के जवाबी कार्रवाई के दौरान संदिग्ध हमलावर को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

दरअसल, मैनचेस्टर में जहां पर हमला हुआ, वहां दशकों से यहूती और मुस्लिम साथ रहते आ रहे हैं। लेकिन गुरुवार को यॉम किप्पुर जैसे पवित्र दिन यहूदी प्रार्थनाघर के बाहर हुए इस हमले ने चिंता बढ़ा दी है। यहां 35 वर्षीय जिहाद अल-शामी ने कार और चाकू से हमला कर दिया। जिसमें 53 वर्षीय एड्रियन डॉल्बी, और 66 वर्षीय मेल्विन क्रैविट्ज की मौत हो गई। वहीं, तीन अन्य लोग घायल हुए हैं।

बता दें कि यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले दो दशकों से मैनटेस्टर में लगातार आतंकवादी घटनाएं देखने को मिल रही है। साल 2003 में क्रम्पसल हमले से लेकर 2017 के अरीना ब्लास्ट तक। यहां आए दिन आतंकी घटनाएं घटित हो रही हैं। मैनचेस्टर के उपनगरों में पनपते नफरती उपदेशक, मोहल्लों में फैला कट्टर नेटवर्क और सोशल मीडिया पर फैलाया गया जहर, युवाओं को उग्रवाद की तरफ धकेल रहा है। मैनचेस्टर के आसपास आतंक का हॉटस्पॉट

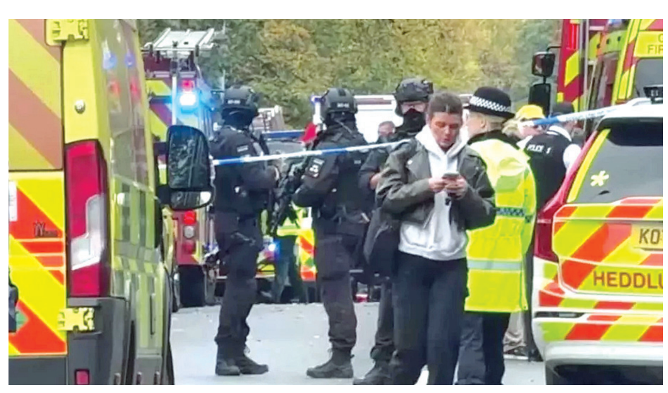

आलम यह है कि मैनचेस्टर के आसपास के कई इलाके आतंक का हॉटस्पॉट बन गए हैं। लेवेनशुल्म, रशोल्म और क्रम्पसल जैसे इलाकों में बीते दो दशकों में कई युवाओं की जिंदगी कट्टरपंथ ने बदल दी है। यहां 2003 में एक पुलिस अधिकारी की हत्या, 2011 में अल-कायदा भर्ती गिरोह और 2017 में सलमान अबेदी का एरियाना ग्रांडे कॉन्सर्ट ब्लास्ट, हर घटना ने यह संकेत दिया कि मैनचेस्टर में कट्टरपंथ गहरी जड़ें जमा रहा है। जिस युवक ने हमला किया वह, जिहाद अल-शामी सीरियाई मूल का है। जो अपने फैमिली के साथ मैनटेस्टर आया था। उसका बचपन उसी सिनेगॉग के पास गुजरा, जहां उसने हमला किया। हमालवर का शुरुआती जीवन सामान्य था। लेकिन किशोरावस्था में आते ही वह कट्टरपंथ की गिरफ्त में चला गया। स्कूल की शिक्षा के बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी। उस पर इस साल के शुरुआत में एक दुष्कर्म का आरोप लगा था। वह जमानत पर जेल से बाहर था। इसी दौरान उसने इस घटना को अंजाम दिया।

गाजा युद्ध के बाद मैनचेस्टर में यहूदियों पर बढ़े हमले

बता दें कि गाजा युद्ध के बाद मैनचेस्टर में यहूदियों पर हमले 190 बढ़े हैं। कम्युनिटी सिक्योरिटी रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त 2023 से अगस्त 2024 के बीच यहूदियों पर घृणा अपराध 190 तक बढ़ गए।

पाकिस्तान ने गाजा सीजफायर प्लान को नकारा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने गाजा में सीजफायर से जुड़े ट्रम्प के प्लान को नकार दिया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने शुक्रवार को कहा कि ट्रम्प का गाजा सीजफायर प्लान मुस्लिम देशों के ड्राफ्ट जैसा नहीं है। डार ने बताया कि इस्लामिक देशों ने 22 सितंबर को ट्रम्प के साथ हुई बैठक में गाजा से पूरी तरह से इजराइल की वापसी का प्रस्ताव रखा था। जबकि ट्रम्प के प्लान में सिर्फ सैनिकों की आंशिक वापसी का प्रावधान है, ताकि हमास के कब्जे में बचे हुए बंधकों को रिहा किया जा सके। डार ने संसद में कहा, ट्रम्प का प्लान, हमारे प्रस्ताव के जैसा नहीं हैं। इसमें कुछ बदलाव किए गए हैं, जो हमारे मसौदे में थे। मेरे पास इसका रिकॉर्ड है। ट्रम्प ने सोमवार, 29 सितंबर को गाजा जंग को खत्म करने के लिए 20 पाइंट का प्लान पेश किया था। पीएम शहबाज शरीफ ने एक्स पर पोस्ट कर इस प्लान का समर्थन किया था। पाकिस्तान समेत आठ इस्लामिक देशों मिस्त्र, इंडोनेशिया, जॉर्डन, कतर, सऊदी अरब, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात ने एक संयुक्त बयान जारी कर ट्रम्प के प्रस्ताव का स्वागत किया था। इन देशों के विदेश मंत्रियों की तरफ से जारी इस बयान में कहा गया था कि वे ट्रम्प के नेतृत्व और युद्ध खत्म करने के उनके ईमानदार प्रयासों में विश्वास रखते हैं। इनके अलावा भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्रम्प के इस प्लान का स्वागत किया था।

किस्सा दिल्ली का: देखी है चोर मीनार? जहां टांगे जाते थे चोरों के सिर

बेहद खौफनाक है दास्तान

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की कुतुबमीनार तो आपने जरूर देखी होगी। लेकिन क्या आपको पता है कि दिल्ली की दिल्ली की तंग गलियों और चहल-पहल भरे बाजारों के बीच एक चोर मीनार खड़ी है। इसका नाम सुनकर आपको लग रहा होगा कि यहां कभी चोर रहते होंगे। लेकिन कहानी बिल्कुल उलट और डरावनी है। इस मीनार की के पत्थर भले ही खामोश हैं, पर कहानी रोंगटे खड़े कर देती है। 13वीं सदी में बनी ये मीनार न सिर्फ एक वास्तुशिल्प है, बल्कि एक शासक की क्रूरता और चतुराई का प्रतीक भी है। आज हम इसी चोर मीनार की कहानी बता रहे हैं। दिल्ली सल्तनत के क्रूर शासक अलाउद्दीन खिलजी ने 1296 से 1316 के बीच ये मीनार बनवाई। खिलजी का शासन काल अपराध और आक्रमणों से भरा था। मंगोलों की बार-बार दिल्ली पर नजरें गड़ाने और शहर में चोरी-डकैती का बोलबाला होने से परेशान होकर उन्होंने ये मीनार खड़ी की। इसका नाम चोर मीनार यानी चोरों की मीनार रखा गया। इसका उद्देश्य ही बयां करता है। ये कोई साधारण मीनार नहीं थी। इसमें बने 225 छेद चोरों, कैदियों और विद्रोहियों के सिरों को प्रदर्शित करने के लिए थे। खिलजी का मकसद साफ था कि अपराधी को सजा देकर बाकी लोगों को डराना, ताकि शहर में कानून का राज कायम रहे। इतिहासकारों के मुताबिक, ये मीनार खिलजी की न्याय व्यवस्था का एक हिस्सा थी, जो क्रूरता से भरी होने के बावजूद शहर को सुरक्षित रखने में कामयाब रही। चोर मीनार की प्रसिद्धि उसके खौफनाक इतिहास से है। मध्यकाल में जहां सजाएं सार्वजनिक होती थीं, ये मीनार उसका चरम उदाहरण बनी। खिलजी के समय में पकड़े गए चोरों या मंगोल आक्रमणकारियों के सिरों को इन छेदों में गाड़ दिया जाता था। आज ये फेमस है क्योंकि ये मध्ययुगीन मनोविज्ञान को दर्शाती है कि डर से कैसे कानून लागू किया जाता है। पर्यटक इसे टावर ऑफ थिएव्स के नाम से भी जानते है। लेकिन प्रसिद्धि के साथ एक सबक भी जुड़ा है - कैसे एक राजा ने अपराध को जड़ से उखाड़ फेंका, भले ही तरीका डरावना हो। वास्तव में, ये मीनार खिलजी की सैन्य रणनीति का भी हिस्सा थी, जो दिल्ली को आक्रमणों से बचाने में मददगार साबित हुई। दिल्ली के हौज खास इलाके में, अरबिंदो मार्ग के किनारे, हौज खास एन्क्लेव मेट्रो स्टेशन के पास ये मीनार शांतिपूर्वक खड़ी है। रबल मेसनरी (कंकड़-पत्थरों से बनी) संरचना, जो करीब 13 मीटर ऊंची है, आसानी से नजरअंदाज हो जाती है क्योंकि ये व्यस्त सड़क के किनारे बनी है। लेकिन अगर आप हौज खास गांव की ओर बढ़ें, तो ये अचानक नजर आ जाती है। ये स्ढ के संरक्षण में है और आसपास हौज खास कॉम्प्लेक्स की हरी-भरी वादियां इसे और रहस्यमयी बनाती हैं।

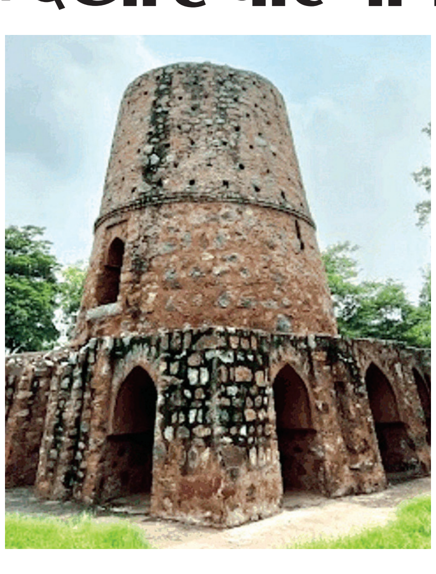

मार्शल ने कंडक्टर की उंगली काटी, डीटीसी बस के रूट को लेकर हुआ था बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बस में तैनात बस मार्शल ने इलेक्ट्रिक बस के रूट को लेकर हुए विवाद में बस परिचालक जितेंद्र कुमार पुनिया की बाईं हाथ की मध्यमा उंगली काट दी। पुलिस ने पुनिया की शिकायत पर आरोपी मार्शल मानसिंह को गिरफ्तार कर लिया है। जितेंद्र कुमार पुनिया 2019 से डीटीसी के संविदा कर्मचारियों में शामिल हैं। 28 सितंबर को वह नोएडा सेक्टर-62 और धौला कुआं के बीच चलने वाली इलेक्ट्रिक बस में ड्यूटी पर थे। बस चालक और मार्शल बस को लाजपत नगर रिंग रोड फ्लाईओवर से ले जाना चाहते थे, जबकि परिचालक पुनिया समानांतर सड़क से जाने पर अड़े थे। इसी बात पर दोनों के बीच बहस हुई। शाम करीब साढ़े पांच बजे, बस नेहरू नगर के पास यातायात जाम में फंस गई, जिससे समय पर टर्मिनल पहुंचना मुश्किल हो गया। शाम साढ़े छह बजे धौला कुआं टर्मिनल पहुंचने पर विवाद और बढ़ गया। बस चालक चाय पीने गया और पुनिया बस में खाना खा रहे थे। इसी दौरान मार्शल मानसिंह कथित तौर पर उनके पास आकर अपशब्द कहने लगा। पुनिया ने विरोध किया, तो मार्शल ने हमला कर दिया और उनकी मध्यमा उंगली काट दी, जिससे उंगली का एक हिस्सा अलग हो गया।

संक्षिप्त समाचार

तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अप्रेश कुमार सिंह का देवघर से रांची की यात्रा के दौरान आज

पेटरवार गेस्ट हाउस में कुछ समय के लिए ठहराव हुआ। इस अवसर पर पुलिस जवानों द्वारा मुख्य न्यायाधीश को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मुख्य न्यायाधीश का स्वागत उपायुक्त अजय नाथ झा, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एसडीओ प्रभाष दत्ता, डीपीआरओ रवि कुमार तथा तेनुघाट न्यायालय के पदाधिकारियों ने पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। जानकारी हो कि मुख्य न्यायाधीश देवघर से रांची लौटने के क्रम में कुछ समय के लिए पेटरवार गेस्ट हाउस में रुके थे।

स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर में बीपीएल युवाओं की हुई जांच

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय स्टेट बैंक एवं एक सामाजिक संस्था ने संयुक्त रूप से शहरी क्षेत्र से दूर इलाकों के युवाओं और बच्चों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

इस शिविर में फिजियोथेरेपी,ऑक्यूपेशनल थैरेपी क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट द्वारा परामर्श,स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता अन्य स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी गयी।इस विशेष पहल शेसहर के हर वर्ग के लोग अब अपने ही क्षेत्र में इन सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। गरीबी रेखा से नीचे के बी पी एल परिवारों के बच्चों के लिए मात्र 50 रुपए प्रति सत्र में सुविधा उपलब्ध होगी।अब लोगों को बाहर अन्य शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। सारी सेवाएँ धनबाद में ही मिलेंगी।इस शिविर की विशेषताएँ,शिविर में कई थैरेपिस्ट और इंडियन थेरेपी सेंटर के स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम के माध्यम से धनबाद में एक नई जागरूकता की लहर आएगी और गरीब परिवारों को अधिक से अधिक सेवाएँ सुलभ होंगी। खासकर मध्यमवर्ग एवं गरीब परिवारों को इस पहल से बहुत राहत मिलेगी।यह शिविर नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट,एसबीआई और आईटीसी के संयुक्त प्रयास से समाज को स्वास्थ्य और जागरूकता के क्षेत्र में एक नई दिशा देने का प्रयास है।

सुरक्षा कर्मियों के बकाया भुगतान हेतु श्रम विभाग का नोटिस

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के जनता दरबार में शराब दुकानों में कार्य कर रहे सुरक्षाकर्मियों ने 5 महीने बकाया वेतन दिलाने की गुहार लगायी थी। आउटसोर्सिंग कंपनी फ्रंटलाइन एनसीआर बिजनस सॉल्यूशन के द्वारा 135 सुरक्षा कर्मी जिले के विभिन्न शराब दुकानों में कार्यरत थे , परंतु 1 सितंबर 2025 से शराब निजी हाथों में जाने से आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा कार्यरत 135 सुरक्षाकर्मी 5 महीने का लगभग 85 लाख रुपया भुगतान नहीं कर रही है । उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेश पर श्रम विभाग ने नोटिस जारी कर दिया है। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि मजदूरी भुगतान अधिनियम 1936 के धारा 5 के अनुसार 7-10 तारीख के बीच में सभी नियोजकों द्वारा वेतन भुगतान किया जाना है। फ्रंटलाइन एनसीआर बिजनस आउटसोर्सिंग कंपनी को नोटिस जारी कर दिया गया है , यदि सभी कर्मियों का भुगतान नहीं करता है तो माननीय श्रम न्यायालय में जुर्माना / मुवाजा के साथ मुकदमा दायर कर दी जाएगी ।

सदर अस्पताल में 4 मरीजों का निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की पहल पर धनबाद के सदर अस्पताल में से मोतियाबिंद ऑपरेशन शुरू किया गया। पहले ही दिन फेको पद्धति जैसी आधुनिक तकनीक से 4 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार ने बताया कि आज लोयाबाद की उषा देवी

(54 वर्ष), न्यू कॉलोनी हुसैन नगर के मोहम्मद पप्पू (43 वर्ष), मनईटांड के मोहन केशरी (68 वर्ष) तथा भावरदाहा दुमदुमी के रिंकू महतो (38 वर्ष) का ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। उन्होंने बताया कि यह सुविधा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत जनसाधारण के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। इससे जिले के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को विशेष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह सुविधा उपायुक्त के मार्गदर्शन और सहयोग तथा अस्पताल की कुशल चिकित्सीय टीम के सामूहिक प्रयास से शुरू किया जा सका है। वहीं सदर अस्पताल प्रबंधन ने जिले के आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएँ और नियमित रूप से अपनी आँखों की जाँच कराएँ। निःशुल्क ऑपरेशन के लिए अपना आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड का जेरोक्स, 2 पासपोर्ट साइज फोटो और मोबाईल नम्बर लेकर सदर अस्पताल आए।

उपायुक्त ने किया मनरेगा पार्क एवं आम बागवानी का निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने पेटरवार प्रखंड अंतर्गत ओरदाना स्थित मनरेगा पार्क झ कृषि (आम) बागवानी का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने चल रहे कार्यों की प्रगति का विस्तृत जानकारी लिया और स्थल पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, डीपीआरओ रवि कुमार, बीडीओ संतोष कुमार, सीओ अशोक कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, एनओ पंकज दूबे, समेत जेएसएलपीएस, महिला एसएचजी के सदस्यगण आदि उपस्थित थे।

आम उत्पादन की ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर जोर

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि बोकारो जिले में उच्च गुणवत्ता वाले आम का उत्पादन हो रहा है, जिसे ब्रांडिंग और मार्केटिंग से जोड़कर राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की आवश्यकता है। उन्होंने अपर समाहर्ता को पीएमयू टीम को निर्देशित करने का निर्देश दिया कि जिले में उत्पादित आमों की बिक्री और प्रसंस्करण के लिए बड़े बायर्स (क्रेता समूहों) के साथ बैठक आयोजित करें। उपायुक्त ने कहा कि स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

महिला समूहों को बहुफसली खेती अपनाने को किया प्रेरित

मौके पर उपायुक्त ने उपस्थित महिला स्व-सहायता समूह (एसएचजी) की दीदियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि केवल आम की खेती तक सीमित न रहकर खाली जगहों पर पपीता, कटहल और अमरूद जैसे फलों की बागवानी भी की जाए। उन्होंने बताया कि बहुफसली खेती अपनाने से आय में विविधता आएगी और महिला समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस दिशा में प्रशासनिक सभी सहयोग मुहैया कराने की बात कहीं। उपायुक्त ने एसएचजी दीदियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप ग्रामीण अर्थव्यवस्था की असली शक्ति हैं, आपके प्रयासों से जिले में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा परिवर्तन संभव है।

सिंचाई एवं आधारभूत संरचना पर दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित बीडीओ - सीओ को निर्देश दिया कि अमृत सरोवर के माध्यम से सोलर लिफ्ट इरीगेशन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वर्षभर बागवानी को पर्याप्त सिंचाई मिल सके। साथ ही उन्होंने एप्रोच पथ को सुदृढ़ करने, शेड निर्माण करने का निर्देश देते हुए कहा कि बागवानी तक पहुंचने के लिए सुगम मार्ग उपलब्ध कराना दीदीओं और यहां आने वाले लोगों दोनों के लिए जरूरी है।

मनरेगा से हरित विकास और रोजगार सृजन को बल

उपायुक्त ने कहा कि मनरेगा योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन और हरित विकास का प्रभावी माध्यम बन रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है, बल्कि कृषि और बागवानी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग हो और लाभार्थियों को अधिकतम सुविधा प्रदान की जाए।

आवास योजनाओं का कार्य समय पर पूरा करने की दी हिदायत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने चास प्रखंड के काशीझरिया पंचायत अंतर्गत कुरमाटोला का भ्रमण कर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्मित आवासों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रानी दिव्या, चेपी देवी, बबली देवी, नेपुरा देवी, चारु देवी, पूनम देवी, सीता देवी एवं बाटुला देवी को प्राप्त आवास की प्रगति का जायजा लिया और निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त (डीडीसी) ने संबंधित अधिकारियों

एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि सभी पीएम आवास योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण किया जाए, ताकि शीघ्र आवास का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब परिवारों को सम्मानजनक आवास प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, इसलिए कार्य में पारदर्शिता और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित की जाएं।

दून्दीबाद हटिया में भीषण आग, आठ दुकानें खाक, लाखों का नुकसान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएस सिटी थाना क्षेत्र के दून्दीबाद हटिया स्थित कतारी मोड़ के पास शनिवार को अचानक लगी भीषण आग ने इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। बताया जा रहा है कि एक गद्दा और रुई की दुकान में रखे फोम में अचानक आग भड़क उठी, जो देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि थोड़े ही समय में आसपास की करीब आठ दुकानें इसकी चपेट में आ गईं। इस अग्निकांड में रुई-गद्दा की दुकान के साथ-साथ फर्नीचर की दुकान, फल गोदाम, प्लास्टिक टेबल-कुर्सी की दुकान सहित कई अन्य प्रतिष्ठान जलकर राख हो गए। आग की चपेट में आई दुकानों में रखे लाखों रुपए मूल्य के सामान जलकर नष्ट हो गए। वहीं, पास में खड़ी एक बाइक और साइकिल भी आग की लपटों में समा गई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस हादसे में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि संभवतः किसी इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट से आग लगी होगी, हालांकि पुलिस और अग्निशमन विभाग इसकी जांच में जुटे हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही झारखंड अग्निशमन सेवा और बोकारो स्टील सिटी अग्निशमन सेवा की चार दमकल गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मौके पर स्वयं बीएस सिटी थाना प्रभारी सुदामा दास मौजूद थे, जो राहत और बचाव कार्य की निगरानी कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि दुकानदारों को अपने सामान तक निकालने का मौका नहीं मिला। कई लोग जान बचाने के लिए दुकानें छोड़कर बाहर भागे। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल व्याप्त हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर बोकारो भाजपा के पूर्व विधायक बीरांची नारायण भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने इस अग्निकांड को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया और जिला प्रशासन से पीड़ित दुकानदारों को उचित मुआवजा देने की मांग की। पुलिस और प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि नुकसान का आकलन कर जल्द से जल्द सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

बोकारो : जुआ और लॉटरी की लत ने ली युवक की जान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध मौत ने सनसनी फैला दी है। पिंडराजोरा थाना क्षेत्र के जाला बस्ती निवासी 22 वर्षीय जाहिर शाह का शव इस्पात नगर और तालगड़िया रेलवे स्टेशन के बीच रेल लाइन पर मिला। पुलिस को आशंका है कि युवक ने ट्रेन के नीचे आकर आत्महत्या की है। मृतक के परिजनों के अनुसार, जाहिर शाह पिछले कुछ समय से जुआ और लॉटरी का आदी हो गया था। इस लत के कारण उसने गांव के ही कई लोगों से पैसे उधार

ले रखे थे। लगातार बढ़ते कर्ज और दबाव से परेशान होकर वह मानसिक रूप से तनाव में रहने लगा था। घटना के दिन वह अपनी मौसी के घर चंदाहा जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन उसका शव रेल पटरी पर मिला। परिजनों का कहना है कि कर्ज और मानसिक तनाव के चलते जाहिर शाह ने यह कदम उठाया होगा। दूसरी ओर, मुफ्फसिल थाना पुलिस ने भी प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। परिजनों से पूछताछ के बाद पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि युवक पर कितना कर्ज था और किन लोगों से उसने उधार लिया था। इस घटना ने स्थानीय लोगों को झकझोर दिया है। जुआ और लॉटरी जैसी बुरी लतों से युवाओं के भटकने और जान गंवाने का यह एक और दुखद उदाहरण बन गया है।

बोकारो पुलिस ने नशे के कारोबार का किया भंडाफोड़, तीन तस्कर गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में नशे के कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गांजा और ब्राउन शुगर की बिक्री में शामिल एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से भारी मात्रा में नशीले पदार्थ और नकदी बरामद की गई है। घटना की जानकारी के अनुसार, 4 अक्टूबर की सुबह बोकारो पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम सिजुआ तालाब के पास दो युवक मोटरसाइकिल खड़ा कर गांजा और ब्राउन शुगर का पुड़िया बनाकर बेच रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर डीएसपी मुख्यालय के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों युवकों को मोटरसाइकिल सहित पकड़ लिया। तलाशी के दौरान पुलिस को 1.540 किलो गांजा, 10 पुड़िया ब्राउन शुगर और 850 रुपये नगद मिले। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने खुलासा किया कि वे बारी कॉपरेटिव कॉलोनी निवासी अनिरुद्ध साव उर्फ हित से नशे का सामान खरीदते हैं। इसके बाद पुलिस ने अनिरुद्ध साव के घर पर छापेमारी की, जहां से 10.400 किलो गांजा, एक हुंडई वेन्यू कार,

इलेक्ट्रॉनिक तराजू और 7,939 रुपये नगद सहित कई आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए। पुलिस ने इस पूरे अभियान में कुल 11.940 किलो गांजा, 10 पुड़िया ब्राउन शुगर, एक कार, एक मोटरसाइकिल और नकदी जब्त की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अनिरुद्ध साव उर्फ हित, मो. फैज अकरम और मो. मतलुब आलम के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से जिले में नशे का कारोबार कर रहा था और युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा था। बोकारो पुलिस ने इसे नशे के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है और कहा है कि इस तरह के अपराधों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

प्रस्तावित हड़ताल सफल बनाने हेतु यूनियन ने की संकल्प सभा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र में 10 अक्टूबर को प्रस्तावित हड़ताल के समर्थन में बीएकेएस यूनियन के हॉट स्ट्रीप मिल के सदस्यों ने शनिवार को मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष संकल्प सभा किया। अवैध बोनस फॉमुर्ला रद्द करने तथा एकतरफा खाते में बोनस भेज देने से अधिकतर बीएसएल कर्मी आक्रोशित है। प्रबंधन को अपने आक्रोश दिखाने के लिए हॉट स्ट्रीप मिल के कर्मियों ने संकल्प सभा के माध्यम से अगामी 10 अक्टूबर को हड़ताल करने की चेतावनी दी है। वेज रीविजन में धांधली, एरियर भुगतान में धांधली के बाद बोनस में धांधली से सभी बीएसएल कर्मी काफी आक्रोशित है। इसके साथ कई छोटे बड़े मुद्दो को वर्षो से लटका कर रखा गया है , जिसके कारण एक बीएसएल कर्मी को प्रतिमाह 10 से 30 हजार रुपया नुकसान हो रहा है। दूसरी तरफ सेल अधिकारियों की सभी सुविधाओं को समय पर लागू कर दिया जा रहा है, जबकि कर्मचारियों की माँगो को अनसुना कर दिया जा रहा है। मोबाईल सेट , फर्नीचर एडवांश , लैपटॉप एडवांश, स्टैग्नेशन इंक्रिमेंट, ड्रेस पर आयकर छूट की सूविधा सिर्फ अधिकारी वर्ग को ही दिया गया है। इन सुविधाओं को न तो एनजेसीएस माँग कर रही है और ना ही सेल प्रबंधन

द्वारा कर्मियों के लिए लागू किया जा रहा है। एनटीपीसी, पावरग्रीड, सरकारी तेल कंपनियों में यह सुविधा पहले से लागू है। आज के प्रदर्शन को संबोधित करने वालों में अध्यक्ष हरिओम,महासचिव दिलीप,मधुरेंद्र सिंह,शत्रुंजय सिंह मुख्य हैं। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में हॉट स्ट्रीप मिल विभाग के कर्मियों से अगामी 10 अक्टूबर की हड़ताल को सफल बनाने की अपील की है जिसे कर्मियों ने पूर्ण करने का संकल्प लिया।

दूसरी बच्चियों के लिए रोल मॉडल बनें, मेहनत से करें कामः डीडीसी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को चास स्थित कल्याण गुरुकुल में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली छात्राओं के लिए आयोजित फ्लैग ऑफ सेरेमनी में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर प्रशिक्षण पूरा करने के बाद टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (तामिलनाडु) में चयनित हुई 23 छात्राओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जिला कल्याण पदाधिकारी, संस्थान के प्रधानाध्यापक, प्रेझा फाउंडेशन के प्रतिनिधि, शिक्षकगण एवं प्रशिक्षु छात्राएं आदि उपस्थित रहीं।

मेहनत और ईमानदारी से करें काम, बनें रोल मॉडल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीडीसी ने कहा कि बहुत कम छात्राओं को यह अवसर मिलता है कि वे देश की बड़ी कंपनियों में काम कर सकें। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि कंपनी प्रबंधन द्वारा जो भी दायित्व सौंपा जाए, उसका ईमानदारी और निष्ठा से निर्वहन करें। मेहनत करें, काम सीखें और निरंतर आगे बढ़ें। आप सभी को अपने प्रदर्शन से अन्य बच्चियों के लिए रोल मॉडल बनना है। उन्होंने छात्राओं को अपने परिवार और समाज का नाम रोशन करने तथा आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहने की सलाह दी।

23 छात्राओं को मिला रोजगार का अवसर

कल्याण गुरुकुल में स्मार्ट मोबाइल फोन निर्माण प्रशिक्षण पूरा करने वाली 23 छात्राओं का चयन टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड,

तामिलनाडु में हुआ है। डीडीसी ने सभी चयनित छात्राओं को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि यह सफलता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि जिले की बेटियों के लिए गर्व का क्षण है।

प्रशिक्षण सुविधाओं का डीडीसी ने लिया जायजा

समारोह से पूर्व डीडीसी ने संस्थान का भ्रमण किया और स्मार्ट मोबाइल फोन लैब, कंप्यूटर लैब तथा प्रशिक्षण कक्षों का जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण की गुणवत्ता और छात्राओं के प्रदर्शन के बारे में जानकारी ली तथा प्रबंधन की सराहना की। मौके पर संस्थान के प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण और प्रेझा फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली छात्राओं को बधाई दी।

भाकपा के जिला सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक

निरसा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाकपा के जिला सम्मेलन की तैयारियां जोड़ों पर है । शनिवार को भाकपा (माले) के निरसा पार्टी कार्यालय गुरुदास भवन में सम्मेलन को सफल बनाने हेतु निरसा प्रखण्ड कमिटी की एक बैठक हुई जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए । कमिटी की बैठक में आगामी 11 और 12 अक्टूबर को दो दिवशीय जिला सम्मेलन की तैयारियों पर विशेष चर्चा की गई । बैठक में पर्यवेक्षक कामरेड श्री राम विश्वकर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे । विज्ञप्ति में कहा गया कि निरसा प्रखण्ड से 24 चुने हुए प्रतिनिधियों की अंतिम सूची तैयार कर जिला कमेटी को सुपुर्द की गई। बैठक जिला कमिटी के निदेर्शानुसार आयोजित की गई । जिला सम्मेलन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए एक आकर्षक पोस्टर जारी किया गया। सभी पार्टी साथियों ने सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने का संकल्प लिया। कहा गया कि निरसा प्रखण्ड

कमिटी के इस बैठक के माध्यम से कार्यकताओं में जोश और एकजुटता का संदेश दिया, ताकि आगामी सम्मेलन संगठन को और मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा । बैठक जिला कमेटी के निदेर्शानुसार आयोजित की गई, जिसमें निरसा प्रखण्ड सचिव कॉमरेड टुटुन मुखर्जी, कामरेड हरेंद्र सिंह,कॉमरेड निरंजन गोराई, कॉमरेड मनोज सिंह, अतिकूर रहमान सहित अन्य प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com

CMYK